बंगाल चुनाव परिणामों को लेकर... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कॉकटेल 2 में होगी दीपिका पादुकोण.. 11

वर्ष - 02, अंक - 28 | गाजियाबाद / शनिवार 02 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 994 रु. तक महंगा

- 5 किलो वाले सिलेंडर के दाम भी 261 रुपए बढ़े
- घरेलू सिलेंडर और पेट्रोल-डीजल के दाम यथावत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमर्शियल सिलेंडर शुक्रवार से 994 रुपए तक महंगा हो गया। दिल्ली में ये 3071.50 रुपए में मिल रहा है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली महंगी कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है। 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 261 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी से छोटा सिलेंडर 813.50 रुपए का हो गया। पहले इसकी कीमत 552.50 रुपए थी। इनका ज्यादातर इस्तेमाल प्रवासी मजदूर, छात्रों या छोटे दुकानदार करते हैं।

शहर	नई कीमत	पुरानी कीमत	अंतर
दिल्ली	3071.50	2078.50	993.00
कोलकाता	3202.00	2208.00	994.00
मुंबई	3024.00	2031.00	993.00
चेन्नई	3237.00	2246.50	990.50

(सभी राशि रुपये में)

सरकारी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने बयान में कहा कि देश में मौजूद 33 करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में यह तीसरी वृद्धि हुई है। पहली बार मार्च की शुरूआत में इसकी कीमत में लगभग 115 रुपए की वृद्धि की गई थी, जिसके बाद 1 अप्रैल को कीमतों को लगभग 200 रुपए और बढ़ाया गया। बयान में आगे आईओसीएल ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा कि अब डीजल के निर्यात पर शुल्क की दर 23 रुपए प्रति लीटर होगी। इसके अलावा, एटीएफ के निर्यात पर शुल्क की दर 33 रुपए प्रति लीटर (केवल एसएईडी) होगी। पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क की दर शून्य बनी रहेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.82 अरब डॉलर घटा

मुंबई (एजेंसी)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 4.82 अरब डॉलर घटकर 698.487 अरब डॉलर रह गया। लगातार तीन सप्ताह बढ़ने के बाद विदेशी मुद्रा का देश का भंडार कम हुआ है। गत 17 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 2.362 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 703.308 अरब डॉलर पर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार में मुख्य घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण भंडार हैं। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया कि 24 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.841 अरब डॉलर घटकर 554.622 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार भी 1.897 अरब डॉलर कम होकर 120.236 अरब डॉलर रह गया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.855 अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 6.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.774 अरब डॉलर रह गया।

यूपी में तेज तूफान-बारिश से 24 की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। पिछले दो दिनों में भारी बारिश, तेज तूफान और बिजली गिरने के कारण पूरे उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान हुआ, जिसमें 24 लोगों की मौत हो गई। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, खराब मौसम के चलते हुई घटनाओं में 15 लोग घायल हुए हैं जबकि 16 जानवरों की भी मौत हुई है। राज्य के कई जिलों में लगातार बारिश, तेज हवाओं और बार-बार बिजली गिरने से हालात खराब हो गए हैं, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की, जिनकी मौत हुई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मुश्किल समय में राज्य सरकार सभी प्रभावित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को तुरंत और सही इलाज दिया जाए और अस्पतालों में सभी जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने यह भी कहा है कि मृतकों, घायलों और पशुधन के नुकसान का मुआवजा 24 घंटे के भीतर दिया जाए।

पीएम ने बुद्ध पूर्णिमा पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और भगवान बुद्ध की शिक्षाओं की शाश्वत प्रासंगिकता एवं समाज में सद्भाव को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका पर बल दिया।

मोदी ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, ''बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान बुद्ध के आदर्शों को साकार करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता बहुत दृढ़ है। उनके विचार हमारे समाज में आनंद एवं एकता की भावना को मजबूत करें।'' उन्होंने अपने बयानों से इस बात पर प्रकाश डाला गया कि सरकार शांति, करुणा एवं

एकता जैसे मूल्यों को बढ़ावा देने पर लगातार बल दे रही है जो बौद्ध दर्शन के केंद्र में हैं। बुद्ध पूर्णिमा को वैशाख पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है जो कि गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति एवं महापरिनिर्वाण का प्रतीक है और भारत और विश्व में उनके लाखों अनुयायियों द्वारा मनाया जाता है।

पंजाब में न्यूनतम मजदूरी में 15 प्रतिशत की वृद्धि

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शुक्रवार को न्यूनतम मजदूरी में 15 प्रतिशत बढ़ोतरी का ऐलान किया। यह वृद्धि सरकारी और गैर-सरकारी दोनों क्षेत्रों के सभी मजदूरों पर समान रूप से लागू होगी। विधानसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब में 13 साल के लंबे अंतराल के बाद न्यूनतम मजदूरी में संशोधन किया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट से राहुल गांधी को राहत

- एफआईआर की मांग वाली याचिका खारिज

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को राहत देते हुए उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उनके 'इंडियन स्टेट से लड़ाई' संबंधी बयान पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने हिंदू शक्ति दल की सिमरन गुप्ता द्वारा दाखिल याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया था कि राहुल गांधी का बयान देशभर की जनभावनाओं को

आहत करने वाला है और यह राष्ट्रविरोधी तथा देशद्रोह जैसी टिप्पणी है।

मामला राहुल गांधी के उस बयान से जुड़ा है, जो उन्होंने पिछले साल जनवरी में नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान दिया था। राहुल गांधी ने कहा था, ''हम अब भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से भी लड़ रहे हैं।''

याचिकाकर्ता का आरोप था कि यह सिर्फ राजनीतिक आलोचना नहीं, बल्कि देश को अस्थिर करने और भारतीय राज्य को विरोधी ताकत के रूप में पेश करने की कोशिश है। इससे पहले संभल की स्थानीय अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद दाखिल पुनरीक्षण याचिका भी खारिज हो गई थी, जिसके बाद मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा।

15 दिन टोल-फ्री रहेगा गंगा एक्सप्रेसवे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 594 किमी. लंबे गंगा एक्सप्रेसवे को कमर्शियल ऑपरेशन डेट (सीओडी) से 15 दिनों तक टोल-फ्री रखने की घोषणा की है। इस फैसले के तहत प्रदेश की जनता बिना किसी शुल्क के यूपी के सबसे लंबे व अत्याधुनिक एक्सप्रेसवे का अनुभव कर सकेगी। मेरठ से प्रयागराज तक फैला यह एक्सप्रेसवे प्रदेश के 12 जनपदों को जोड़ता है।

मैंने उर्दू को हटाने का आदेश नहीं दिया : उमर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में उर्दू भाषा को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विपक्षी पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के उस आरोप को सिरे से खारिज किया है, जिसमें कहा गया था कि सरकार ने उर्दू को आधिकारिक भाषा और राजस्व रिकॉर्ड की भाषा से हटा दिया है। मीडिया से बातचीत में सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह पार्टी (पीडीपी) झूठ फैलाने के अलावा कुछ नहीं कर रही। मैंने कब आदेश दिया कि उर्दू को हटाया जाए? उन्होंने पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती पर भी निशाना साधते हुए कहा, ''इल्तिजा मुफ्ती पढ़ी-लिखी हैं, लेकिन उन्हें और कैसे समझाया जाए। क्या हमें उनके लिए ट्यूशन क्लास लगानी चाहिए?'' मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जिस दस्तावेज को पीडीपी 'आदेश' बता रही है।

यूक्रेन ड्रोन हमले से समुद्री टर्मिनल पर लगी आग

मास्को (एजेंसी)। रूस के तुआपसे में एक समुद्री टर्मिनल पर यूक्रेनी ड्रोन के हमले के कारण आग लग गई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। यह जानकारी क्रास्नोडार क्षेत्र के प्रतिक्रिया केन्द्र ने शुक्रवार को दी। प्रतिक्रिया केंद्र ने कहा कि आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर काम कर रही हैं।"

रेलवे फाटक संख्या 520 पर मरम्मत, दो दिन रहेगा बंद

रुड़की। रेलवे प्रशासन द्वारा फाटक संख्या 520 पर सड़क मरम्मत कार्य कराए जाने के चलते आवागमन प्रभावित रहेगा। सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्यालय) उत्तर रेलवे रुड़की के अनुसार इकबालपुर-लक्सर मार्ग स्थित इस रेलवे फाटक पर 3 मई को सुबह 8:00 बजे से 4 मई को सुबह 8:00 बजे तक रोड रिपेयर का कार्य किया जाएगा। इस दौरान फाटक पूरी तरह बंद रहेगा। प्रशासन ने बताया कि पूर्व निर्धारित तिथि 30 अप्रैल को कार्य नहीं हो सका था, क्योंकि उस दिन बारिश हो गई थी। इसके चलते नई तिथि तय की गई है।

आंग सान सू की रिहा घर में रहेंगी नजरबंद

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। म्यांमार की नेता आंग सान सू की को जेल से रिहा कर दिया गया है। उन्हें नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) में भेज दिया गया है। यह कदम सैन्य शासन वाले देश में लोकतंत्र का आभास देने के लिए उठाया गया माना जा रहा है, खासकर तब जब सैन्य नेता मिन आंग ह्लाइंग को राष्ट्रपति चुना गया है। म्यांमार के सूचना मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति ने ह्लैन पि ताव जेल में सजा काट रहीं दाउ आंग सान सू की की बाकी सजा को नजरबंदी में बदलने का फैसला किया है। सू की पहले राज्य परामर्शदाता (स्टेट काउंसलर) और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई नागरिक सरकार की वास्तविक प्रमुख थीं, सरकार को 2021 में सेना ने तख्तापलट करके हटा दिया था। तख्तापलट का नेतृत्व करने वाले वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग, जो अब तक जुंटा प्रमुख थे, 3 अप्रैल को संसद द्वारा राष्ट्रपति चुने गए।

आप सरकार ने जीता विश्वासमत

- विपक्ष ने किया वॉकआउट
- कांग्रेस विधायक के आपत्तिजनक आरोपों पर हुआ हंगामा

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान शुक्रवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आप सरकार के पक्ष में विश्वासमत प्रस्ताव पेश किया, जिसे सदन में सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। हालांकि इस दौरान विपक्ष के अधिकांश विधायक सदन में मौजूद नहीं रहे, जिससे सियासी माहौल और अधिक गरमा गया। विश्वासमत पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दिनों अफवाहों का बाजार गर्म है और नकारात्मक खबरें तेजी से फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के विधायकों के टूटने की चर्चा पूरी तरह बेबुनियाद है और लोगों में भ्रम पैदा करने के लिए फैलाई जा रही हैं। सत्र के दौरान उस वक्त हंगामा हुआ जब मुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायकों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे सदन में मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं। इसके बाद कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा के बैठने के तरीके को लेकर विवाद बढ़ गया। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई।

हंगामे के दौरान खैहरा ने मुख्यमंत्री पर आपत्तिजनक आरोप लगाए, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। इसके बाद कांग्रेस के विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। भारतीय जनता पार्टी और अकाली दल के विधायक भी इस दौरान सदन में मौजूद नहीं रहे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गुजरात में स्थानीय चुनावों में उनकी पार्टी ने सैकड़ों सीटें जीती हैं, जिससे विरोधी दलों में बेचैनी है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार मजबूत है और बहुमत पूरी तरह सुरक्षित है। विधानसभा में विधायक अनमोल गगन मान ने भी सरकार के समर्थन में बोलते हुए कहा कि वे आखिरी सांस तक पार्टी के साथ रहेंगे और पार्टी ने ही उन्हें यह मुकाम दिया है।

मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि उनकी सरकार ने चार वर्षों में ऐसे काम किए हैं जो पिछले कई दशकों में नहीं हुए।

जबलपुर क्रूज हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर नौ, चार लापता

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी बांध पर क्रूज दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई जबकि चार अन्य लापता हैं। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक मदद की भी घोषणा की।

उन्होंने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। शत्रुजीत ब्रिगेड के प्रशिक्षित गोताखोरों सहित एक जूनियर कमीशंड अधिकारी और 13 सैनिकों को हवाई मार्ग से जबलपुर ले जाया गया और दुर्घटना स्थल पर तैनात किया गया।

रवि के बने एचएएल के प्रबंध निदेशक, संभाला पदभार

बेंगलुरु (एजेंसी)। रवि के ने शुक्रवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के 22वें अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में पदभार संभाला। उन्होंने डॉ. डीके सुनील की जगह ली है जो 30 अप्रैल, 2026 को सेवानिवृत्त हुए थे। उनके पास अनुसंधान एवं विकास, विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है। इससे पहले वह एचएएल में निदेशक (संचालन) के पद पर तैनात थे।

यूपीआई लेनदेन 22 अरब के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की संख्या अप्रैल में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 22.35 अरब हो गई है। वहीं, इनकी वैल्यू सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 29.03 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह जानकारी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से शुक्रवार को दी गई। दैनिक आधार पर अप्रैल में यूपीआई के औसत लेनदेन की संख्या बढ़कर 74.5 करोड़ हो गई है, जो कि मार्च में 73 करोड़ थी। औसत दैनिक यूपीआई लेनदेन की वैल्यू बढ़कर 96,766 करोड़ रुपए हो गई, जो कि मार्च में 95,243 करोड़ रुपए थी।

मिडिल ईस्ट के लिए अमेरिकी नौसेना के जहाज फिर तैयार

- मिलिट्री का दावा
- 'डार्क ईगल' हाइपरसोनिक मिसाइलों का हो सकता है इस्तेमाल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका अपनी नौसेना के जहाजों को मध्य एशिया में भेजने की तैयारी कर रहा है। इन जहाजों में तेल (ईंधन), खाना, हथियार और बाकी जरूरी सामान भरा जा रहा है, ताकि वे लंबे समय तक ऑपरेशन जारी रख सकें।

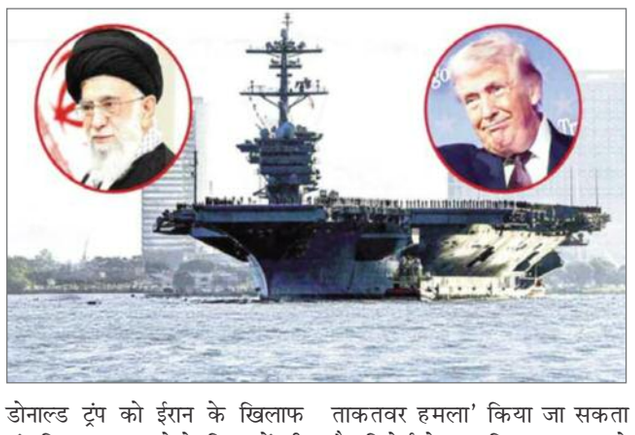

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी है। कुछ तस्वीरों में लिखा गया कि गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर यूएसएस डेलबर्ट डी ब्लैक पर ईंधन, खाना, हथियार और जरूरी सप्लाई लोड की जा रही है। इस बीच खबर ये भी है कि सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है। फॉक्स न्यूज के अनुसार एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रंप के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए।

इसमें बताया गया कि अगर ट्रंप दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक 'छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला' किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में ईरान की बची हुई सैन्य ताकत, उसके नेता और अहम ढांचे निशाने पर होंगे। रक्षा मंत्रालय कुछ नए और उन्नत हथियार इस्तेमाल करने पर भी विचार कर रहा है। इनमें 'डार्क ईगल' हाइपरसोनिक मिसाइल भी शामिल है। तैयारियों की ये तस्वीर ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि ईरान सीजफायर की आड़ में वो हथियार निकाल रहा है जो पिछले हमलों के दौरान नीचे छिपे या दबे हुए थे। एनबीसी न्यूज के मुताबिक, ईरान की सरकार ने उन मिसाइलों और दूसरे हथियारों को निकालने की कोशिशें तेज कर दी हैं जो यूएस-इजराइली हवाई हमलों के बाद जमीन के नीचे या मलबे में दबे हुए थे। कथित तौर पर इस मामले से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी और दो दूसरे लोगों ने ये जानकारी दी। इस बीच, ईरान की राजधानी तेहरान में वीरवार रात एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय होने की भी खबरें आईं।

मिडिल ईस्ट संकट से मंदी की आशंका: सिंगापुर पीएम

सिंगापुर (एजेंसी)। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि मिडिल ईस्ट संकट से पैदा हुई सप्लाई बाधाएं आने वाले कई महीनों तक जारी रह सकती हैं। साथ ही, स्थिति और भी गंभीर हो सकती हैं, जिससे कई अर्थव्यवस्थाओं के मंदी की चपेट में आने का खतरा बढ़ गया है। मे डे रैली को संबोधित करते हुए वोंग ने कहा कि वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ेगी, जो पहले ऊर्जा से खाद्य वस्तुओं तक और फिर अन्य जरूरी सामानों तक पहुंचेगी। कुछ अर्थव्यवस्थाएं मंदी में जा सकती हैं और इसका सीधा असर सिंगापुर पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दोबारा खुल जाए, फिर भी यह मान लेना सही नहीं होगा कि संकट जल्द खत्म हो जाएगा। बंदरगाहों और ऊर्जा ढांचे को हुए नुकसान, समुद्री मार्गों से बारूदी सुरंगें हटाने और व्यापारिक भरोसा बहाल करने में समय लगेगा।

ईरान ने अमेरिका को भेजा समझौते का नया प्रस्ताव

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी हमले के खतरे के बीच ईरान ने अमेरिका को समझौते का नया प्रस्ताव भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, ईरान ने रूस, ओमान और पाकिस्तान से बातचीत के बाद अमेरिका को यह प्रस्ताव भेजा। पाकिस्तान के माध्यम से समझौते का यह प्रस्ताव अमेरिका को भेजा गया। हालांकि अमेरिका की तरफ से इस प्रस्ताव पर फाइनल फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लेंगे। बताया जा रहा है कि प्रस्ताव में होर्मुज को पूर्ण रूप से खोलने और परमाणु हथियार के मसले पर बातचीत के सुझाव दिए गए हैं।

जम्मू में निर्माणाधीन पुल का पिलर गिरा, कई मजदूर मलबे में दबे

-सेना, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर; रेस्क्यू ऑपरेशन तेज

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू जिले के बंतलाब-ठथर इलाके में शुक्रवार शाम एक निर्माणाधीन पुल का पिलर गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना करीब शाम 4 बजे उस समय हुई, जब पुल का एक हिस्सा अचानक ढह गया और वहां काम कर रहे कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार 4 से 6 मजदूरों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू करने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। इसके साथ ही बचाव कार्य के लिए भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं। मौके पर बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। रेस्क्यू टीमें सावधानीपूर्वक मलबा हटाकर अंदर फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक अभी तक प्रभावित मजदूरों की सटीक संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है। हालांकि सभी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं।

ठाणे में भाजपा सांसद सावर की कार का एक्सीडेंट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में शुक्रवार सुबह भाजपा सांसद हेमंत सावर की कार का एक्सीडेंट हो गया। हादसा घोड़बंदर रोड पर हुआ, जब उनकी कार सामने से आ रहे एक डंपर से टकरा गई। दुर्घटना में सांसद सावर सुरक्षित बच गए, जबकि उनके कार चालक को हल्की चोटें आई हैं। टक्कर के बाद कार के एयरबैग तुरंत खुल गए, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सूचना मिलते ही नायगांव पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और मदद पहुंचाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निजामुद्दीन-मुंबई ट्रेन में 6.30 करोड़ की ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार, ट्रॉली बैग में छिपाया था मेथम्फेटामाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मुंबई जा रही निजामुद्दीन ट्रेन में ड्रग्स तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है, इसमें सूरत रेलवे स्टेशन पर एक महिला को करीब 6.30 करोड़ रुपये की मेथम्फेटामाइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की। जानकारी के अनुसार, जांच एजेंसी को पहले से सुराग मिला था कि एक महिला ट्रेन में भारी मात्रा में नशीला पदार्थ लेकर यात्रा कर रही है, यहां तक कि उसकी सीट संख्या की पता चल गई थी। इसके बाद डीआरआई की टीम ने सूरत स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही संदिग्ध महिला को पकड़ लिया। शुरुआती पूछताछ में महिला ने खुद को सामान्य यात्री बताया, जिससे डीआरआई अधिकारियों को तुरंत कोई शक नहीं हुआ। लेकिन जब महिला के ट्रॉली बैग की गहन जांच हुई, तब सच्चाई सामने आ गई। बैग के निचले हिस्से में टेप की मदद से ड्रग्स के पैकेट चिपकाए गए थे, जबकि ऊपर कपड़े और जूतों के डिब्बे इस तरह रखे गए थे कि किसी को शक नहीं हो। गिरफ्तार महिला की पहचान 45 वर्षीय मेलारियो हेनरी के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के नासिक की निवासी है। बरामद मेथम्फेटामाइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 6.30 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह बरामदगी दर्शाती है कि तस्कर बेहद चालाक और संगठित तरीके से काम कर रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद महिला को सूरत की अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने महिला को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। फिलहाल डीआरआई अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं और ड्रग्स के स्रोत, सप्लाई चेन तथा उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। शुरुआती जांच में मामला एक बड़े संगठित गिरोह से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। जांच अधिकारियों को संदेह है कि इस तस्करी के पीछे अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हाथ हो सकता है। दिल्ली से सूरत होकर मुंबई तक इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स की सप्लाई किसी बड़े लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की ओर इशारा करती है। डीआरआई अब दिल्ली और मुंबई में भी जांच का दायरा बढ़ा रही है।

हमें सरकार से पैसा नहीं चाहिए, मासूमों की मौत के हत्यारे चाहिए

-मणिपुर में बम धमाके में मृत भाई-बहनों का 25 दिन बाद भी अंतिम संस्कार नहीं

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के ट्रोंगलाओबी गांव में 7 अप्रैल को बम धमाके में 5 साल के बच्चे और उसकी 6 माह की बहन की मौत हो गई थी। दो भाई-बहनों का शव 25 दिन बाद भी इंफाल के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में रखे हैं। इस हमले का आरोप संदिग्ध कुकी उग्रवादियों पर लगाया गया है। इन मासूम मौतों ने मणिपुर हिंसा के दर्द को कई गुना बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खुले खेतों के पास बने घर में घुसते ही दीवार और आसपास मौजूद टिन की चादरों पर बम के छर्रों से हुए छेद दिल दहला देते हैं। जिस खिड़की पर बम फोड़ा गया था, उसकी मरम्मत करा दी गई है, लेकिन पूरा परिवार सदमे में है। बच्चों के बुजुर्ग दादा बाबुटन ओइनाम कहते हैं सरकार 10-10 लाख रुपए लेकर बच्चों का अंतिम संस्कार करने को कह रही है, लेकिन हमें पैसा नहीं चहिए। हमें हत्यारे चाहिए। मणिपुर की बीजेपी सरकार ने इस घटना की जांच एनआईए को सौंपी है। हैरानी वाली बात ये है कि शुरुआत में कुछ संदिग्ध कुकी उग्रवादियों को गिरफ्तार करने की खबरें आईं थी, लेकिन आरोपी कौन हैं, कहां के हैं, ऐसे कई सवालों पर सरकार और पुलिस चुप्पी साधे हुए है। बाबुटन ने बताया कि सरकार जिन तीन लोगों को पकड़ने का दावा कर रही है, उनके बारे में लोग कह रहे हैं कि ये उग्रवादी पहले से जेल में बंद हैं। फिर पुलिस ने उन्हीं को दोबारा क्यों गिरफ्तार किया? इन्हीं झूठे दावों के चलते हम अपने बच्चों के शव अब तक घर नहीं लाए। रिपोर्ट के मुताबिक बाबुटन ओइनाम ने कहा कि हम तब तक अपने बच्चों का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे, जब तक उन्हें मारने वालों को सरकार गिरफ्तार कर सजा नहीं दे देती है। पुलिस ने किसे गिरफ्तार किया, हमें नहीं पता। उन निर्दयी लोगों ने एक ऐसी नन्हीं बच्ची को मार डाला, जिसने जन्म के बाद अन्न का एक दाना भी नहीं चखा था। उन्होंने किा कि गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम सिंह घटना के बाद हमारे घर पर आए थे। हमने उनसे दो टूक कहा हत्यारों को हमारे सामने सजा दो।

उत्तर से लेकर पूर्वोत्तर तक बदलेगा मौसम का मिजाज

धूल भरी आंधी और भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई महीने की शुरुआत के साथ ही देश के बड़े हिस्से में मौसम के मिजाज में व्यापक बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने उत्तर, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के लिए विशेष चेतावनी जारी की है, जिसमें मैदानी इलाकों में धूल भरी आंधी और गरज के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। हालांकि इस बदलाव से तपती गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन आंधी, बिजली गिरने और भारी वर्षा के कारण सुरक्षा का खतरा भी बना रहेगा।

राजधानी दिल्ली सहित हरियाणा और चंडीगढ़ में 1 से 6 मई के बीच मौसम का असर दिखेगा। इस दौरान इन क्षेत्रों में 40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी 6 मई तक मौसम अस्थिर रहने वाला है। राजस्थान, विशेषकर पूर्वी हिस्सों में धूल भरी आंधी के साथ छिटपुट बारिश के आसार हैं। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और

हिमाचल प्रदेश में 5 मई तक मौसम सबसे अधिक सक्रिय रहेगा, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में यातायात और सामान्य जीवन प्रभावित हो सकता है। पूर्वी भारत में मौसम का सबसे आक्रामक रूप देखने को मिल सकता है। बिहार और झारखंड में अगले एक सप्ताह तक आंधी-तूफान का सिलसिला जारी रहने का पूर्वानुमान है। बिहार में 2 मई से 70 किमी/घंटा की रफ्तार वाला भीषण तूफान और भारी बारिश आने की आशंका है, जिसे लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही ओडिशा के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि की भी प्रबल संभावना जताई गई है। पूर्वोत्तर राज्यों—असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में स्थिति चिंताजनक हो सकती है। अगले चार दिनों तक यहां मूसलाधार बारिश का अनुमान है। विशेष रूप से असम और मेघालय में 2 और 3 मई को अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मध्य भारत के राज्यों, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश में 50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, वहीं छत्तीसगढ़ में 4 मई को 70 किमी/घंटा की रफ्तार वाले तूफान की चेतावनी दी गई है, जो काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है।

खेड़ा मामले में कांग्रेस सीएम सरमा पर हमलावर, पत्नी से जुड़े मामले में तथ्यों को सामने रखे

-सुप्रीम कोर्ट से पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत मिलने के बाद आई प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत मिलने के बाद सियासी पारा चढ़ा हुआ है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को 'सच्चाई और न्याय की जीत' करार देकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने फैसले पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि सच्चाई की जीत हुई है और न्याय हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा को अपनी पत्नी से जुड़े मामले में तथ्यों को सामने रखना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय उन्होंने पवन खेड़ा को अपमानित करने के लिए दिल्ली और हैदराबाद में पुलिस भेजी। कांग्रेस सांसद तिवारी ने सरमा की इस कार्रवाई को सत्ता का दुरुपयोग और अहंकार बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की कार्रवाई स्वीकार्य नहीं हो सकती और यह राजनीतिक प्रतिशोध का स्पष्ट उदाहरण है।

पूरे मामले में कांग्रेस ने भाजपा पर लगातार निशाना साधकर कहा कि विपक्षी नेताओं को दबाने की कोशिश हो रही है। पार्टी का कहना है कि अदालत के फैसले ने साफ किया है कि कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही थी। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने असम के मुख्यमंत्री सरमा के इस्तीफे की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि इस मामले के बाद नैतिक आधार पर उन्हें पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है, जिससे आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक टकराव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

हज यात्रा के हवाई किराए में बढ़ोत्तरी, औवेसी का हमला...'जायरीनों का शोषण'

नई दिल्ली (एजेंसी)। नहज यात्रा के हवाई किराए में 10,000 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर देश में राजनीतिक और सामाजिक विवाद बढ़ गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने यह फैसला वैश्विक परिस्थितियों, खासकर मध्य-पूर्व में तनाव और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती कीमतों को देखकर लिया है। कमेटी, जो अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के तहत काम करती है, ने स्पष्ट किया कि यह बढ़ोतरी एक बार की है और यात्रियों को अतिरिक्त 100 अमेरिकी डॉलर (करीब 10,000 रुपये) देना होगा। केंद्र सरकार के अनुसार, ईरान में 28 फरवरी से जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर एटीएफ की कीमतें दोगुनी से ज्यादा बढ़ गई हैं। एयरलाइंस की कुल लागत में ईंधन का हिस्सा 30-40 प्रतिशत तक होता है, इसलिए इस बढ़ोतरी का सीधा असर हवाई किराए पर पड़ रहा है। हज कमेटी के सर्कुलर में कहा गया है कि सभी जायरीनों को 15 मई तक अतिरिक्त राशि जमा करनी होगी, ताकि यात्रा व्यवस्थाएं प्रभावित न हों।

हालांकि, हज कमेटी के फैसले का विरोध भी तेज हो गया है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस फैसले को ÷जायरीनों का शोषण÷ करार देकर मोदी सरकार से सर्कुलर वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग हज यात्रा के लिए वर्षों तक पैसे बचाते हैं और यह कोई विलासिता नहीं बल्कि धार्मिक कर्तव्य है। ओवैसी ने उल्लेख किया कि पहले ही कुछ एम्बार्केशन पॉइंट्स से यात्रा का किराया काफी ज्यादा था, इसके बाद अंतिम समय पर अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है। इसी तरह, कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने भी सवाल उठाया कि जब किराया पहले तय हो चुका था, तब यात्रा से ठीक पहले यह बढ़ोतरी क्यों की गई। विपक्ष का आरोप है कि यह फैसला गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव डालने के लिए किया गया है।

लेकिन मामले में विवाद बढ़ने पर केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने केंद्र सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि एयरलाइंस ने शुरुआत में प्रति यात्री 300 से 400 डॉलर अतिरिक्त शुल्क की मांग की थी, लेकिन केंद्र सरकार के हस्तक्षेप कर घटाकर केवल 100 डॉलर किया गया। केंद्रीय मंत्री रिजिजू के अनुसार, यह निर्णय पारदर्शिता और संतुलन के साथ लिया गया है, ताकि यात्रियों पर अधिक बोझ न पड़े और यात्रा सुचारु रूप से जारी रह सके। मोदी सरकार ने स्पष्ट किया कि यह ÷शोषण÷ नहीं बल्कि एक व्यावहारिक समाधान है, जिससे यात्रियों को और अधिक महंगे किराए से बचाया गया है। फिलहाल, इस मुद्दे पर बहस जारी है और यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि केंद्र सरकार आगे कोई राहत देती है या नहीं।

बंगाल चुनाव परिणामों को लेकर बीजेपी ने बुलाई हाईप्रोफाइल बैठक

-ममता को अपनी जीत और चौथी बार सत्ता में वापसी का पूरा भरोसा

लखनऊ (एजेंसी)। कोलकाता,(ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को कोलकाता में एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई है। इस बैठक का मकसद पश्चिम बंगाल के अहम विधानसभा चुनावों के लिए 4 मई को होने वाली वोटों की गिनती से पहले पार्टी की तैयारियों की समीक्षा करना है। इस बैठक में पार्टी का नेतृत्व बूथ-स्तर के प्रबंधन और तालमेल की व्यवस्था का जायजा लेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से चले। इसके अलावा पार्टी 4 मई के डी-डे के लिए अपनी रणनीति और कार्यप्रणाली को भी अंतिम रूप देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव प्रचार के दौरान तैनात किए गए सभी प्रवासी जिनमें संसद और विधानसभा सदस्य शामिल हैं उनको इस बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। इन नेताओं को अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं, और वे अपने-अपने क्षेत्रों से विस्तृत फीडबैक और ताजा जानकारी देंगे। पश्चिम बंगाल में जहां 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान हुआ था, ज़्यादातर एग्जिट पोल ने बीजेपी की जीत का अनुमान लगाया है। इन

अनुमानों में बीजेपी को सीएम ममता बनर्जी की टीएमसी पर साफ बढ़त मिलती दिख रही है। हालांकि, कुछ एग्जिट पोल ने टीएमसी की जीत का अनुमान भी लगाया है।

मैट्रिज़ एग्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक बीजेपी को 146 से 161 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि टीएमसी को करीब 125 से 140 सीटें मिलने का अनुमान है। 294 सदस्यों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा में अन्य दलों को भी 6 से 10 सीटें मिल सकती हैं। एग्जिट पोल के अनुमानों से बीजेपी का उत्साह बढ़ा हुआ है। पीएम मोदी ने कहा है कि वह अगली बार पश्चिम बंगाल का दौरा बीजेपी के सीएम के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करेंगे।

हालांकि एग्जिट पोल में टीएमसी के मुकाबले बीजेपी को बढ़त दिखाई गई है। वहीं ममता बनर्जी को अपनी जीत और लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी का पूरा भरोसा है। हालांकि गुरुवार को जारी एक वीडियो संदेश में सीएम ने टीएमसी के कार्यकर्ताओं और नेताओं से ईवीएम रखे जाने वाले स्ट्रांग रूम पर 24 घंटे कड़ी निगरानी रखने की अपील की। ??उन्होंने आरोप लगाया कि वोटों की गिनती शुरू होने से पहले बीजेपी मशीनों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने एग्जिट पोल के अनुमानों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम 226 का आंकड़ा पार कर लेंगे। हो सकता है कि हम 230 तक भी पहुंच जाएं, जिस तरह से लोगों ने वोट दिया है, उस पर मुझे पूरा भरोसा है।

मतदाताओं का शुक्रिया अदा करते हुए उन्होंने कहा कि इतनी भीषण गर्मी और इतने ज़्यादा जुल्म के बावजूद, जिस तरह आप लोग वोट डालने के लिए कतारों में खड़े रहे हम आपके आभारी हैं। मैं अपने कार्यकर्ताओं की भी आभारी हूं। उन्होंने अपनी पूरी ताक़त से लड़ाई लड़ी। उन्होंने बहुत जुल्म सहे, जिन लोगों ने बंगाल को दबाने की कोशिश की, वे खुद ही बैलेट बॉक्स में दब गए।

इस एग्जिट पोल ने दे दिया ममता को खुश होने का मौका, टीएमसी नेता कर रहे बल्ले-बल्ले

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर जारी विभिन्न एग्जिट पोल के नतीजों ने राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है। कई सर्वे एजेंसियों के अनुमान अलग-अलग तस्वीर दिखा रहे हैं, जिससे राज्य की सियासी स्थिति को लेकर स्पष्टता नहीं बन पा रही है। इसी बीच एक सर्वे एजेंसी पोलीक्यू के एग्जिट पोल ने सभी को चौंका दिया है, क्योंकि इसके अनुमान अन्य प्रमुख सर्वे से काफी अलग दिख रहे हैं। पोलीक्यू के एग्जिट पोल के अनुसार भारतीय जनता पार्टी को बंगाल में इस बार 50 से 82 सीटों के बीच ही सीमित रहना पड़ सकता है। यह आंकड़ा 2021 विधानसभा चुनाव से भी कम माना जा रहा है, जब बीजेपी को 77 सीटें मिली थीं। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए सर्वे सकारात्मक संकेत देता है। पोलीक्यू का अनुमान है कि टीएमसी को 200 से 220 सीटें मिल सकती हैं, जो 2021 के चुनाव में मिली 215 सीटों के लगभग बराबर या उससे थोड़ा बेहतर रहेगा। सर्वे के मुताबिक वाम दलों का प्रदर्शन कमजोर रहने की संभावना है और उन्हें 0 से 3 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस को भी सीमित सफलता मिलने का अनुमान है, जहां उसे 1 से 2 सीटों के बीच जीत मिल सकती है। अन्य दलों के खाते में भी 0 से 3 सीटें जाने की संभावना है। पोलीक्यू ने दावा किया है कि उसने सीटवार विश्लेषण तैयार किया है, जिसमें हर सीट पर संभावित विजेता का आकलन किया है। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि अन्य प्रमुख एग्जिट पोल पोलीक्यू के अनुमान से अलग तस्वीर पेश कर रहे हैं। कुछ सर्वेक्षण बीजेपी को बढ़त और संभावित सरकार बनाने की स्थिति में दिखा रहे हैं, जबकि कुछ टीएमसी को फिर से बहुमत के करीब बता रहे हैं। इस कारण पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पर भारत भवन में सजेगा तीन दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महाकुंभ, 8 मई से होगा शुभारंभ

भोपाल (शिखर समाचार)। हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष के ऐतिहासिक अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास के संयुक्त तत्वावधान में ह्यप्रणाम! उदंत मार्तण्डह्ण शीर्षक से तीन दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महाकुंभ का आयोजन 8, 9 और 10 मई 2026 को भारत भवन, भोपाल में किया जाएगा। इस भव्य आयोजन का शुभारंभ 8 मई को प्रातः 10:30 बजे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहूरकर करेंगे, जबकि अध्यक्षता आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण (अयोध्या) करेंगे। यह मीडिया महाकुंभ हिंदी पत्रकारिता की गौरवशाली 200 वर्ष की यात्रा को स्मरण करने के साथ साथ उसके मूल्यों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर व्यापक विमर्श का मंच बनेगा। देश के 9 राज्यों से 60 से अधिक पत्रकार, संपादक, लेखक, समाचार वाचक, विचारक, शिक्षाविद् और मीडिया विशेषज्ञ इसमें भाग लेंगे। प्रमुख प्रतिभागियों में हरिवंश, जे. साईं दीपक, जे. नंदकुमार, विष्णुप्रकाश त्रिपाठी, नगमा सहर, सईद अंसारी, उदय सिन्हा, अमिताभ अग्निहोत्री, जयंती रंगनाथन, ब्रजेश कुमार सिंह, कृपाशंकर चौबे, सोमा बंदोपाध्याय, विकास मिश्र, प्रफुल्ल केतकर, प्रत्यूष रंजन, सी. जयशंकर बाबु, शैलेश पाण्डेय, हितेश शंकर, प्रतीक त्रिवेदी, राशिद किदवई, अनिल पाण्डेय, दिलीप शर्मा, शरद गुप्ता और सलमान रावी शामिल होंगे। 'गुल्लक' के लेखक दुर्गेश सिंह भी अपनी सहभागिता दर्ज कराएंगे।

तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय विमर्श में

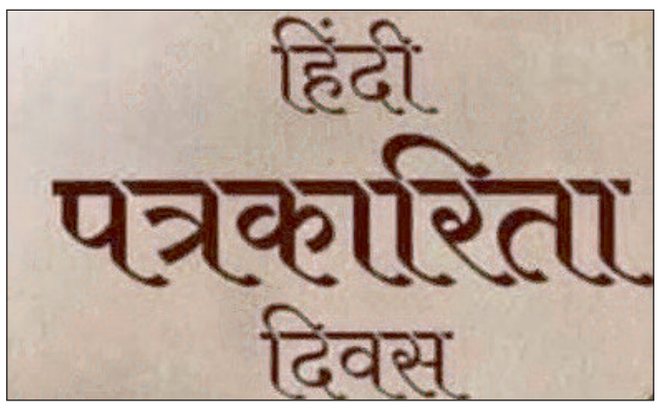

डिजिटल युग में दूरदर्शन पत्रकारिता, भारतीय पत्रकारिता का वैचारिक अधिष्ठान, भूमंडलीकरण के बाद का भारत और मीडिया, नए भारत का निर्माण तथा भारतीय भाषाओं की राष्ट्रीय भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा होगी। आयोजन के दौरान दो सौ वर्षों की पत्रकारिता की यात्रा पर आधारित समाचार पत्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जो दर्शकों को इतिहास से रूबरू कराएगी। इसके साथ ही देश के आठ वरिष्ठ व्यंग्य चित्रकारों द्वारा जीवंत चित्रांकन प्रस्तुत किया जाएगा, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहेगा।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी ने बताया कि यह आयोजन न केवल हिंदी पत्रकारिता के इतिहास को सम्मान देने का अवसर है, बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण मंच भी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के विमर्श से पत्रकारिता के मूल्यों को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में भारत भवन, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान तथा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का सहयोग रहेगा।

पुस्तक लोकार्पण और विशेष प्रस्तुतियां

इस अवसर पर माखन के लाल तथा कार्टून कथा नामक पुस्तकों का लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही विश्वविद्यालय के प्रायोगिक समाचार पत्र विकल्प, पहल और अभ्युदय के विशेषांकों का विमोचन भी होगा। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित तीन वत्तचित्रों का प्रदर्शन भी किया जाएगा, जो समकालीन विषयों पर आधारित होंगे।

सांस्कृतिक संध्या और विशेष सत्र

कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन सायं 7 बजे से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें वंदेमातरम् सहित विविध प्रस्तुतियां होंगी। इसके अलावा भारत केंद्रित तीन विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें उतिष्ठ भारत विषय पर आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण, नए भारत का निर्माण विषय पर हरिवंश तथा स्वाभिमानी भारत विषय पर जे. साईं दीपक अपने विचार रखेंगे।

यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता के अतीत, वर्तमान और भविष्य को एक साथ जोड़ते हुए संवाद, चिंतन और प्रेरणा का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा।

2050 तक जानलेवा गर्मी का खतरा, प्रलय जैसी स्थिति से दहशत में दुनिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। आने वाले दो दशक मानवता के अस्तित्व के लिए सबसे निर्णायक साबित होने वाले हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स और वैज्ञानिकों की चेतावनियां एक भयावह भविष्य की ओर इशारा कर रही हैं। यदि वर्तमान उत्सर्जन और प्रकृति के दोहन की गति यही रही, तो साल 2040 से 2050 के बीच दुनिया के कई शहरों में गर्मी इतनी जानलेवा हो जाएगी कि बिना कृत्रिम कूलिंग के घर से बाहर निकलना मौत को दावत देने जैसा होगा।

प्रकृति, जो प्रो-क्रिएशन यानी जीवन की उत्पत्ति का आधार है, उसे आज हम अपनी लालसा से बांझ बना रहे हैं। इसे एक रूपक से समझें तो जब धन का दुरुपयोग करने वाले दुर्योधन और गलत नीतियों का साथ देने वाले दुशासन मिलते हैं, तो वे प्रकृति रूपी पांचाली का चीरहरण करते हैं। हम इंसान ही आज प्रकृति के पांच तत्वों का अपमान कर रहे हैं, जिसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भुगतना होगा। आज हम संपत्ति खड़ी कर सकते हैं, लेकिन 20 साल बाद जब वही जमीन बाढ़ या भूस्खलन में समा जाएगी और लहलहाते खेत सूरज की तपिश से जल जाएंगे, तब उस धन का कोई मूल्य नहीं बचेगा।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक शहरों में खतरनाक गर्मी से प्रभावित गरीबों की संख्या में 700 प्रतिशत की वृद्धि होगी। दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत जैसे देशों में हीट इंडेक्स 51डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जहां इंसान कुछ घंटों से ज्यादा बाहर नहीं रह पाएगा। यह गर्मी केवल एक मौसम नहीं, बल्कि एक साइलेंट किलर बन जाएगी।

जल संकट की स्थिति और भी भयावह है। हिमालय के ग्लेशियर, जो एशिया की जीवनरेखा हैं, 2050 तक अपने अधिकतम पिघलाव (पीक वॉटर) तक पहुंच जाएंगे। इसके बाद नदियों में पानी कम होने लगेगा। अनुमान है कि 2100 तक 50 से 80 प्रतिशत ग्लेशियर खत्म हो जाएंगे, जिससे गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां सूखने की कगार पर होंगी। इसका सीधा असर खेती, बिजली उत्पादन और दो अरब लोगों की प्यास पर पड़ेगा। बढ़ते तापमान और सूखती नदियों के कारण लाखों प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्रलय जैसा यह माहौल इस सदी के अंत तक पूरी तरह प्रभावी हो सकता है, लेकिन यदि उत्सर्जन कम नहीं हुआ तो यह संकट 2070 तक ही दस्तक दे देगा। अब फैसला हमारे हाथ में है हमें अपने बच्चों को सूखी नदियां और जहरीली गर्मी वाला प्रलय देना है या एक सुरक्षित और हरी-भरी प्रकृति। 2040-2050 का दशक हमारे सुधार का आखिरी मौका है।

डीसीपी धवल जायसवाल ने थाना विजयनगर के निमार्णाधीन कार्य का किया निरिक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ के आदेश पर गाजियाबाद के सभी थानों का जिर्णोद्धार करते हुए उन्हें हाईटेक बनाया जा रहा है। थानों के जिर्णोद्धार कार्यों का आला अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं, जिससे कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा किया जा सके। शुक्रवार को डीसीपी धवल जायसवाल ने थाना विजयनगर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों को जल्द से जल्द गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के आदेश दिए। इसी कड़ी में थाना विजयनगर में चल रहे

निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के लिए धवल जायसवाल पहुंचे। इस

दौरान उन्होंने निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता और समयसीमा को लेकर विस्तार से जानकारी ली। वहीं उन्होंने कार्य को तेजी के साथ पूर्ण करने के आदेश दिए। इस दौरान उन्होंने साफ आदेश दिए कि थाने के निर्माण कार्य में किसी भी तरह की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कार्यों को हाईटेक टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए किया जाए, जिससे आने वाले कई वर्षों तक आधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जा सके। इसके अलावा कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करें, जिससे जनता के हित के लिए थाना विजयनगर क्षेत्र में पुलिसिंग को ओर ज्यादा मजबूत किया जा सके।

भास्कर इंटरनेशनल स्कूल में 5 नई बसों का शुभारंभ, सुरक्षा और सुविधा को मिला नया आयाम

कैराना/शामली। (शिखर समाचार) छात्रों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भास्कर इंटरनेशनल स्कूल ने सराहनीय पहल की है। विद्यालय परिसर में शुक्रवार को 5 नई स्कूल बसों का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन द्वारा बस चालकों को चाबियां सौंपकर उन्हें सुरक्षित संचालन के निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य अमितेश शर्मा ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि छात्रों को सुरक्षित और सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि नई बसों के शामिल होने से विद्यालय की परिवहन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। प्रधानाचार्य ने जानकारी दी कि सभी नई बसों में सुरक्षा के आधुनिक मानकों का विशेष ध्यान रखा गया है। इनमें आवश्यक सुरक्षा उपकरण लगाए गए हैं, जिससे छात्र छात्राएं बिना किसी असुविधा के सुरक्षित रूप से विद्यालय आ जा सकें। विद्यालय की इस पहल से अभिभावकों में भी खुशी का माहौल है। उन्होंने प्रबंधन के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे बच्चों के हित में उठाया गया सकारात्मक कदम बताया।

शामली में गुरु गोरखनाथ प्रकट उत्सव पर निकली 25वीं भव्य शोभायात्रा, श्रद्धा और उत्साह का उमड़ा सैलाब

शामली। (शिखर समाचार)
श्री गुरु गोरखनाथ जी के प्रकट उत्सव के अवसर पर मोहल्ला रेल पार स्थित शिव गोरखनाथ मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में 25वीं भव्य शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर प्रांगण में विधि विधान से पूजा अर्चना, हवन और भंडारे के साथ हुई, जिसका संचालन पंडित विनोद शर्मा द्वारा किया गया।

शाम लगभग 4 बजे मुख्य अतिथि पीर योगी शेरनाथ ने दीप प्रज्वलित कर बाबा गोरखनाथ की ज्योति प्रज्वलित की और शोभायात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा मंदिर रेल पार से प्रारंभ होकर डॉक्टर तेज सिंह कॉलोनी, रेल पार्क, बाईपास, बुढ़ाना रोड, हनुमान रोड, शिव चौक, भिक्की मोड़ और माजरा रोड से होती हुई भैरव मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई।
यात्रा के दौरान आकर्षक झांकियां, शिव तांडव और भगवान शिव की बारात श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। ढोल नगाड़ों और भक्ति गीतों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु पूरे मार्ग में झूमते नजर आए। जगह जगह लोगों ने बाबा गोरखनाथ के रथ पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया, वहीं विभिन्न स्थानों पर भंडारे और जलपान की व्यवस्था भी की गई।
शोभायात्रा के समापन पर भैरव मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। संस्था के अध्यक्ष मनोज उपाध्याय ने बताया कि पिछले 25 वर्षों से मंदिर में बाबा की अखंड धूना और बाबा जाहरवीर की ज्योति निरंतर प्रज्वलित हो रही है और प्रत्येक वर्ष यह शोभायात्रा भव्य रूप में आयोजित की जाती है।
इस अवसर पर योगी तेजपाल उपाध्याय, तेजेंद्र निरवाल, रामजीलाल कश्यप, विजय कौशिक और चौधरी अमरपाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों और दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

फर्जी एनईएफटी पर्ची दिखाकर ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। जनपद में व्यापारियों को फर्जी भुगतान का झांसा देकर ठगी करने वाले एक शातिर अभियुक्त को साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी एनईएफटी पर्ची दिखाकर महंगे सामान खरीदता और बिना वास्तविक भुगतान किए फरार हो जाता था। पुलिस ने उसके कब्जे से तांबे का तार और एक मोबाइल फोन बरामद किया है, जबकि उसका एक साथी अभी फरार है। मामला तब सामने आया जब शहर के एक व्यापारी ने शिकायत दी कि एक व्यक्ति उसकी दुकान से करीब एक लाख रुपये का तांबे का तार खरीदकर ले गया और भुगतान के नाम पर एनईएफटी की पर्ची दिखा दी। कुछ समय बाद जब व्यापारी के खाते में रकम नहीं पहुंची, तो उसे ठगी का अहसास हुआ। शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस लाइन में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक (अपराध) इंदु सिद्धार्थ ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक व स्थिर निगरानी के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे 1 मई 2026 को बुढ़ाना रोड से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मुज्जमिल पुत्र साजिद अली निवासी बेहटा हाजीपुर थाना लोनी बॉर्डर गाजियाबाद बताया। आरोपी ने बताया कि वह मोबाइल एप की मदद से फर्जी एनईएफटी पर्ची तैयार करता था और दुकानदारों को दिखाकर सामान लेकर फरार हो जाता था। उसने यह भी स्वीकार किया कि वर्ष 2024 में भी उसने बुढ़ाना क्षेत्र में इसी तरह की ठगी की थी और जेल जा चुका है। पुलिस के अनुसार आरोपी के मोबाइल से 19 फर्जी एनईएफटी पर्चियां मिली हैं, जिनकी कुल राशि करीब 8.36 लाख रुपये है। इनसे अन्य संभावित पीड़ितों की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में उसका साथी जव्वाद पुत्र शहाबुद्दीन निवासी लोनी बॉर्डर फरार है। कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह, निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह, उपनिरीक्षक मुबारिक हसन, उपनिरीक्षक धर्मराज सिंह, हेड कांस्टेबल आकाश कुमार, सुनील कुमार और बालकिशन की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

ट्रायल में दमखम दिखाकर खिलाड़ियों ने स्टेट चैंपियनशिप के लिए बनाई जगह

शामली। (शिखर समाचार) शहर के शहीद उधम सिंह स्टेडियम में 29वीं उत्तर प्रदेश स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर से लगभग 30 से 40 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। शामली एथलेटिक्स संघ के सचिव जबर सिंह खैवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रायल में चयनित खिलाड़ी आगामी 7 और 8 मई 2026 को पंडित मदन मोहन मालवीय स्टेडियम, प्रयागराज में आयोजित होने वाली 29वीं उत्तर प्रदेश स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता के विभिन्न स्पधाओं में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। 100 मीटर दौड़ में हिमांशु मलिक प्रथम और शाकिर द्वितीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ में शाकिर ने पहला तथा श्रीदेव ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ में हिमांशु मलिक प्रथम और राजन द्वितीय रहे। 800 मीटर दौड़ में आरव मलिक प्रथम तथा सुरेंद्र द्वितीय स्थान पर रहे। 1500 मीटर दौड़ में संजीव ने पहला और कमल ने दूसरा स्थान हासिल किया। 3000 मीटर स्टेबल चेज में प्रदीप कुमार प्रथम तथा सचिन कुमार द्वितीय रहे। भाला फेंक प्रतियोगिता में धीरेंद्र देशवाल ने पहला और साजन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 800 मीटर दौड़ में परी प्रथम और शालू द्वितीय रहीं, जबकि 1500 मीटर दौड़ में नेहा पवार ने पहला और रानी ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस अवसर पर युवा कल्याण अधिकारी हिमांशु अहलावत, आजाद चौधरी, सचिन पवार, आकाश पवार, प्रधानाचार्य कुलदीप तोमर, तेजपाल, सुरेंद्र, कर्मवीर, रमेश, पीतम, धीरज, अनिल, अजय और विकास सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्रमिकों के अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूक होना समय की मांग: नैन्सी धुन्ना

बिजनौर (शिखर समाचार)। बैराज रोड स्थित शाकुंबरी ऑटोमोबाइल्स में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नैन्सी धुन्ना ने की, जबकि संचालन श्रम प्रवर्तन अधिकारी अजया नन्द त्रिपाठी ने किया।

शिविर को संबोधित करते हुए नैन्सी धुन्ना ने कहा कि वर्ष 2026 के श्रमिक दिवस का मुख्य विषय स्वस्थ मनोसामाजिक कार्य वातावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि इस दिवस का उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना तथा हर प्रकार के शोषण को रोकना है। उन्होंने श्रमिकों से अपने कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और आवश्यक होने पर विधिक सहायता लेने का आह्वान किया।
श्रम आयुक्त के.के. सिंह ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि श्रमिक इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता तथा गंभीर बीमारी सहायता योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी अजया नन्द त्रिपाठी ने ईएसआई, भविष्य निधि (पीएफ) और समान कार्य समान वेतन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुए श्रमिकों को उनके अधिकारों और सुविधाओं के बारे में जागरूक किया। इस दौरान नैन्सी धुन्ना ने आगामी 09 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मंच के माध्यम से चेक बाउंस, बैंक रिकवरी, बिजली पानी के बिल, वैवाहिक विवाद सहित विभिन्न मामलों का आपसी सहमति से त्वरित निस्तारण किया जा सकता है। कार्यक्रम में शाकुंबरी ऑटोमोबाइल्स के महाप्रबंधक हितेश कौशिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

बिजनौर: लिव इन पार्टनर की हत्या में महिला गिरफ्तार, विवाद और प्रताड़ना बनी वजह

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना नगीना देहात पुलिस ने जुलाहापुरा के जंगल में हुए युवक हत्याकांड का खुलासा करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपी महिला लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे और आपसी विवाद व कथित प्रताड़ना के चलते घटना को अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार, 29 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 8:30 बजे ग्राम जुलाहापुरा के जंगल में एक युवक का शव बरामद हुआ था। मृतक की पहचान अनुज (25) पुत्र विनय निवासी जुलाहापुरा के रूप में हुई। उसके दाहिने कान के पास गोली लगने का निशान पाया गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने

साक्ष्यों के आधार पर शोभा पत्नी सतेन्द्र को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि वह कुछ समय से अनुज के साथ रह रही थी। उसके अनुसार, अनुज अक्सर उसके साथ मारपीट करता था और धमकी देता था। पहले भी अनुज के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट के मामले दर्ज हो चुके थे, जिनमें वह जेल जा चुका था। अभियुक्ता के मुताबिक, 28 अप्रैल की रात अनुज उसे जंगल की ओर ले गया, जहां दोनों के बीच फिर विवाद हुआ और मारपीट की स्थिति बन गई। लगातार प्रताड़ना और भविष्य की आशंका से परेशान होकर उसने अनुज के ही तमंचे से गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने महिला की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त .315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया है। इस आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। पुलिस द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

किसान मजदूरों की समस्याओं को लेकर 4 मई को गढ़ तहसील का घेराव करेगी भाकियू संघर्ष (अराजनेतिक)

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन संघर्ष (अराजनेतिक) के बैनर तले किसानों और मजदूरों की जन समस्याओं को लेकर आगामी 4 मई (सोमवार) को तहसील परिसर गढ़मुक्तेश्वर का घेराव किया जाएगा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरनजीत सिंह गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र में बढ़ते भ्रष्टाचार, जर्जर सड़कों, स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं, बिजली विभाग के कर्मचारियों की कथित मनमानी सहित किसानों, मजदूरों, शोषितों और गरीब वर्ग पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में यह आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में लकड़ी माफिया और खनन माफियाओं का

प्रभाव बढ़ता जा रहा है, जिससे आम जनता और किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी मुद्दों को लेकर संगठन ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से यह घेराव कार्यक्रम तय किया है। सरनजीत सिंह गुर्जर ने बताया कि 4 मई को सुबह 11 बजे तहसील परिसर गढ़मुक्तेश्वर में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आम नागरिक बड़ी संख्या में एकत्र होकर घेराव करेंगे। उन्होंने क्षेत्र के किसानों, मजदूरों और आम जनता से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

भीषण गर्मी में गौशालाओं की व्यवस्था पर डीएम सख्त, अधिकारियों को दिये स्पष्ट निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में गौशालाओं की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, उप जिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी लोकेश कुमार अग्रवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।
जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी गौशालाओं में गर्मी से राहत के लिए प्रतिदिन सुबह शाम पानी का छिड़काव कराया जाए। साथ ही प्रत्येक गौशाला में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना कर उन्हें क्रियाशील रखना सुनिश्चित किया जाए। जिन स्थानों पर अतिरिक्त शेड की आवश्यकता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर प्रस्ताव भेजकर निर्माण कराया जाए, ताकि पशुओं को धूप से बचाया जा सके। उन्होंने सभी पशुओं की अनिवार्य रूप से ईयर टैगिंग कराने पर भी जोर दिया।
मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जहां अस्थायी गौशाला या गौ आश्रय स्थल की जरूरत हो, उसके लिए प्रस्ताव शीघ्र भेजे जाएं। बीमार पशुओं के लिए अलग स्थान पर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।
चारे की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सभी गौशालाओं में पर्याप्त भूसा होना चाहिए। जहां कमी हो, वहां बड़े किसानों से समन्वय कर भूसा दान योजना के तहत व्यवस्था की जाए और हरे चारे की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए।
इसके अलावा, सभी उप जिलाधिकारियों को गौशालाओं की भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बुद्ध पूर्णिमा पर भव्य शोभायात्रा, अंबेडकर पार्क में विचार गोष्ठी का आयोजन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व नगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बौद्ध समाज के लोगों ने भगवान बुद्ध की भव्य शोभायात्रा निकाली और बाद में आयोजित विचार गोष्ठी में उनके सिद्धांतों पर चलने का संदेश दिया।
शुक्रवार को नगर के पहाड़ी दरवाजा चौक पर बौद्ध समाज के लोग एकत्र हुए, जहां से भारतीय बौद्ध महासभा के बैनर तले शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा में सबसे आगे सजी-धजी घोड़ा बग्गी पर भगवान बुद्ध की पीतल की प्रतिमा विराजमान थी। इसके साथ ही डीजे और चार ई-रिक्शाओं पर डॉ. भीमराव अंबेडकर, ज्योतिबा फुले, भगवान रविदास और सावित्रीबाई फुले की आकर्षक झांकियां सजाई गई थीं।
यह शोभायात्रा पहाड़ी दरवाजा से शुरू होकर साहुवान बाजार, जामा मस्जिद बाजार, बारादरी बाजार, सराफा बाजार, बड़ा गंज, मझलेटा

बाजार, लोहारी सराय, मंडी मोलगंज, पालिका बाजार, तहसील गेट और गांधी मूर्ति होते हुए रेलवे स्टेशन रोड स्थित अंबेडकर पार्क पहुंची।
अंबेडकर पार्क में शोभायात्रा विचार गोष्ठी में परिवर्तित हो गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए भारतीय बौद्ध महासभा के पूर्व अध्यक्ष विक्रम सिंह बौद्ध ने समाज के लोगों, विशेषकर युवाओं और महिलाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।
कार्यक्रम में विनय कुमार, डॉ. शलेंद्र कुमार, महेंद्र बौद्ध, कपिल कुमार बौद्ध, कोमल बौद्ध, हरे राम गौतम, राजकुमार, सूर्यकांत गौतम, इकराम बौद्ध, जगराम बौद्ध, वासुदेव बौद्ध, जसराम बौद्ध, रामगोपाल बौद्ध, गीता, राजो गौतम, गुड्डू धनपुरिया गौतम सहित बौद्ध समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल पर 6 युवकों का खतरनाक स्टंट, 3 गिरफ्तार, बाइक सीज

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। अपराध की रोकथाम और यातायात नियमों के पालन को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खतरनाक स्टंट करने वाले युवकों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में 6 युवक एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर खतरनाक स्टंट करते नजर आए थे। मामले का संज्ञान लेते हुए थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को बड़ा

बाजार क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में हनी निवासी मोहल्ला सेंगेवाला तथा शशांक और राम निवासी मोहल्ला बड़ा अहाता, कस्बा गढ़मुक्तेश्वर शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से स्टंट में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है, जिसे मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के स्टंट न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि आम जनता की जान के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं। ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

स्टेशन पर रुकेगी पटना साप्ताहिक ट्रेन

आगरा, एजेंसी। रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि ईदगाह स्टेशन को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है और यहां यात्री सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगरा फोर्ट स्टेशन पर सीमित स्थान होने के कारण वहां ट्रेनों का दबाव कम किया गया है और कई ट्रेनों का ठहराव ईदगाह पर शिफ्ट किया गया है। वर्तमान में आगरा फोर्ट पर 39 ट्रेनों का संचालन रह गया है, जबकि ईदगाह पर बेहतर स्पेस और बढ़ते फुटफॉल के चलते इसे प्राथमिकता दी जा रही है।स्टेशन पर रेल लाइनों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। बांदीकुई-बयाना ट्रैक के दोहरीकरण से ट्रेनों की आवाजाही और तेज होगी। अमृत भारत योजना के तहत फुट ओवरब्रिज, दिव्यांगजन सुविधाएं, स्वच्छ पेयजल, डिजिटल साइनबोर्ड और नए बुकिंग काउंटर जैसी व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं, जिससे यात्रियों को अधिक सुगम और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिल सके। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 21 करोड़ 4 लाख की लागत से अमृत भारत योजना के तहत राजा की मंडी रेलवे स्टेशन को भी विकसित किया जा रहा है।

शॉर्ट सर्किट से तीन भाइयों के घर में लगी आग, गोवंश और बकरियां मरीं

आजमगढ़, एजेंसी। मऊ जिले के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के हरदासपुर दलित बस्ती में बुधवार की दोपहर आंधी के दौरान बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट हो गया। इससे भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने तीन सगे भाइयों के घरों को चपेट में ले लिया, जिससे एक लाख रुपये नकद सहित घरेलू सामान नुकसान हुआ है। वहीं दो गोवंश भी मर गए। जानकारी के अनुसार बुधीराम, नन्हकू और सुधीराम तीनों सगे भाई हैं। आंधी के दौरान अचानक हुए शॉर्ट सर्किट से सबसे पहले बुधीराम के घर में आग लगी। जब तक लोग कुछ समझ पाते, आग तेजी से फैलते हुए नन्हकू और सुधीराम के घरों तक पहुंच गई। इस हादसे में गाय, बकरियां, एक बाइक और घर का पूरा घरेलू सामान जल गया। बुधीराम, जो पंचर की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था, उसके घर का सारा सामान जल जाने से परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। घटना की सूचना पर फायर ब्रिगेड टीम करीब एक घंटा 20 मिनट की देरी से मौके पर पहुंची। तब तक ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया था। घटना के बाद पीड़ित परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ितों को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

प्राथमिक विद्यालय परिसर में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

सीतापुर, एजेंसी। नैमिषारण्य थाना क्षेत्र के रामपुर खेउटा ग्राम पंचायत के प्राथमिक विद्यालय छोटा रामपुर परिसर में बृहस्पतिवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फिलहाल परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। रामपुर खेउटा निवासी जयराम (22) का शव स्कूल परिसर में अमरूद के पेड़ से फंदे के सहारे लटकता मिला। युवक के पैर जमीन में छू रहे थे। वहीं, पेड़ की जिस डाल से शव लटकता मिला है, उसकी ऊंचाई भी ज्यादा नहीं है। यह दोनों बिंदु चर्चा का विषय है।स्कूल में तैनात सहायक अध्यापक सुनील कुमार मौर्य ने बताया कि यहां चार शिक्षक तैनात हैं। दो लोग जनगणना ड्यूटी में गए हैं। वह और इंचार्ज प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार सरोज स्कूल में शिक्षण कार्य देख रहे हैं। सुबह ग्रामीणों ने फोन करके घटना की सूचना दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस जांच कर रही है। जयराम चंडीगढ़ में वेल्डिंग का काम करता था। लंबे समय से वहीं रहकर काम के रहा था। 25 अप्रैल को वह गांव आया था। वह काफी मिलनसार था। ग्रामीणों के अनुसार जयराम कभी परेशान हाल नहीं दिखा।

सीएम की प्राथमिकता में जो कार्य हैं शामिल, उनमें भी लापरवाही; 12 सचिवों को दिए गए नोटिस

आगरा, एजेंसी। सीएम की प्राथमिकता वाले विकास कार्यों में लापरवाही और बजट खर्च करने में सुस्ती बरतने वाले 12 पंचायत सचिवों पर जिला पंचायतराज अधिकारी मनीष कुमार ने नोटिस जारी किए हैं। 17 ग्राम पंचायतों में तैनात इन सचिवों को 30 दिन में कार्य में सुधार नहीं होने पर निलंबन की चेतावनी दी गई है। सीएम डैशबोर्ड पर जिले की रैंकिंग सुधारने के लिए जिलाधिकारी और सीडीओ समीक्षा कर रहे हैं। समीक्षा में सामने आया कि पंद्रहवें वित्त आयोग के तहत विकास कार्यों का भुगतान लक्ष्य से काफी पीछे है। मार्च महीने में खराब व्यय प्रगति के कारण आगरा की रैंकिंग प्रभावित हुई है। इसे गंभीर लापरवाही माना गया। जिला पंचायतराज अधिकारी मनीष कुमार का कहना है कि विकास कार्यों में मनमानी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। सचिवों को प्रगति सुधारने का अंतिम मौका दिया गया है। समीक्षा में दोबारा कमी मिली तो निलंबन तय है। विकास वर्मा अकोला, नीतू शर्मा बरौली अहीर, रूपेंद्र सिंह खंदौली, माधुरी कटारा एत्मादपुर, विपिन कुमार फतेहपुर सीकरी, जयदीप सिंह पिनाहट, अमित चौधरी सैया, अवनीश कुमार व गौरव यादव बाह, अनुज चतुर्वेदी और रूबी यादव शमसाबाद को नोटिस दिए गए हैं।

खतरे में है परिवहन विभाग का संवेदनशील डाटा

दलालों को वाहनों और डीएल से संबंधित जानकारी दे रहे डीबीए

लखनऊ, एजेंसी। परिवहन विभाग का संवेदनशील डेटा निजी डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर (डीबीए) के हाथों में है। प्रदेश के कई जिलों में अफसरों के खास डीबीए वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, ये डीबीए दलालों को वाहनों और ड्राइविंग लाइसेंसों से संबंधित विवरण उपलब्ध करा रहे हैं। इससे विभाग का पूरा डेटा गंभीर खतरे में है और दलालों से इनकी मिलीभगत उजागर हुई है।

करीब बीस वर्ष पहले परिवहन विभाग को ऑनलाइन डेटा रखरखाव के लिए ऐसे कर्मचारियों की आवश्यकता महसूस हुई थी। आरटीओ-एआरटीओ को डेटा निकासी के लिए अधिकृत किया गया था, लेकिन डीबीए ही उनकी यूजर आईडी से डेटा निकालते हैं। ड्राइविंग लाइसेंस, गाड़ियों की फिटनेस, परमिट और उनकी संख्या सहित पूरा डेटा डीबीए की आसान पहुंच में है। वर्षों से एक ही जिले में तैनात डीबीए की दलालों से सांठगांठ हो गई है। वे दलालों को डीएल, परमिट और फिटनेस जैसी महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, इस मिलीभगत की जानकारी वरिष्ठ अफसरों को भी है। प्रदेशभर में कुल 80 डीबीए कार्यरत हैं, जिनमें से दो लखनऊ में तैनात हैं। बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, अमरोहा, वाराणसी, मुरादाबाद, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी और कानपुर में कई डीबीए वर्षों से एक ही जगह पर हैं।

भेदभावपूर्ण कार्रवाई पर सवाल

ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ प्रशासन संजय तिवारी ने डीएल बनाने वाले निजीकर्मियों की शिकायत की थी। उन्होंने दलालों से मिलीभगत का हवाला देते हुए पूर्व परिवहन आयुक्त किंजल सिंह से शिकायत की। इसके बाद बिना किसी जांच के निजी डीएलकर्मियों का प्रदेशभर में स्थानांतरण और हटाने का सिलसिला शुरू हुआ। सूत्रों के अनुसार, पूर्व अपर परिवहन आयुक्त, आईटी पर निजीकर्मियों से वसूली के आरोप भी लगे थे। किंजल सिंह ने इन मामलों में कोई जांच नहीं करवाई। सवाल उठता है कि जब निजी डीएलकर्मियों का स्थानांतरण हो सकता है, तो डीबीए को क्यों बचाया जा रहा है।

डीबीए के स्थानांतरण में विफलता

ऐसा नहीं है कि डीबीए के स्थानांतरण की कोशिशें नहीं हुईं। तीन साल पहले परिवहन विभाग के आला अफसरों ने स्थानांतरण की कवायद शुरू की थी। हालांकि, अफसरों के खास और जुगाड़ी डीबीए इस प्रक्रिया से बच निकलने में सफल रहे। उन पर किसी भी तरह की आंच नहीं आई और वे अपनी जगह पर बने रहे। सूत्र बताते हैं कि ये डीबीए दलालों के साथ मिलकर अफसरों के लिए भी काम करते हैं। इसी कारण अफसरों ने उन्हें बचाने के लिए पूरा जोर लगा दिया।

डाटा सुरक्षा और मिलीभगत का खतरा

डीबीए की आसान पहुंच के कारण विभाग का संवेदनशील डाटा लगातार खतरे में है। दलालों को गोपनीय जानकारी मिलने से भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को बढ़ावा मिल रहा है। यह स्थिति परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। अफसरों की मिलीभगत या उदासीनता के कारण यह समस्या वर्षों से बनी हुई है। डाटा सुरक्षा सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई आवश्यक है। डीबीए की तैनाती और स्थानांतरण नीतियों की समीक्षा करना महत्वपूर्ण है।

दुल्हन का हो रहा था स्वागत, चचिया ससुर ने पिस्टल से की अंधाधुंध हर्ष फायरिंग, राजमिस्त्री की मौत

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के खड़ौली गांव में शादी समारोह के दौरान की गई हर्ष फायरिंग एक परिवार के लिए मातम बन गई। दुल्हन के स्वागत के समय हुई अंधाधुंध फायरिंग में 45 वर्षीय राजमिस्त्री सुभाष को गोली लग गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

दुल्हन के स्वागत के दौरान चली गोलियां : बताया गया कि खड़ौली गांव निवासी आदेश की बुधवार रात मोदीपुरम से बारात गई थी। गुरुवार सुबह जब आदेश अपनी दुल्हन को लेकर घर पहुंचा तो स्वागत की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान आतिशबाजी के बीच दूल्हे के चाचा विक्की ने पिस्टल से अंधाधुंध हवाई फायरिंग कर दी।

पड़ोसी को लगी गोली, मौके पर मौत : आरोप है कि फायरिंग के दौरान एक गोली पास ही खड़े 45 वर्षीय सुभाष के जबड़े में जा लगी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर घर के फर्श पर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उस समय सुभाष अपनी पत्नी पुष्पा के साथ खड़े होकर नवविवाहित जोड़े को देख रहा था।

परिवार में मचा कोहराम, पुलिस कर रही दबिश : मृतक की पत्नी पुष्पा ने बताया कि वह पिछले करीब 10 वर्षों से खड़ौली गांव में किराए के मकान में रह रहे थे। परिवार में तीन बेटियां हैं, जिनमें दो की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बेटी ज्योति दो महीने से अपनी बड़ी बहन के घर हरियाणा गई हुई है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसएसपी अविनाश पांडे ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जनपद में 201 स्थानों पर मेगा हेल्थ कैंप का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से किया वर्चुअल शुभारंभ, हजारों श्रमिकों को मिला निःशुल्क उपचार

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)

श्रमिक दिवस के अवसर पर जनपद गौतमबुद्धनगर में आयोजित मेगा हेल्थ कैंप का वर्चुअल शुभारंभ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया। यह आयोजन श्रमवीर सम्मान समारोह-2026 के अंतर्गत श्रमिकों को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जनपद के कुल 201 स्थानों पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित इस मेगा कैंप में 134 सरकारी अस्पताल, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर, मोबाइल हेल्थ वैन (मुख्यमंत्री आरोग्य रथ) तथा 67 निजी अस्पतालों की सहभागिता रही। निजी क्षेत्र के प्रमुख अस्पतालों यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मैक्स हॉस्पिटल, मेदांता हॉस्पिटल, फोर्टिस हॉस्पिटल, फेलिक्स हॉस्पिटल और शारदा हॉस्पिटल ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अभियान को व्यापक स्वरूप प्रदान किया।

कैंप में श्रमिकों को सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, विभिन्न जांचें, निःशुल्क दवाइयों का वितरण तथा गंभीर बीमारियों की पहचान जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इसके साथ ही श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और उनके बच्चों की शिक्षा व पोषण संबंधी योजनाओं की भी जानकारी दी गई।

इस आयोजन में निजी अस्पतालों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी सराहनीय रही, जिसने इस जनकल्याणकारी अभियान को और प्रभावी बनाया। ह्रदादी की रसोईह्व संस्था द्वारा कैंप में आए श्रमिकों के लिए निःशुल्क भोजन, गमछा और टोपी वितरित किए गए। साथ ही जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटकों का आयोजन भी किया गया।

जिला प्रशासन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी विभागों, चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया है। प्रशासन का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के माध्यम से श्रमिकों और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रहेंगी।

बीएनएसडी में होगा नीट-यूजी,

अमर सिंह ही बनाए गए सेंटर इंचार्ज

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र लीक करने की कोशिश के मामले में घिरे बीएनएसडी इंटर कॉलेज को इस बार नीट-यूजी का केंद्र बनाया गया है। तीन मई को होने वाली इस परीक्षा में प्रधानाचार्य अमर सिंह को फिर से केंद्र व्यवस्थापक की जिम्मेदारी दी गई है। उन पर पहले से जांच चल रही है। डीआईओएस ने उन्हें नोटिस भेजकर नौ बिंदुओं पर जवाब मांगा है। नीट यूजी की तैयारियों की समीक्षा के लिए बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई।

इसमें एडीएम विवेक चतुर्वेदी, डीआईओएस संतोष कुमार राय और कॉलेज के प्रधानाचार्य अमर सिंह (होमगार्ड भर्ती परीक्षा के केंद्र व्यवस्थापक) मौजूद रहे। बैठक में परीक्षा की सुरक्षा, निगरानी और पारदर्शिता को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। अमर सिंह ने बताया कि केंद्र पर 22 जैमर लगाए जा चुके हैं और सभी कक्षों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। परीक्षा संचालन के लिए 84 कक्ष निरीक्षकों की तैनाती की गई है, साथ ही पुलिस बल की विशेष व्यवस्था रहेगी।

नोटिस में पूछे गए यह सवाल : डीआईओएस ने कॉलेज के प्रधानाचार्य से नोटिस में पूछा है कि होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान कुल कितने कक्ष निरीक्षक तैनात थे, उनकी ड्यूटी किसने लगाई, कौन-कौन शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे। कितने अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, केंद्र संचालन की जिम्मेदारी किसके पास थी और कक्ष निरीक्षकों का सत्यापन किस स्तर पर किया गया। इसके अलावा बाहरी लोगों का प्रवेश कैसे हुआ, संदिग्धों को ड्यूटी में शामिल किए जाने की क्या प्रक्रिया थी और निगरानी व्यवस्था कैसी थी। इन सवालों के जवाब से ही जिम्मेदारी तय होगी।

रिपोर्ट दर्ज कराने वाले सह-केंद्र व्यवस्थापक पर भी आरोप : इस मामले में केंद्र व्यवस्थापक अमर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराने वाले सह-केंद्र व्यवस्थापक ललित बाजपेई पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

जगह-जगह गंदगी, ड्यूटी के वक्त गायब मिले चार कर्मचारी; सीडीओ साहिबा के एक्शन से मचा हड़कंप

आगरा, एजेंसी। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ने ब्लॉक मुख्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लंबित विकास कार्य और गंदगी देख नाराज हो गई। साथ ही बिना बताए ऑफिस से गायब रहने वाले 4 कर्मचारियों के वेतन काटने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह बुधवार को अचानक बरौली अहीर ब्लॉक मुख्यालय पहुंची, सबसे पहले बीडीओ कक्ष में अधिकारियों से क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों, शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं में शामिल मनरेगा के बारे में सवाल किए, लेकिन संबंधित अधिकारी जवाब नहीं दे पाए। आईजीआरएस से संबंधित मामले का निस्तारण न होने के कारण नाराजगी दर्ज करते हुए खंड विकास अधिकारी को समय पर पूर्ण कराने के कड़े निर्देश दिए। वित्तीय लेखा संबंधी अभिलेखों के

रखरखाव ठीक तरह से न होने के कारण लेखाकार पंकज चौहान के वेतन रोकने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अवर अभियंता लघु सिंचाई अजीत कुमार अवर अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण महेश चंद्र, बीएमएम राजकीय ग्रामीण आजीविका मिशन मोनिका कुशवाह के बिना सूचना कार्यालय से गायब रहने के कारण वेतन काटने के निर्देश दिए। मनरेगा पर उपलब्ध कराई गई आधी अधूरी पत्रावली के अवलोकन पर कभी पाएं जाने पर पटल कर्मचारी को पत्रावली ठीक कर शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री अधूरे पड़े आवास पूरे कराए जाने, फैमिली आईडी लक्ष्य एक सप्ताह में पूर्ण कराने के साथ ही ब्लॉक मुख्यालय पर मीटिंग हॉल न होने पर सीडीओ ने बीडीओ को निर्देश दिए कि शीघ्र कार्ययोजना तैयार कर प्रेषित करें। सीडीओ ने ब्लॉक परिसर में सफाई, पेयजल आपूर्ति आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान उपायुक्त स्वरोजगार राजन राय, बीडीओ गामा सिंह यादव, एडीओ पंचायत दिनेश कुमार वर्मा, एडीओ सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

मजदूर दिवस पर जिलाधिकारी ने सुनी श्रमिकों की समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस (1 मई 2026) के अवसर पर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित यूपी सीडा के सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी कविता मीना ने कार्यक्रम में पहुंचकर श्रमिकों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

संगोष्ठी के दौरान विभिन्न इकाइयों से आए मजदूरों ने अपनी-अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। समस्याओं में मुख्य रूप से श्रम सुविधाएं, वेतन, कार्यस्थल सुरक्षा और अन्य मूलभूत मुद्दे शामिल रहे। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मजदूरों की समस्याओं का शीघ्र और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि श्रमिक देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। प्रशासन श्रमिकों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

श्रमिकों का सम्मान कर दिलाया अधिकारों का संदेश, बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश बनाने का आह्वान

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर होली चाइल्ड पब्लिक इंटर कॉलेज, जड़ौदा में मुख्य विकास अधिकारी कमल किशोर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में श्रमिकों को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ राजीव कुमार के नेतृत्व में किया गया, जिसमें श्रमिकों के अधिकारों, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ राजीव कुमार ने कहा कि श्रम शक्ति का सम्मान ही समृद्ध समाज और प्रदेश की पहचान है। श्रमिक किसी भी राष्ट्र की प्रगति की रीढ़ होते हैं, जिनकी मेहनत और समर्पण से विकास की नींव मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि श्रम केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार है, इसलिए श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। इस दौरान श्रमिकों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से विशेष अपील की गई कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम न कराया जाए। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि बाल श्रम न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बनाता है और उनके शिक्षा के अधिकार का हनन करता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति से आह्वान किया गया कि बच्चों को काम पर

लगाने के बजाय उन्हें विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करें।

प्रधानाचार्य प्रवेंद्र दहिया ने बताया कि यदि कहीं बाल श्रम होता हुआ दिखाई दे, तो उसकी सूचना तुरंत पेंसिल पोर्टल पर दर्ज कराई जाए, जिससे संबंधित विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उत्तर प्रदेश को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए जनसहभागिता को अत्यंत आवश्यक बताया गया।

वक्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर में मजदूरों द्वारा आठ घंटे कार्य दिवस की मांग को लेकर किए गए आंदोलन के बाद इस दिवस की शुरूआत हुई। बाद में वर्ष 1889 में पेरिस में आयोजित द्वितीय इंटरनेशनल कांग्रेस में 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया, जबकि भारत में इसकी शुरूआत वर्ष 1923 में चेन्नई में हुई।

कार्यक्रम के अंत में प्रवेंद्र दहिया ने सभी अतिथियों, श्रमिकों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रमिकों के सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए इस प्रकार के आयोजन समाज में जागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम हैं।

मुख्यमंत्री ने श्रमवीर गौरव सम्मान समारोह 2026 का लखनऊ से किया शुभारंभ, ग्रेटर नोएडा में सजीव प्रसारण का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)
अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से श्रमवीर गौरव सम्मान समारोह 2026 का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के श्रमिकों के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में अटल आवासीय विद्यालयों के मेधावी छात्र छात्राओं एवं प्रधानाचार्या को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा श्रमिकों को टूलकिट और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए उनके योगदान की सराहना की और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

इसी क्रम में जनपद गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में भी श्रमवीर गौरव सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों, कारखानों और प्रतिष्ठानों से जुड़े श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं, जिससे कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा में 300 बेड के ईएसआईसी अस्पताल के निर्माण के लिए 7 एकड़ भूमि का आवंटन पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही वर्चुअल माध्यम से जनपद में 201 स्थानों पर मेगा हेल्थ कैंप और 25 चिकित्सीय मोबाइल वैन (मुख्यमंत्री आरोग्य रथ) का शुभारंभ किया गया। जेवर स्थित मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय सहित 79 स्थानों पर डिस्पेंसरी और एंबुलेंस कक्ष का शिलान्यास किया गया। इसके अलावा 4 एएलएस एंबुलेंस, 10 ब्लड एनालाइजर और 43 शिशु कक्षों का लोकार्पण किया गया तथा पांच नए अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया गया। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्य समारोह का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सजीव प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और श्रमिकों ने देखा और सुना। इस प्रसारण के जरिए जनपद स्तर पर भी राज्य स्तरीय कार्यक्रम का अनुभव प्राप्त हुआ, जिससे श्रमिकों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। इस अवसर पर श्रमिकों के कल्याण को नई दिशा देने के उद्देश्य से हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से सीएसआर के तहत संचालित फूड वैन सेवा का शुभारंभ किया गया। इस पहल के तहत सप्ताह में तीन दिन लगभग 600 औद्योगिक श्रमिकों को निशुल्क, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा, जो दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले श्रमिकों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, जिलाधिकारी मेधा रूपम, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण श्रीलक्ष्मी वीएस, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार, अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी, उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ईमानदार सेवा को सलामः चीफ फार्मासिस्ट ताहिर बैग को सम्मानित कर दी गई भावभीनी विदाई

शामली। (शिखर समाचार) जिला संयुक्त चिकित्सालय शामली में तैनात चीफ फार्मासिस्ट ताहिर बैग के सेवानिवृत्ति अवसर पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल के चिकित्सकों, फार्मासिस्टों एवं अन्य कर्मचारियों ने उनके लंबे और समर्पित सेवा काल को याद करते हुए भावभीनी विदाई दी। समारोह में वक्ताओं ने ताहिर बैग की कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा और मरीजों के प्रति उनके सेवा भाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि ताहिर बैग ने अपने कार्यकाल में न केवल अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन किया, बल्कि अपने अनुभव और व्यवहार से सहकर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बने रहे। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम में डॉ. उमाशंकर भट्ट, संजीव शर्मा, नवनीत शर्मा, अजय कुमार, मनोज वर्मा और आदित्य सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने उनके साथ बिताए अनुभव साझा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान संजीव शर्मा ने मंच संचालन की जिम्मेदारी संभाली और अपने प्रभावी संचालन से कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया, जिसकी सभी ने सराहना की। अंत में ताहिर बैग को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। भावुक माहौल के बीच सभी ने उन्हें स्वस्थ, सुखद और सफल जीवन की शुभकामनाएं दीं।

मजदूर दिवस पर नोएडा प्राधिकरण की बड़ी पहल, हजारों श्रमिक आवासों के जीर्णोद्धार कार्य का हुआ शुभारंभ

आरव शर्मा
नोएडा (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर नोएडा प्राधिकरण द्वारा श्रमिकों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्राधिकरण ने अपने अंतर्गत आने वाले विभिन्न सेक्टरों में बने श्रमिक आवासों के व्यापक जीर्णोद्धार कार्य की शुरूआत कर दी है।

इस अभियान के तहत प्लास्टर, प्लंबिंग, शौचालयों की मरम्मत सहित अन्य आवश्यक सुधार कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। साथ ही श्रमिक कॉलोनियों में सड़कों की मरम्मत और नालियों के सुधार का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे श्रमिकों को बेहतर और सुरक्षित आवासीय सुविधाएं मिल सकें।

इन सेक्टरों में शुरू हुआ कार्य
सेक्टर 66 में करीब 900 श्रमिक आवासों का जीर्णोद्धार कार्य शुरू
सेक्टर 93 में लगभग 2040 आवासों पर कार्य जारी
सेक्टर 110 में 960 आवासों के सुधार का काम प्रारंभ
सेक्टर 122 में निमार्णाधीन 1248 आवासों एवं 12 दुकानों का जीर्णोद्धार कार्य भी शुरू

प्राधिकरण द्वारा इस पहल को श्रमिकों के जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। मजदूर दिवस पर शुरू हुआ यह अभियान न केवल श्रमिकों को बेहतर सुविधाएं देगा, बल्कि उनके सम्मान और योगदान को भी सशक्त रूप से रेखांकित करेगा।

सुजानपुर अखाड़ा में दो मकानों से 30 लाख के जेवर और नगदी चोरी, कैमरों में कैद हुए बाइक सवार बदमाश

मोदीनगर (शिखर समाचार) भोजपुर थाना क्षेत्र के सुजानपुर अखाड़ा गांव में बीती रात बाइक सवार बदमाशों ने एक किसान के दो मकानों को निशाना बनाते हुए करीब 30 लाख रुपये के जेवरात और लाखों की नगदी चोरी कर ली। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जबकि बदमाशों की तस्वीरें निगरानी कैमरों में कैद हो गई हैं। गांव निवासी सुंदर चौधरी अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके छोटे भाई अनिल की करीब 10 वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी है। दोनों भाइयों के मकान पास-पास बने हुए हैं और उनके सामने एक घेर भी बना हुआ है। बुधवार को अनिल की पत्नी सुमन लोनी में अपनी रिश्तेदारी में गई हुई थी, जबकि रात में सुंदर अपनी पत्नी मीनू और अन्य परिजनों के साथ घेर में सो रहे थे। गुरुवार सुबह जब परिवार के लोग जागे तो घेर की कुंडी बाहर से बंद मिली। किसी तरह बाहर निकलकर जब उन्होंने मकानों की

ओर देखा तो दोनों घरों के ताले टूटे हुए मिले। अंदर जाकर देखा तो अलमारियों और लॉकर के ताले भी टूटे पड़े थे और सामान बिखरा हुआ था। सुंदर के अनुसार बदमाश करीब 30 लाख रुपये के जेवरात और लगभग एक लाख रुपये की नगदी चोरी कर ले गए। बताया जा रहा है कि बदमाश काफी देर तक घरों में रहे। चोरी के दौरान हुई आवाजें पड़ोसियों ने भी सुनीं, लेकिन उन्होंने इसे बंदरों का शोर समझकर अनदेखा कर दिया। वहीं पास में रहने वाले एक मजदूर की बेटी ने रात में घर के बाहर एक बाइक और कुछ लोगों को खड़ा देखा, लेकिन उसने उन्हें परिवार का सदस्य समझकर ध्यान नहीं दिया। निगरानी कैमरों की फुटेज में बदमाश मास्क और दस्ताने पहने हुए नजर आए हैं तथा उनके पास बैग भी दिखाई दे रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और न्यायिक विज्ञान दल ने साक्ष्य एकत्र किए। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है और घटना की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

श्रमिक दिवस पर कादराबाद में टीबी जांच शिविर आयोजित

मोदीनगर (शिखर समाचार)। श्रमिक दिवस के अवसर पर कादराबाद स्थित विपिन काला नमक फैक्ट्री में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत श्रमिकों के लिए टीबी जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान गाजियाबाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फैक्ट्री में कार्यरत श्रमिकों की जांच और स्क्रीनिंग की। शिविर में स्वास्थ्य कर्मियों ने श्रमिकों को क्षय रोग के लक्षण, बचाव के उपाय और उपलब्ध उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही समय पर जांच और उपचार कराने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर व्यापार मंडल के सतीश अग्रवाल, पवन चौधरी, नितिन चौधरी और कमल अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन लंगड़ा : पुलिस ने मुठभेड़ में एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम ट्रांसहिण्डन और थाना इन्दिरापुरम पुलिस ने मुठभेड़ में एक अभियुक्त जाबिर को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में जाबिर के पैर में गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 अवैध तमंचा, 1 खोखा कारतूस, 1 जिन्दा कारतूस, स्नैचिंग की घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि स्वाट टीम ट्रांसहिण्डन और थाना इन्दिरापुरम पुलिस सेक्टर-1 वंसुधरा टी प्वाइंट पर चैकिंग की जा रही थी। इस दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति को आता हुआ देखकर पुलिस द्वारा रुकने का इशारा किया गया, परन्तु मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति नही रुका तथा मोटरसाइकिल को तेजी से मोड़कर सेक्टर 2ए ग्राउंड की ओर भागने लगा, तभी पुलिस द्वारा पीछा करने पर पुलिस से बचकर भागने की जल्दी व हडबडाहट में ग्राउंड मे गड्ढे एवं बारिश का पानी होने के कारण फिसलन की वजह से मोटरसाइकिल डिसबैलेंस होकर वही पर फिसलकर गिर गई। उस व्यक्ति ने अपने आप को पुलिस से घिरा देखकर खुद को पुलिस के हवाले करने के बजाय अपने पास लिए तमंचे से पुलिस वालों को निशाना बनाकर जान से मारने की नियत से फायर किया, जिससे पुलिस पार्टी में शामिल लोग बाल-बाल बचे। पुलिस पार्टी ने बी फायरिंग की, जिसमें अभियुक्त के पैर में गोली लगी। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि इसके खिलाफ गाजियाबाद में स्नैचिंग, चोरी करने, चोरी का माल बरामद होने , एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत 4 मुकदमे दर्ज है। इसके अतिरिक्त। सम्भल में 2 अभियोग पंजीकृत है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह अपने अन्य साथी के साथ मिलकर मोटर साइकिल से वंसुधरा में सुबह के समय एक आदमी के गले से झपट्टा मारकर चैन छीनी थी, जिसे उसके साथी ने मेरठ में कही बेच दिया था तथा कुछ पैसे उसे भी दिये थे।

आम के बाग में गई मासूमों की टोली पर काल बनकर टूटी गर्म राख, आधा दर्जन बच्चे झुलसे

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना शहर कोतवाली क्षेत्र के जोधुवाला गांव के पास एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहाँ आम के बाग में खेलने और नहाने गए आधा दर्जन बच्चे जमीन में दबी गर्म राख की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। बच्चों की चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जोधुवाला गांव के पास स्थित एक आम के बाग में गांव के कुछ बच्चे आम बीनने और पास ही नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान बाग के एक हिस्से में डाली गई फैक्ट्री की गर्म राख (फ्लाई ऐश) के ढेर पर उनका पैर पड़ गया। राख ऊपर से ठंडी प्रतीत हो रही थी, लेकिन भीतर से अत्यंत गर्म थी। जैसे ही बच्चे उस पर चढ़े, वे उसकी चपेट में आ गए और उनके पैर तथा शरीर के निचले हिस्से बुरी तरह झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दमकल विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राख को ठंडा करने का कार्य शुरू किया। वहीं, प्रशासन भी सक्रिय हो गया है। मामले की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है कि आम के बाग में इतनी मात्रा में गर्म राख कैसे पहुंची और इसे असुरक्षित तरीके से यहाँ किसने डलवाया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी फैक्ट्री या जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना न केवल लापरवाही का गंभीर उदाहरण है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी बड़े सवाल खड़े करती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे खतरनाक कचरे के खुले में निस्तारण पर सख्त रोक लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम : राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप ने 62 जोड़ो को दिया आशीर्वाद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कन्या विवाह सहायता योजना के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की पुत्रियों की शादी सामूहिक विवाह कार्यक्रम में स्थान-रामलील ग्राउन्ड कविनगर गाजियाबाद में सकुशल सम्पन्न कराई गई। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में गाजियाबाद के 14 जोड़े, बुलन्दशहर के 24 जोड़े एवं हापुड़ के 24 जोड़े उपस्थिति हुए। सामूहिक विवाह में 27 जोड़े हिन्दू तथा 35 मुस्लिम जोड़े उपस्थित हुए। कार्यक्रम में वर-वधू के लिये फलो की टोकरी एवं लड्डू की टोकरी तथा वर-वधू के पक्ष के सभी उपस्थित व्यक्तियों के लिये नाश्ते एवं भोजन की उचित व्यवस्था तथा संस्कृतिक कार्यक्रम की व्यवस्था श्रम विभाग द्वारा करायी गयी। हिन्दू कन्याओं की शादी पंडित द्वारा तथा मुश्लिम कन्याओं की शादी काजी द्वारा पूर्ण विधि विधान से सम्पन्न करायी गयी। उक्त कार्यक्रम में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेन्द्र कश्यप, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,

अभिनव गोपाल, मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद, अनुराग मिश्र, उप श्रमायुक्त, गाजियाबाद, कृष्ण अवतार, सहायक श्रमायुक्त गाजियाबाद एवं गाजियबाद क्षेत्र के श्रम प्रवर्तन अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी अतिथियो द्वारा वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ मंच पर उपस्थित गणमान व्यक्तियो द्वारा दीप प्रज्वलित से किया गया। उक्त के उपरान्त उप श्रमायुक्त अनुराग मिश्रा द्वारा उपस्थित अतिथियो का स्वागत करते हुये अपने उदबोधन में सामूहिक विवाह आयोजन की उपयोगिता उसके सामाजिक उद्देश्य तथा श्रम विभाग द्वारा श्रमिको के लिये चलायी जा रही अन्य योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि नरेन्द्र कश्यप ने श्रम विभाग द्वारा श्रमिको के कल्याण हेतु चलायी जा रही विभिन्न हितकारी योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी गयी है। साथ ही सामूहिक विवाह योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये कहा कि सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 1 लाख रुपए मिलते है, जिसमें से 15 हजार रुपए कार्यक्रम के आयोजन में खर्च होते हैं और शेष कुल 85000 प्रति लाभार्थी दिये जाते हैं, जो श्रमिक के सीधे खाते में ट्रान्सफर किया जाता है। श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही इस योजना से श्रमिकों के चेहरे खिले हुए हैं।

विधायक की शिकायत पर चौकी प्रभारी निलंबित, लापरवाही व रिश्वत के आरोपों में कार्रवाई

दादरी (शिखर समाचार)। पुलिस विभाग में लापरवाही और जनसमस्याओं की अनदेखी को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए ग्रेटर नोएडा जोन के डीसीपी डॉ. प्रवीन कुमार रंजन के निर्देश पर दादरी कोतवाली क्षेत्र की कस्बा चौकी प्रभारी एसआई सुरेश चंद शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बताया गया है कि चौकी प्रभारी पर विभागीय कार्यों में लापरवाही, क्षेत्रीय लोगों के साथ समुचित तालमेल न रखने तथा रिश्वत मांगने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। क्षेत्र के लोगों द्वारा लगातार जनप्रतिनिधियों से शिकायत की जा रही थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय विधायक ने पुलिस अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधिकारियों ने जांच के बाद यह कार्रवाई की। एसीपी प्रशाली गंगवार ने जानकारी देते हुए बताया कि कस्बा चौकी क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही थीं, जिनका प्रभावी निस्तारण नहीं हो पा रहा था। साथ ही जनता और जनप्रतिनिधियों के साथ व्यवहार भी संतोषजनक नहीं पाया गया। रिश्वत मांगने के आरोपों को भी गंभीरता से लिया गया। उन्होंने बताया कि संबंधित चौकी प्रभारी को पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर उच्च अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्रवाई की। फिलहाल चौकी की जिम्मेदारी पहले से तैनात एसआई मोहित कुमार को सौंपी गई है। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई को प्रशासनिक सख्ती के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे आमजन में विश्वास बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

15 जून से शुरू होगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का वाणिज्यिक संचालन, उत्तर भारत को मिलेगा नया हवाई द्वार

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने घोषणा की है कि हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन 15 जून से प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण पहल के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित पूरे उत्तर भारत के यात्रियों, विमानन कंपनियों और माल परिवहन संचालकों के लिए एक नया और आधुनिक हवाई प्रवेश द्वार उपलब्ध हो जाएगा। हवाई सेवाओं का शुभारंभ प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा औपचारिक उद्घाटन के उपरांत किया जाएगा। इसके साथ ही नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा हवाई अड्डे को एयरोड्रोम सुरक्षा कार्यक्रम की स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है। यह स्वीकृति इस बात का प्रमाण है कि हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी प्रणालियां और संचालन प्रक्रियाएं सभी निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरी तरह तैयार हैं। हवाई अड्डे से पहली निर्धारित यात्री उड़ान का संचालन इंडिगो द्वारा किया जाएगा, जिससे नियमित सेवाओं का विधिवत आरंभ होगा। इसके बाद शीघ्र ही अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी उड़ान सेवाएं प्रारंभ करेंगी। उड़ानों के समय, गंतव्यों तथा यात्री सुविधाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी क्रमशः साझा की जाएगी। तेजी से बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए विकसित

किया गया यह हवाई अड्डा अत्याधुनिक यात्री टर्मिनल, सुव्यवस्थित संचालन प्रणाली और सुदृढ़ बहु-माध्यमीय संपर्क व्यवस्था से सुसज्जित है। यहां यात्रियों को सुगम, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के साथ-साथ विमानन कंपनियों को विश्वसनीय और किफायती संचालन का अवसर मिलेगा। इस हवाई अड्डे के संचालन से क्षेत्रीय संपर्क को नई मजबूती मिलेगी, जिससे आर्थिक विकास को गति प्राप्त होगी। साथ ही पर्यटन, व्यापार और निवेश के क्षेत्र में भी नए अवसरों का सृजन होगा, जिससे पूरे क्षेत्र की प्रगति को नया आयाम मिलेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट एक हरित क्षेत्रीय परियोजना के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संतुलन को बनाए रखते हुए आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना है। हवाई अड्डा शून्य शुद्ध उत्सर्जन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जो इसे देश के अग्रणी पर्यावरण-अनुकूल हवाई अड्डों में शामिल करता है। इस परियोजना का विकास यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जो ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार के सहयोग से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही है।

हवाई अड्डे की कंसेशन अवधि 1 अक्टूबर 2021 से प्रारंभ होकर 40 वर्षों तक निर्धारित की गई है। वर्तमान में यहां एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल स्थापित है, जिसकी वार्षिक क्षमता लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों की है। भविष्य में इसे चरणबद्ध तरीके से विस्तारित कर 7 करोड़ से अधिक यात्रियों की वार्षिक क्षमता विकसित करने की योजना है।

कुल मिलाकर, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन शुरू होना न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए विकास, संपर्क और आधुनिकता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

श्रमिक दिवस पर श्रमिकों का सम्मान, मीठा जल वितरण कर दिया सेवा का संदेश

दादरी (शिखर समाचार)। नगर के जारचा रोड स्थित क्षेत्र में भारत विकास परिषद शाखा दादरी द्वारा श्रमिक दिवस एवं बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर श्रमिकों के सम्मान में मीठा जल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान राहगीरों एवं श्रमिकों को मीठा जल पिलाकर सेवा भावना का परिचय दिया गया।

जारचा रोड स्थित श्री बांके बिहारी शाप पर परिषद के कार्यकर्ता एकत्रित हुए और श्रमिकों का सम्मान करते हुए उन्हें अंग वस्त्र भेंट किए। साथ ही चना, गुड़, बिस्किट और फल वितरित कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों को शरबत पिलाकर धर्म लाभ अर्जित किया गया।

परिषद के सचिव रविंद्र गोयल ने कहा कि श्रमिक समाज की रीढ़ होते हैं। वे न केवल अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं, बल्कि किसी भी संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छोटे से लेकर बड़े संस्थानों की उन्नति में श्रमिकों का योगदान अहम होता है, इसलिए उनके सम्मान के लिए सभी संस्थानों को आगे आना चाहिए।

इस अवसर पर एन के शर्मा, विजय बंसल, दिनेश सिंहल, लोकेश गर्ग, अजय गर्ग, कमल गोयल, संजीव सक्सेना, रामकिशोर बंसल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

ईंधन की बढ़ती आंच: महंगाई, नीति और जनता के बीच संतुलन की चुनौती

कॉमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी ने एक बार फिर यह संकेत दे दिया है कि ऊर्जा क्षेत्र में दबाव लगातार बढ़ रहा है और इसका असर आम जनता की जेब पर पड़ना तय है। इसी के साथ अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर आशंका का माहौल बन गया है। लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या सरकार जल्द ही ईंधन की कीमतों में बड़ा इजाफा कर सकती है। यह चिंता निराधार नहीं है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, भू-राजनीतिक तनाव और लंबे समय से घरेलू स्तर पर खुदरा कीमतों के स्थिर रहने के कारण तेल कंपनियों का घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को अपेक्षाकृत स्थिर रखा गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव जारी रहा। सरकार ने कई बार एक्साइज ड्यूटी में कटौती करके उपभोक्ताओं को राहत देने की कोशिश की, लेकिन इसका बोझ कहीं न कहीं तेल विपणन कंपनियों पर पड़ा। अब जब कच्चे तेल की कीमतें फिर से ऊंचाई की ओर बढ़ रही हैं और डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी भी बनी हुई है, तो कंपनियों के लिए मौजूदा दरों पर ईंधन बेचना आर्थिक रूप से कठिन होता जा रहा है।

ताजा वैश्विक परिस्थितियों को देखें तो पश्चिम एशिया में तनाव, उत्पादन में संभावित कटौती और प्रमुख तेल उत्पादक देशों की नीतियों ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ा दी है। इसके अलावा, वैश्विक मांग में भी धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो रही है, जिससे कीमतों पर दबाव बन रहा है। ऐसे में भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हर वृद्धि का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ता है। कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी को एक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यह बढ़ोतरी न केवल छोटे व्यवसायों, रेस्टोरेंट संचालकों और होटल उद्योग के लिए चिंता का विषय है, बल्कि इसका असर अंततः आम उपभोक्ता तक भी पहुंचता है। जब व्यवसायों की लागत बढ़ती है, तो वे इसे उत्पादों और सेवाओं की कीमतों में जोड़ देते हैं, जिससे महंगाई का दायरा और व्यापक हो जाता है। यही कारण है कि एलपीजी की कीमतों में वृद्धि को महज एक सेक्टर की समस्या नहीं, बल्कि व्यापक आर्थिक संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। अब सवाल यह है कि क्या पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी अपरिहार्य है? आर्थिक दृष्टि से देखें तो तेल कंपनियों के बढ़ते घाटे को लंबे समय तक नजरअंदाज करना संभव नहीं है। यदि कीमतों में समायोजन नहीं किया जाता, तो इसका असर कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर पड़ेगा और अंततः सरकार को किसी न किसी रूप में हस्तक्षेप करना होगा। दूसरी ओर, यदि कीमतें बढ़ाई जाती हैं, तो इसका सीधा असर महंगाई पर पड़ेगा, जो पहले से ही आम आदमी के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। सरकार के सामने इस समय दोहरी चुनौती है एक तरफ कंपनियों के नुकसान को नियंत्रित करना और दूसरी तरफ आम जनता को महंगाई के बोझ से बचाना। यह संतुलन साधना आसान नहीं है। विशेषकर ऐसे समय में जब देश में आर्थिक विकास को गति देने की जरूरत है और उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देना आवश्यक है, ईंधन की कीमतों में वृद्धि इस प्रक्रिया को धीमा कर सकती है।

~ मौलिक चिंतन ~

सच्चा विजेता वो जो स्वयं को जीत ले, खुद से हार जाने वाला जमाने को क्या जीतेगा!

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

धरती के स्वर्ग तक तेज भारतीय रेल की रफ्तार

विनोद कुमार सिंह

जम्मू-तवी से श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेन का विस्तार...

विकास की रफ्तार जब आस्था, पर्यटन और आजीविका के साथ कदमताल करती है,तब वह केवल एक परियोजना नहीं रहती, बल्कि समाज के बहुआयामी परिवर्तन की जीवंत गाथा बन जाती है। जम्मू-तवी से श्रीनगर तक विस्तारित वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा भी ऐसे ही परिवर्तन का सशक्त प्रतीक बनकर उभरी है - जहाँ पहाड़ों की निस्तब्धता, प्रकृति की विराटता और बदलती जीवनशैली एक नई कहानी रचती प्रतीत होती है।आज जब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस सेवा को हरी झंडी दिखाई, तो उनके संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित उद्बोधन में एक स्पष्ट संदेश था–'यह केवल एक ट्रेन नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बढ़ता हुआ विश्वास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल का लक्ष्य है कि देश के सबसे दुर्गम क्षेत्रों तक भी आधुनिक कनेक्टिविटी पहुंचे,ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।' उन्होंने यह भी कहा कि यह सेवा आने वाले समय में क्षेत्र के युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगी।

दरअसल,यह विस्तार उस स्वप्न का परिपक्व रूप है,जिसकी शुरूआत जून 2025 में कटरा-श्रीनगर वंदे भारत सेवा से हुई थी।अब यह सेवा जम्मू-तवी तक पहुँचकर न केवल दूरी को कम कर रही है,बल्कि लोगों के मनों के बीच की दूरी को भी पाट रही है।कश्मीर की वादियों में जब यह आधुनिक ट्रेन सरपट दौड़ती है, तो उसके साथ-साथ प्रकृति का एक अद्भुत संसार भी खुलता चलता है। ऊँचे-ऊँचे देवदारों से आच्छादित पहाड़, बादलों से संवाद करती घाटियाँ,और दूर तक फैली हरियाली–यह सब मिलकर एक ऐसी अनुभूति का निर्माण करते हैं, जहाँ विकास और प्रकृति के बीच एक संतुलित संवाद दिखाई देता है। यहाँ की सुबहें जब धूप की सुनहरी चादर ओढ़ती हैं और शामें जब ठंडी हवा के साथ सुकून का एहसास कराती हैं, तब यह यात्रा केवल भौगोलिक नहीं,बल्कि भावनात्मक भी बन जाती है।चिनाब रेल पुल और अंजी खड़ पुल जैसे इंजीनियरिंग के चमत्कार इस प्राकृतिक सौंदर्य के बीच आधुनिक भारत की तकनीकी क्षमता का परिचय देते हैं।इन संरचनाओं के बीच से गुजरती वंदे भारत एक्सप्रेस मानो यह संदेश देती है कि विकास और प्रकृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं,बल्कि पूरक हो सकते हैं।

इस पूरी यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ वर्षों में शांति और व्यवस्था का जो नया वातावरण बना है,उसी ने ऐसे बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को संभव बनाया है।कभी जो क्षेत्र अस्थिरता और अनिश्चितताओं के कारण विकास से वंचित रह जाता था,वही आज प्रगति की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।यह परिवर्तन केवल आंकड़ों में नहीं,बल्कि लोगों के जीवन में स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है–बाजारों की रौनक,पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही और युवाओं के चेहरों पर उभरती नई उम्मीदों में।

आर्थिक दृष्टि से यह रेल सेवा रोजगार के नए अवसरों का एक विस्तृत क्षितिज खोल रही है। पर्यटन के विस्तार के साथ होटल, परिवहन,हस्तशिल्प और स्थानीय व्यवसायों मेंअभूतपूर्व वृद्धि की संभावना है।कश्मीर के सेब, केसर और पश्मीना जैसे उत्पाद अब अधिक तेजी और सुविधा के साथ देश के विभिन्न बाजारों तक पहुँच सकेंगे,जिससे स्थानीय कारीगरों और किसानों की आय में वृद्धि होगी।युवा वर्ग,जो कभी सीमित अवसरों के कारण पलायन के लिए विवश होता था,अब अपने ही क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के नए आयाम तलाश सकेगा।आस्था के स्तर पर भी यह सेवा एक नई ऊर्जा लेकर आई है।श्री माता वैष्णो देवी मंदिर और अमरनाथ यात्रा से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा अब पहले से कहीं अधिक सहज और सुलभ हो गई है। आस्था की इस यात्रा में अब कठिनाइयों की जगह सुविधा और संतोष ने ले ली है।इस परियोजना की आधारशिला उधमपुर-श्रीनगर- बारामूला रेल लिंक है,जो भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है।हिमालय की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तैयार यह रेल मार्ग केवल पटरियों का जाल नहीं, बल्कि एक ऐसे भारत की कहानी है जो हर चुनौती को अवसर में बदलना जानता है अंततः,जम्मू-तवी से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस का यह विस्तार एक व्यापक परिवर्तन का संकेत है।यह केवल यात्रा को सरल बनाने का माध्यम नहीं,बल्कि एक ऐसे नए युग की शुरूआत है,जहाँ शांति, विकास और समृद्धि एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।पहाड़ों की गोद में बसे इस 'धरती के स्वर्ग' में अब न केवल प्रकृति की सुंदरता है,बल्कि आधुनिक भारत की प्रगति की चमक भी है-जहाँ हर सुबह नई संभावनाओं का संदेश देती है और हर यात्रा एक नई उम्मीद का आरंभ बनती है।

अंतरजातीय संबंधों पर सामाजिक हिंसा का संकट और बदलते समाज की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के टामटिया गांव में घटी हालिया घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं है बल्कि यह हमारे समाज के भीतर गहराई तक जमी उन मानसिकताओं को उजागर करती है जो आज भी जाति और परंपरा के नाम पर इंसानियत को पीछे छोड़ देती हैं। एक प्रेम प्रसंग से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसा में बदल गया, जिसमें एक युवक की हत्या कर दी गई और उसके बाद गुस्से और बदले की भावना में गांव के कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है, पुलिस बल तैनात है, और ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर 21वीं सदी में भी समाज इस तरह की त्रासदियों से क्यों जूझ रहा है।

इस घटना की जड़ में एक अंतरजातीय प्रेम संबंध बताया जा रहा है। युवक और युवती के बीच संबंध को लेकर पहले भी विवाद हुआ था और मामला पुलिस तक पहुंचा था, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से स्थिति बिगड़ती चली गई। जब परिवार और समाज प्रेम संबंध को स्वीकार नहीं कर पाते, तब ऐसे रिश्ते अक्सर टकराव का कारण बनते हैं। इस मामले में भी युवती के भाई ने संबंध का विरोध किया, जिससे तनाव बढ़ा और अंततः यह हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि युवक की हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई, जिसने पूरे गांव को झकझोर दिया।

हत्या के बाद जो हुआ वह और भी चिंताजनक है। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर हमला कर दिया, घरों में आग लगा दी, और देखते ही देखते कई परिवार बेघर हो गए। बताया जा रहा है कि 30 से अधिक घर जलकर राख हो गए। यह केवल संपत्ति का नुकसान नहीं है, बल्कि उन परिवारों की जिंदगी पर गहरा आघात है, जिन्होंने एक ही रात में अपना सब कुछ खो दिया। आगजनी के बाद भी लंबे समय तक घरों से धुआं उठता रहा, जो इस त्रासदी की भयावहता का प्रतीक है।

घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले से मिल रही धमकियों के बावजूद पुलिस ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण यह घटना हुई। यही कारण है कि अब लोग आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जब आम नागरिकों को यह महसूस होता है कि उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, तो उनके भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है, जो आगे चलकर सामाजिक अशांति को जन्म देता है।

यह घटना केवल एक गांव या एक राज्य तक सीमित नहीं है। देश के कई हिस्सों में आज भी अंतरजातीय विवाह या प्रेम संबंधों को लेकर इसी तरह की हिंसा देखने को मिलती है। समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी जातिगत सीमाओं को तोड़ने के लिए तैयार नहीं है। खासकर जब बात बेटियों की आती है, तो परिवारों में नियंत्रण और कठोरता और भी बढ़ जाती है। यह एक गहरी विडंबना है कि जहां एक ओर समाज बहुओं को किसी भी जाति से स्वीकार कर लेता है, वहीं बेटियों के लिए वही स्वतंत्रता नहीं दी जाती। यह दोहरा मापदंड न केवल असमानता को बढ़ावा देता है बल्कि सामाजिक तनाव का कारण भी बनता है।

समाज में लड़कियों की कमी भी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। कई क्षेत्रों में आज भी लिंगानुपात असंतुलित है, जिसके कारण हजारों युवक शादी से वंचित रह जाते हैं। इसके बावजूद अगर समाज अंतरजातीय विवाह को स्वीकार नहीं करता, तो यह समस्या और जटिल होती जाती है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम अपनी सोच को बदलें और रिश्तों को जाति के बजाय मानवीय आधार पर स्वीकार करें।

इस तरह की घटनाएं यह भी दिखाती हैं कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष अब भी जारी है। एक ओर नई पीढ़ी अपने फैसले खुद लेना चाहती है, अपने जीवनसाथी का चुनाव करना चाहती है, वहीं दूसरी ओर पुरानी सोच अब भी इन बदलावों को स्वीकार करने में हिचक रही है। यह टकराव जब संवाद के बजाय हिंसा में बदल जाता है, तब इसके परिणाम बेहद खतरनाक होते हैं।

इस समस्या का समाधान केवल कानून के जरिए संभव नहीं है। इसके लिए समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता और संवाद की जरूरत है। परिवारों को यह समझना होगा कि बच्चों की खुशियां और उनका अधिकार सर्वोपरि हैं। शिक्षा का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है, क्योंकि शिक्षित समाज में इस तरह की कट्टरता अपेक्षाकृत कम देखने को मिलती है। साथ ही प्रशासन को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और ऐसे मामलों में समय रहते प्रभावी कार्रवाई करनी होगी ताकि स्थिति बिगड़ने से पहले ही संभाली जा सके।

टामटिया गांव की यह घटना एक चेतावनी है कि अगर हमने अब भी अपनी सोच नहीं बदली, तो ऐसे हादसे बार-बार होते रहेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज बदल रहा है और इस बदलाव को रोकना संभव नहीं है। बेहतर यही होगा कि हम इसे समझदारी से स्वीकार करें और एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां प्रेम, समानता और सम्मान को प्राथमिकता दी जाए, न कि जाति और रूढ़ियों को।

अंततः यह सवाल हम सभी के सामने है कि हम किस तरह का समाज बनाना चाहते हैं। क्या हम वही पुरानी परंपराओं में जकड़े रहेंगे जो हिंसा और विभाजन को जन्म देती हैं, या फिर हम एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ेंगे जहां हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी हो। इस सवाल का जवाब ही तय करेगा कि आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं कम होंगी या फिर और बढ़ेंगी।

पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक बंपर वोटिंग-खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे

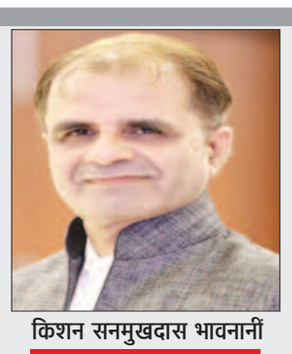

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति,संघीय ढांचे,वैचारिक संघर्ष और चुनावी रणनीतियों का एक ऐसा प्रयोगशाला बन चुका है जिस पर पूरे देश ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी पैनी नजर टिकी हुई है।जब मतदान के दोनों चरण अभूतपूर्व उत्साह और अत्यधिक मतदान प्रतिशत के साथ संपन्न हुए,तो यह अपने आप में कई संकेत देता है,पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न हो चुके हैं।

भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय होनें की संभावना-4 मई 2026 महीनों से लिखी जा रही कथा के नतीजों का राजनीतिक निष्कर्ष होगा

पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं;यह चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है.

उच्च मतदान प्रतिशत एंटी- इंकंबेंसी का परिणाम -बीजेपी को फायदा, प्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशन-टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है- स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान निर्णायक भूमिका निभानें की संभावना.

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति,संघीय ढांचे,वैचारिक संघर्ष और चुनावी रणनीतियों का एक ऐसा प्रयोगशाला बन चुका है जिस पर पूरे देश ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी पैनी नजर टिकी हुई है।जब मतदान के दोनों चरण अभूतपूर्व उत्साह और अत्यधिक मतदान प्रतिशत के साथ संपन्न हुए,तो यह अपने आप में कई संकेत देता है,पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न हो चुके हैं। अब इंतजार है तो सिर्फ 4 मई का जब नतीजे आएंगे और क्लियर हो जाएगा कि सत्ता में ममता बनर्जी की वापसी होगी या फिर इस बार पश्चिम बंगाल में कमल खिलेगा। लेकिन उससे पहले जो एग्जिट पोल सामने आए हैं, वह कहीं ना कहीं ममता बनर्जी की जमीन हिला रहे हैं। तमाम टीएमसी नेताओं की धड़कनें बढ़ा रहे हैं। और कुछ नेता तो क्या कह रहे हैं टीएमसी के? टीएमसी के नेता कह रहे हैं कि बीजेपी हर बार इस तरीके का माहौल बनाती है और उसका माहौल उल्टा ही साबित होता है। इस बार जो बंगाल में 200 पार का यह लोग बातें कर रहे हैं। इस बार वो बातें हवा-हवाई ही साबित होंगी क्योंकि 4 मई को जो नतीजे आएंगे वो टीएमसी के पक्ष में आएंगे। हालांकि बीजेपी वाले जो हैं वो ये कह रहे हैं कि इस बार ममता बनर्जी के साथ खेला होगा। एक तरफ जनता की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी, दूसरी तरफ सत्ता के प्रति गहरी असंतुष्टि या समर्थन का तीव्र भाव। पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं है;यह दशार्ता है कि चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पृष्ठभूमि में बदला बनाम बदलाव की बहस,वोटों की बरसात और सत्ता परिवर्तन जैसे सवाल केवल नारे नहीं बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान के संकेतक बन जाते हैं।अगर हम ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो पश्चिम बंगाल लंबे समय तक वैचारिक राजनीति का केंद्र रहा है। वामपंथी शासन के तीन दशक और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का उदय, ये दोनों ही चरण बताते हैं कि बंगाल की राजनीति हमेशा परिवर्तनशील रही है।लेकिन वर्तमान चुनाव में जो सबसे बड़ा बदलाव दिखता है,वह है बीजेपी का अभूतपूर्व उभार,जिसने राज्य की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को त्रिकोणीय और अब लगभग द्विध्रुवीय (टीएमसी बनाम बीजेपी) संघर्ष में बदल दिया है।

साथियों बात अगर हम भारत भारत व पूरे विश्व की नजरों मेंअब पहले सबसे बड़े प्रश्न की करें,पूरी दुनिया की नजरें सोमवार 4 मई 2026 के नतीजों पर क्यों टिकी हैं? इसका उत्तर केवल सीटों के गणित में नहीं बल्कि उस राजनीतिक कथा में छिपा है जो भारत के लोकतंत्र को परिभाषित करती है। बंगाल का चुनाव इस बात का संकेत देगा कि क्या क्षेत्रीय दल अभी भी अपने मजबूत गढ़ों को बचा सकते हैं या राष्ट्रीय दलों का विस्तार अब लगभग हर राज्य में संभव हो गया है। यह चुनाव पीएम के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय राजनीति बनाम क्षेत्रीय पहचान की राजनीति का सीधा मुकाबला भी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे लोकल बनाम नेशनल नैरेटिव के रूप में देखा जा रहा है, जो कई लोकतांत्रिक देशों में उभरती प्रवृत्ति से मेल खाता है।

साथियों बात अगर हम बदला या बदलाव,इस प्रश्न को समझने की करें तो पश्चिम बंगाल की राजनीति के सबसे संवेदनशील पहलू को छूता है। बदला शब्द बंगाल में राजनीतिक हिंसा और प्रतिशोध की उस संस्कृति की ओर इशारा करता है जो दशकों से चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा रही है। वहीं बदलाव विकास, प्रशासनिक सुधार और नई राजनीतिक दिशा का प्रतीक है। इस चुनाव में दिलचस्प बात यह रही कि व्यापक रूप से हिंसा की घटनाएं अपेक्षाकृत कम देखने को मिलीं,जिसका श्रेय केंद्रीय बलों की तैनाती और कड़ी निगरानी को दिया जा रहा है। यह बदलाव केवल चुनावी प्रक्रिया में नहीं बल्कि मतदाताओं के मनोविज्ञान में भी झलकता है,वे अब स्थिरता और सुरक्षा को सटीकता से प्राथमिकता दे रहे हैं।

साथियों बात अगर हम दोनों चरणों में 92 प्रतिशत से अधिक हुई बंपर वोटिंग को समझने की करें तो अब सवाल आता है,वोटों की बरसात किसके साथ? अत्यधिक मतदान प्रतिशत आमतौर पर दो तरह के संकेत देता है:या तो सत्ता के खिलाफ भारी असंतोष, या फिर सत्ता के समर्थन में जबरदस्त लामबंदी।इस बार बंगाल में दोनों ही संभावनाएं मौजूद हैं। एक तरफ टीएमसी ने अपने कल्याणकारी योजनाओं,महिला वोट बैंक और ग्रामीण नेटवर्क के दम पर मजबूत पकड़ बनाए रखी है,वहीं बीजेपी ने हिंदुत्व, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के मुद्दों के साथ-साथ संगठनात्मक विस्तार के जरिए शहरी और युवा मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश की है।एग्जिट पोल्स ने इस जटिल समीकरण को और भी रोमांचक बना दिया है।विभिन्न एजेंसियों के अनुमान में बीजेपी को बढ़त दिखाई जा रही है,कुछ में तो स्पष्ट बहुमत का दावा भी किया गया है। हालांकि पोल ऑफ पोल्स एक करीबी मुकाबले की ओर इशारा करता है, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच सीटों का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है।भारतीय चुनावी इतिहास में एग्जिट पोल कई बार गलत भी साबित हुए हैं, इसलिए इन्हें अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। फिर भी ये राजनीतिक माहौल और मतदाताओं की संभावित दिशा का संकेत जरूर देते हैं।टीएमसी का दावा है कि ये एग्जिट पोल मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि वास्तविक नतीजे उनके पक्ष में आएंगे और बीजेपी का 200 पार का दावा केवल प्रचार है। दूसरी ओर बीजेपी का आत्मविश्वास इस बात को दशार्ता है कि पार्टी को जमीनी स्तर पर अपने प्रदर्शन को लेकर भरोसा है। खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे ये नारे अब केवल शब्द नहीं बल्कि दो अलग- अलग राजनीतिक दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

साथियों बात अगर हम इस चुनाव में एक और महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह है,भ्रष्टाचार के आरोप, विशेषकर कोयला घोटाला। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर इस बार कोई बड़ा उलटफेर होता है, तो उसमें इन आरोपों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। जांच एजेंसियों की कार्रवाई और उससे जुड़ी राजनीतिक बहस ने चुनावी माहौल को प्रभावित किया है। साथ ही, चुनावी रणनीति में पेशेवर संस्थाओं की भूमिका जैसे कि आईपैक भी चर्चा का विषय रही है, जिसने आधुनिक भारतीय चुनावों में डेटा-आधारित रणनीति की अहमियत को उजागर किया है।मतदान के शांतिपूर्ण संपन्न होने का एक और बड़ा प्रभाव यह है कि इससे चुनाव की वैधता और विश्वसनीयता बढ़ी है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लोकतंत्र को अक्सर उसकी जटिलता और विविधता के कारण सराहा जाता है, लेकिन चुनावी हिंसा उसकी छवि को प्रभावित करती रही है। इस बार अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण चुनाव ने यह संदेश दिया है कि भारत अपने चुनावी तंत्र को और मजबूत बना रहा है।

साथियों बात अगर हम सबसे बड़ा प्रश्न,क्या एग्जिट पोल के आंकड़े वास्तविक नतीजों में बदलेंगे? इसको समझने की करें तो,इसका उत्तर 4 मई को ही मिलेगा, लेकिन कुछ संकेतों के आधार पर संभावनाओं का विश्लेषण किया जा सकता है। अगर उच्च मतदान प्रतिशत एंटी-इंकंबेंसी का परिणाम है, तो बीजेपी को फायदा हो सकता है। लेकिन अगर यह ह्यप्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशनह्व है, तो टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है। इसके अलावा, स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता, क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।यह केवल यह नहीं बताएगा कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी, बल्कि यह भी संकेत देगा कि भारत में राजनीति का स्वरूप किस दिशा में विकसित हो रहा है,क्या क्षेत्रीय दल अपनी पकड़ बनाए रखेंगे या राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व और बढ़ेगा। बदला और बदलाव के बीच झूलता यह चुनाव लोकतंत्र के उस जीवंत स्वरूप का उदाहरण है, जहां अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है।4 मई का दिन केवल नतीजों की घोषणा नहीं होगा, बल्कि यह उस राजनीतिक कथा का निष्कर्ष होगा जो महीनों से लिखी जा रही है। क्या ममता बनर्जी अपनी सत्ता बचा पाएंगी या बीजेपीपहली बार बंगाल में सरकार बनाएगी,यह सवाल जितना बंगाल के लिएमहत्वपूर्ण है, उतना ही भारत और विश्व की राजनीति के लिए भी महत्व रखेगा।
~~~~~~~~~

ग्रीष्मकालीन भिंडी उत्पादन की उन्नत तकनीक

ग्रीष्मकालीन सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है। ग्रीष्मकाल में भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते है। मुख्य रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट खनिज लवणों के अतिरिक्त विटामिन 'ए', 'सी' थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। इस लेख में ग्रीष्मकालीन भिंडी की उत्पादन तकनीक की विवेचना की गयी हैः-

जलवायु एवं भूमि की तैयारीः- भिंडी के उत्पादन हेतु गर्म मौसम अनुकुल होता है। बीजों के अंकुरण हेतु 20 सेंटीग्रेड से कम का तापमान प्रतिकूल होता है। 42 सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर फूल का परागण नहीं होता है एवं फूल गिर जाते है।

सामान्यतः भिंडी की खेती सभी प्रकार की भूमियों पर की जा सकती है परन्तु हल्की दोमट मिट्टी जिसमें पर्याप्त मात्रा में जीवांश उपलब्ध हो एवं उचित जल निकास की सुविधा हो, भिंडी की खेती हेतु श्रेष्ठ होती हैं। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भूरभूरा कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उन्नत किस्में- अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति, पूसा-ए-4, वर्षा उपहार,

बीज एवं बीजोपचारः- ग्रीष्मकालीन फसल हेतु 18-20 कि.ग्रा. बीज एक हेक्टर बुवाई के लिए पर्याप्त होता है जबकि वर्षाकालीन फसल में अधिक बढ़वार की कारण 12-15 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर उपयोग करना चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी के बीजों को बुवाई के पूर्व 12-24 घंटे तक पानी में डुबाकर रखने से अच्छा अंकुरण होता है। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम थायरम या कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीजदर से उपचारित करना चाहिए। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है।

बुवाईः- ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में की जाती है। फिर भी अगेती फसल हेतु छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 15 जनवरी के बाद भी बुवाई की जा सकती हे। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे की मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है।

पोषण प्रबंधनः- भिंडी की बुवाई के दो सप्ताह पूर्व 250-300 क्विंटल सड़ा हुआ गोबर खाद मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। प्रमुख तत्वों में नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश क्रमशः 60 कि.ग्रा., 30 कि.ग्रा. एवं 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

जलप्रबंधनः- यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो बुवाई के पूर्व एक सिंचाई करनी चाहिए। गर्मी के मौसम में प्रत्येक पांच से सात दिन के अंतराल पर सिंचाई आवश्यक होती है। बरसात में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा अतिवृष्टि के समय उचित जलनिकास प्रबंध करना चाहिए।

निदाई-गुड़ाईः- नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक नींदानाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। बासालिन को 1.2 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व को प्रति हेक्टर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

फल की तोड़ाई एवं उपजः- किस्म की गुणता के अनुसार 45-60 दिनों में फलों की तुड़ाई प्रारंभ की जाती है एवं 4 से 5 दिनों के अंतराल पर नियमित तुड़ाई की जानी चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी फसल में उत्पादन 60-70 क्विंटल प्रति हेक्टर तक होता है।

पौध संरक्षणः- भिंडी के प्रमुख रोग पीत शिरा मौजक एवं चूर्णिल आसिता एवं नुकसानदायक कीट प्ररोह एवं फल छेदक तथा जैसिड है।

पीत शिरा रोगः- यह भिंडी की फसल में नुकसान पहुचाने वाला प्रमुख रोग है। इस रोग के प्रकोप से सर्वप्रथम पत्तियों की शिराएं पीली पड़ने लगती है। तत्पश्चात पूरी पत्तियाँ एवं फल भी पीले रंग के हो जाते है पौधे की बढ़वार रुक जाती है। वर्षा ऋतु में इस रोग का संक्रमण अधिक होता है।

सर्वप्रथम इस रोग के लक्षण वाले पौधे दिखाई देते ही उन्हें उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। यह विषाणु जनित रोग सफेद मक्खी कीट द्वारा स्वस्थ पौधों में फैलाया जाता है। अतः रोग संवाहक कीट के नियंत्रण हेतु आक्सी मिथाइल डेमेटान 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने से रोग का प्रसारण कम होता है। पीतशिरा रोग प्रतिरोधी किस्मों जैसे अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति इत्यादि का चुनाव करना चाहिए। फसल के चारों ओर 2-3 कतार मक्का बोने से भी रोग का फैलाव नियंत्रित किया जा सकता है।

चूर्णिल आसिताः- इस रोग में भिंडी की पुरानी निचली पत्तियों पर सफेद चूर्ण युक्त हल्के पीले धब्बे पड़ने लगते है। ये सफेद चूर्ण वाले धब्बे काफी तेजी से फैलते है। इस रोग का नियंत्रण न करने पर पैदावार 30 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इस रोग के नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 या 3 बार 12-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

प्ररोह एवं फल छेदकः- इस कीट का प्रकोप वर्षा ऋतु में अधिक होता है। प्रारंभिक अवस्था में इल्ली कोमल तने में छेद करती है जिससे तना सूख जाता है। फूलों पर इसके आक्रमण से फल लगने के पूर्व फूल गिर जाते है। फल लगने पर इल्ली छेदकर उनको खाती है जिससे फल मुड़ जाते हैं एवं खाने योग्य नहीं रहते है।

जैसिडः- ये सुक्ष्म आकार के कीट पत्तियों, कोमल तने एवं फल से रस चूसकर नुकसान पहुंचाते है।

फल छेदक के द्वारा आक्रमण किये गये फलों एवं तने को काटकर नष्ट कर देना चाहिए। क्विनॉलफास 25 ई.सी. 1.5 मिली लीटर या इंडोसल्फान 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी की दर से कीट प्रकोप की मात्रा के अनुसार 2-3 बार छिड़काव करने से जैसिड एवं फल प्ररोह छेदक कीटों का प्रभावी नियंत्रण होता है। फल बनने के उपरांत कीट प्रकोप होने पर 'फेनवेलरेट' 0.5 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर उपर्युक्त बनाये कीटनाशक के साथ अदल-बदल कर प्रयोग करें।

कैसे करें संरक्षित खेती

संरक्षित खेती का मुख्य उद्देश्य सब्जी फसलों को मुख्य जैविक या अजैविक कारकों से बचाकर उगाना होता है। इसमें फसल को किसी एक कारक या कई कारकों से बचाकर उगाया जा सकता है।

संरक्षित सब्जी उत्पादन के लिए सब्जी उत्पादकों को संरक्षित खेती व विभिन्न संरक्षित संरचनाओं की पूर्ण जानकारी होना बहुत आवश्यक है। उसके बाद ही उत्पादक तय कर सकता है कि वह किस प्रकार की संरक्षित तकनीक अपनाकर बेमौसमी सबजियों का उत्पादन करे। कौन कौन सी संरक्षित प्रौद्योगिकीयॉ हैं जिनमे वह सबजियों को वर्ष भर उगा सकता है। संरक्षित संरचनाओं को बनाने के बाद में रख रखाव में क्या व्यय होगा तथा उच्च गुणवत्ता वाली सबजियों को वह किस बाजार में बेचकर अधिक लाभ कमा सकता है। इन सभी विषयों की जानकारी आवश्यक है।

मुख्यतः सब्जी उत्पादन हेतू उचित व उपयुक्त संरक्षित प्रौद्योगिकी की आवश्यकता उस क्षेत्र की जलवायु पर निर्भर करती है। लेकिन इसके अलावा किसान की आर्थिक दशा, टिकाऊ व उच्च बाजारकी उपलब्धता व बिजली की उपलब्धता आदि कारक भी इसको निर्धारित करते है। सब्जीयों के बेमौसमी उत्पादन हेतू मुख्यत : वातावरण अनुकूलित ग्रीनहाउस, प्राकृतिक वायु संचारित ग्रीनहाउस, कम लागत वाले पॉलीहाउस, वाक-इन-टनल, कीट अवरोधी नेटहाउस तथा लो प्लास्टिक टनल आदि संरचनाओं का उपयोग किया जाता है।

बेमौसमी सब्जियों की संरक्षित खेती के लिए सबजियों की पौध प्लग ट्रे पद्धती से ग्रीनहाउस मे तैयार की जाती है। तथा उसके बाद पौधो को उपयुक्त संरक्षित संरचना में रोपाई करते है।

वाक-इन- टनल तकनीक

वाक-इन- टनल एक प्रकार की अस्थाई संरक्षित संरचना है जो आधा इंच मोटाई के जंग रोधी पाईपों को अर्धगोलाकार आकार मे मोडकर तथा इन्हे सरियों के टुकडो के सहारे खेत में खडा करके उसके ऊपर पारदर्शी प्लास्टिक की चादर से ढककर बनाया जाता है। इसके मध्य में ऊंचाई लगभग 6 से 6.5 फुट तथा जमीन पर एक सिरे से दूसरे सिरे तक चौडाई 4 मीटर तक होती है।

इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं को सर्दी के मौसम में बेमोसमी सब्जी जैसे लोकी, खरबूजा, तरबूज, खीरा, चप्पनकद्दू , तथा अन्य कद्दू वर्गीय सब्जीयां उगाने के लिए किया जाता है। इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं में दिन के समय जब सूर्य की रोशनी प्लास्टिक पर मडती है तो टनल के अन्दर का तापमान काफी (लगभग 10 से 12 डि.ग्री से.) बढ जाता है । जिससे कद्दू वर्गीय सब्जीयों को कम तापमान के दिनो में भी बढवार करने में सफलता मिल जाती है।

वाक-इन- टनल की लम्बाई आवश्यकता अनुसार बढाई जा सकती है। लेकिन सामान्यत- इनकी लम्बाई 25 से 30 मीटर होती है। इसके तीन प्रमुख कारण हैं- प्लास्टिक की चादर की उपलब्ध माप, टनल में हवा का आदान प्रदान, तथा इस लम्बाई के टनल में मधुमक्खीयों को भी परागण कार्य करने में कोई असुविधा नही होती। इन संरचनाओं को बनाने में लागत भी बहुत कम ही आती है। तथा अस्थाई होने के कारण इनकी देखभाल भी सरलता पूर्वक की जा सकती है।

इन संरचनाओं का उपयोग केवल सर्दी के मौसम (दिसम्बर जनवरी व फरवरी माह) में ही फसल उत्पादन के लिए किया जा सकता है। क्योकि सर्दी के बाद इसके अंदर का तापमान बहुत अधिक बढ जाता है तथा हवा का अधिक आदान प्रदान न होने के कारण तब इनमे फसल उगाना संभव नही होता है। यही नही इनका उपयोग पहाडी क्षेत्रों मे और भी लम्बे समय तक सब्जी उत्पादन के लिए किया जाता है। इसी प्रकार इन संरचनाओं को ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों मे भी सब्जी उत्पादन के लिए उपयोग मे लाना सम्भव है।

छतरपुर के गांधी आश्रम में जैविक खेती का अद्भुत प्रयोग

यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले हैं - संजय और दमयंती। जिस बुंदेलखंड में पिछले पांच सालों में भयंकर सूखे से किसानों की कमर टूट गई है, उसी धरती पर एक जगह ऐसी भी है, जहां खुशियों की खेती लहलहा रही है। विदर्भ के बाद मध्यप्रदेश में किसानों की बढ़ती आत्महत्याओं के बीच खेती का यह प्रयोग एक मिसाल पेश करता है। यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले है संजय और दमयंती और जगह है छतरपुर।

टिकाऊ खेती की बात से पहले आपको थोड़ा सा इतिहास जानना जरूरी होगा। गांधी आश्रम छतरपुर ऐतिहासिक महत्व की जगह है। अंग्रेजी शासन काल के बाद दीवान साहब के बंगले से यह जगह गांधी विचारों को आगे ले जाने का एक केन्द्र बनी। तत्कालीन दीवान ने विनोबा के भूदान आंदोलन से प्रेरित होकर इस बंगले और बंगले से लगी जमीन को गांधी विचारों के लिए समर्पित कर दिया। उसके बाद इसे गांधी आश्रम के नाम से विकसित किया गया। सांस्कृतिक-साहित्यिक-सामाजिक गतिविधियों को यहां से संचालित किया जाता रहा। सत्तर के दशक में जब चंबल में डाकुओं का आतंक अपने चरम पर पहुंचकर आत्मसमर्पण की ओर बढ़ा तब इस प्रक्रिया की बुनियाद इसी आश्रम के पुस्तकालय से पड़ी। जयप्रकाश नारायण के साथ यहां डाकुओं की बातचीत हुई और इसके बाद डाकुओं ने आत्मसमर्पण भी किए। गांधी का ग्रामस्वराज, बुनियादी तालीम और टिकाऊ विकास की अवधारणाओं की झलक इस छोटे से आश्रम में दिखाई देती है। बीच में एक लंबा दौर ऐसा भी आया जब यह आश्रम भूमाफियों और सामाजिक गतिविधियों के केन्द्र में तब्दील हो गया।

2006 में गांधी विचारों से जुड़े संजय और दमयंती जब इस जगह आए तो उन्होंने ठान लिया कि यहां की तस्वीर को बदलने के लिए वह कठिन परिश्रम करेंगे। खेती-किसानी और प्रकृत्ति प्रेमी भाई ने इस आश्रम से लगे लगभग चालीस

एकड़ खेत में जैविक खेती के प्रयोग को शुरू करने की योजना बनाई। एक ओर जहां नकद फसलों ने फसलों की विविधता को खत्म कर दिया है वहीं इस आश्रम में उन्होंने अलग-अलग फसलों को अपनाया। इस छोटी सी जमीन पर गेहूं, चना, सरसों, अरहर, ज्वार, मक्का, जौं सहित ऐसी फसलें लीं जो सीधे-सीधे किसान अपने खाने के लिए भी उपयोग करते हैं। दरअसल खेती का परंपरागत तरीका था भी यहीं कि किसान ज्यादातर खाद्यान्न और मसाले अपने खेतों में पैदा किया करते थे और उन्हें हर चीज के लिए बाजार की ओर मुंह नहीं देखना पड़ता था, अब किसान गेहूं-सोयाबीन पैदा तो खूब कर रहे हैं, लेकिन दाल-मसालों के लिए वह बाजार पर निर्भर है। खेती की इस विविधता से आश्रम की व्यवस्थाएं भी स्वतः संचालित होती है। यहां तक की सब्जी और फलों का उत्पादन भी आश्रम से ही हो जाता है। इस खेती की सबसे बड़ी बात यह है कि पिछले चार सालों से यहां रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया। वर्मी कम्पोस्ट और गोमूत्र के जरिए यहां की फसलों को जान मिलती है। 40 एकड़ के इस क्षेत्र को आश्रम के केवल सात कार्यकर्ता अंजाम देते हैं। संजय भाई बताते हैं कि आज के इस दौर में जैविक खेती करना थोड़ा कठिन जरूर लग सकता है पर यह असंभव कतई नहीं है। हम अपने खेतों में उतना ही समय खर्च करते हैं जितना दूसरे किसान। पर यहां आपको यह समझना होगा कि जमीन क्या चाहती है। किस तरह की जमीन पर किस तरह के फसल ठीक रहेगी यह समझना होगा।इस आश्रम की एक खास बात यह है कि आप यहां पूरी तरह जैविक भोजन का आनंद ले सकते हैं। यहां तक की दाल-मसाले और तेल भी खुद की उगाई गई तिल का। इस आश्रम में चल रही खेती के प्रयोग को समझने फ्रांस के निकोलस आए हैं। निकोलस कहते हैं कि 'वह भारत में जैविक खेती के अलग-अलग प्रयोगों को उन्होंने देखा, लेकिन यह प्रयोग सबसे अद्भुत है। इसलिए भी क्योंकि यह गांधी के विचारों से जुड़ा हुआ है। गांधी ग्राम स्वराज की बात करते थे और गांव की अर्थव्वयवस्था के एक मॉडल की बात करते थे जहां कि ग्रामवासी आपसी व्यवहार में अपने साझा जीवन को अंजाम देते थे। यह प्रयोग अपने आप में दिलचस्प है।' यही कारण है कि वह न केवल इस खेती पर अध्ययन कर रहे हैं बल्कि इस प्रयोग के साथ इतना रम गए हैं कि वह खुद खेतों में पसीना बहाते हैं। बिहार के सामाजिक कार्यकर्ता भावेश भी इस प्रयोग के साथ जुड़कर काम कर रहे हैं। वह कहते हैं कि कम लागत की इस खेती को जीवन के साथ जोड़कर भी देखा जाना जरूरी है।

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए एटीएफ 5 फीसदी महंगा, घरेलू दरों में स्थिरता

वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के चलते लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन (एटीएफ) के दाम शुक्रवार को पांच प्रतिशत बढ़ा दिए गए। यह लगातार दूसरा महीना है जब वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के कारण एटीएफ महंगा हुआ है, जिसका बोझ तेल कंपनियां सुनियोजित तरीके से ग्राहकों पर डाल रही हैं। हालांकि, घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे उन्हें फिलहाल राहत मिली है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय विमान ईंधन की कीमत 76.55 डॉलर प्रति किलोलीटर (5.33 प्रतिशत) बढ़कर 1,511.86 डॉलर प्रति किलोलीटर हो गई है। यह वृद्धि 1 अप्रैल को हुई दरों में भारी बढ़ोतरी के बाद आई है, जब एटीएफ की कीमतों में लगभग 25 फीसदी का उछाल देखा गया था। विमान ईंधन की कीमतें दो दशक से अधिक समय से विनियमित हैं और तब से ये अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क कीमतों के अनुरूप तय की जाती हैं। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तीव्र उछाल को देखते हुए, सरकार और सरकारी तेल कंपनियों ने कीमतों में वृद्धि को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्णय लिया है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, विदेशी विमानन कंपनियों को अब बाजार दरों पर ईंधन मिलेगा, जबकि घरेलू विमानन कंपनियों के लिए कीमतों को फिलहाल नियंत्रित रखा गया है ताकि घरेलू बाजार पर तत्काल प्रभाव न पड़े।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से 60 हजार करोड़ निकाले

2026 के शुरुआती चार महीनों में कुल निकासी 1.92 लाख करोड़ रुपए हुई

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी अप्रैल में भी जारी रही, जिसमें 60,847 करोड़ रुपये (लगभग 6.5 अरब डॉलर) बाहर निकाले गए। भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों में जोखिम लेने की क्षमता कम हुई है, जिसके परिणामस्वरूप यह भारी बिकवाली देखी जा रही है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, इस ताजा निकासी से 2026 के पहले चार महीनों में एफपीआई की कुल निकासी 1.92 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। यह राशि समूचे 2025 में दर्ज 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी अधिक है, जो एक चिंताजनक प्रवृत्ति दर्शाती है। वर्ष 2026 में फरवरी को छोड़कर सभी महीनों में एफपीआई शुद्ध विक्रेता रहे, जिसमें मार्च में रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह निरंतर बिकवाली वैश्विक आर्थिक दबावों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों का सीधा परिणाम है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि अप्रैल की शुरुआत में पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे वैश्विक महंगाई की चिंताएं फिर बढ़ गईं। इससे ब्याज दरों में जल्द कटौती की उम्मीदें कम हुईं और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल ऊंचे बने रहे, जिसका असर भारत सहित उभरते बाजारों पर पड़ा। एंजेल वन के विश्लेषक ने इसे अमेरिका-ईरान तनाव के कारण जोखिम से बचने की सामान्य प्रतिक्रिया करार दिया। कच्चे तेल में वृद्धि, रुपये की कमजोरी और महंगाई की चिंताओं ने निवेशकों का भरोसा डिगाया है।

स्मॉल और मिडकैप का जलवा 12 साल की सबसे बड़ी मासिक बढ़त

- कमाई की उम्मीदें और खुदरा निवेशकों की दिलचस्पी बनी वजह

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में स्मॉलकैप और मिडकैप इंडेक्स ने अप्रैल 2026 में 12 साल की सबसे बड़ी मासिक बढ़त दर्ज कर निवेशकों को चौंका दिया है। बुधवार तक, बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 20.1 प्रतिशत और मिडकैप इंडेक्स 14.8 प्रतिशत चढ़ा, जबकि बेंचमार्क सेंसेक्स में 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह उत्साहजनक प्रदर्शन स्थिर कमाई की उम्मीदों और खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी से प्रेरित है, लेकिन बाजार विशेषज्ञ आने वाले समय में अस्थिरता और सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, इससे पहले मई 2014 में ही स्मॉलकैप इंडेक्स ने 20.4 प्रतिशत और मिडकैप इंडेक्स ने 15.6 प्रतिशत की उछाल दर्ज की थी। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के अनुसार, इस हालिया तेजी के पीछे मार्च 2026 तिमाही की स्थिर कमाई की उम्मीदें और प्राथमिक बाजारों में सीमित अवसरों के कारण खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी प्रमुख है। 2025 स्मॉल-मिडकैप के लिए निराशाजनक रहने से इनके मूल्यांकन आकर्षक हो गए थे। अप्रैल में, बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स के कुल 1,262 शेयरों में से आधे से अधिक (734) ने 20 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया। इनमें 84 शेयर लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़े और 474 शेयरों ने 25 से 50 प्रतिशत के बीच बढ़त दर्ज की। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले महीनों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा, जिससे ये दोनों सेगमेंट भी अस्थिर रह सकते हैं। ऐसे में शेयरों का सही चुनाव ही सबसे महत्वपूर्ण होगा। अल्पकालिक नजरिए से, विश्लेषक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और होर्मुज स्ट्रेट

के बंद रहने की स्थिति में पूरे बाजार में कमजोरी की आशंका जता रहे हैं। तकनीकी रूप से, निफ्टी के लिए 23,800 का स्तर महत्वपूर्ण समर्थन है। यदि यह टूटता है, तो बाजार 23,600-23,400 तक तेजी से गिर सकता है।

महंगी रसोई गैस ने तोड़ी गरीबों की कमर,छोटू सिलेंडर सबसे महंगा

नई दिल्ली।

ईएमएस,देश में रसोई गैस की कीमतों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां एक ओर आम आदमी महंगाई से जूझ रहा है। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों की नीतियां गरीबों के लिए मुश्किलें खड़ी करती हुई दिख रही हैं। 5 किलो के छोटू सिलेंडर की कीमत अचानक 549 रुपये से बढ़ाकर 810 रुपये कर दी गई है। जो करीब 162 रुपये प्रति किलो हो गई है।19 किलो का कामर्शियल सिलेंडर (लगभग 160 रुपये प्रति किलो) से भी ज्यादा दाम में छोटू सिलेंडर की गैस बिकेगी? सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि छोटू सिलेंडर का उपयोग मुख्य रूप से गरीब और निम्न आय वर्ग के लोग करते हैं। वहीं, 14.2 किलो के सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत 913 रुपये (करीब 65 रुपये प्रति किलो) है। 14.02 किलो के गैस सिलेंडर की सप्लाई पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लगातार घटाई जा रही है। कई इलाकों में लोगों को डेढ़ से दो महीने तक इंतजार करने को मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसे में गरीब परिवार एवं मध्यम वर्ग को मजबूरी में छोटा सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा कीमत गरीब और मध्यम वर्ग को चुकानी पड़ रही है। यह स्थिति साफ तौर पर संकेत देती है,कंपनियां सस्ती गैस की उपलब्धता कम करके महंगी गैस उपभोक्ताओं को बेचने की साजिश कर रही हैं। यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है। सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। सरकार और संबंधित कंपनियों को तुरंत हस्तक्षेप कर छोटू गैस की कीमत कम करनी चाहिए। मध्यम वर्ग और गरीबों को सस्ती और समय पर गैस उपलब्ध हो। रसोई गैस की यह महंगाई आम जनता स्वीकार कर पाएगी या नहीं कहना मुश्किल है।

ऊर्जा सुरक्षा पर कार्यबल का जोर पीएनजी विस्तार के लिए कई बड़े सुझाव

60 लाख नए कनेक्शन का लक्ष्य, नए भवनों में पीएनजी अनिवार्य

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गठित एक सरकारी कार्यबल ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) क्षेत्र में बड़े बदलाव और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के तेजी से विस्तार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कार्यबल ने जून 2026 तक 60 लाख नए पीएनजी कनेक्शन स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

साथ ही इसने सभी नए और निर्माणाधीन भवनों में पीएनजी को अनिवार्य करने, इस पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) को कम करने और जहां बुनियादी ढांचा मौजूद है, वहां वाणिज्यिक खाद्य प्रतिष्ठानों के लिए भी पीएनजी का उपयोग अनिवार्य करने की सिफारिश की है।

मौजूदा सड़क गलियारों के साथ भूमिगत सीजीडी पाइपलाइन क्रॉसिंग के लिए वन मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाने का भी सुझाव दिया गया है।

'पीएनजी एक्सेलरेशन फॉर क्लीन एनर्जी (पेस)' नामक इस कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में पीएनजी का विस्तार एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। पाइपलाइन का बुनियादी ढांचा तो मौजूद है, लेकिन अंतिम छोर तक तेजी से सुविधा पहुंचाना ही मुख्य चुनौती है। कार्यबल ने एलपीजी वितरकों को 'गैस ट्रांजिशन पार्टनर' के रूप में फिर से परिभाषित करने और उन्हें घरेलू पीएनजी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए प्रत्यक्ष विपणन एजेंसियों के रूप में शामिल करने का आह्वान किया है। इसके अतिरिक्त, पीएनजी आपूर्ति के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को तेजी से अपनाने की भी वकालत की गई है, जिससे ग्राहकों के लिए सुविधा और दक्षता बढ़ेगी।

हुंदै मोटर इंडिया की बिक्री अप्रैल में 17 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की अप्रैल में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 51,902 इकाई हो गई। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उसकी स्थापना के बाद से अप्रैल महीने में यह उसकी अब तक की सबसे अधिक घरेलू बिक्री है। अप्रैल 2026 में कंपनी का निर्यात 13,708 इकाई रहा।वाहन विनिर्माता कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा`` कि हमने नए वित्त वर्ष की शुरुआत मजबूती के साथ की है और पिछले महीनों की गति को अप्रैल 2026 में भी बनाए रखा है। कंपनी की कॉम्पैक्ट एसयूवी हुंदै वेन्यू ने अप्रैल 2026 में 12,420 इकाइयों की अब तक की सबसे अधिक मासिक घरेलू बिक्री दर्ज की।

ईपीएफओ खाताधारकों के लिए खुशखबरी न्यूनतम पेंशन होगी 7500 रुपए

ब्याज दर 8.25 फीसदी, ई-प्रापटी पोर्टल से पुराने खाते जोड़ना भी हुआ आसान

नई दिल्ली ।

देश के करोड़ों कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) खाताधारकों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। सरकार कई महत्वपूर्ण बदलावों पर काम कर रही है, जिनसे पेंशनधारकों और पीएफ सदस्यों को व्यापक राहत मिलने की उम्मीद है। इनमें न्यूनतम पेंशन में भारी बढ़ोतरी से लेकर पैसे निकालने की आसान सुविधा और त्वरित क्लेम सेटलमेंट तक शामिल है। सबसे अहम बदलाव न्यूनतम पेंशन को लेकर है। वर्तमान में 1,000 की न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपए प्रति माह करने का प्रस्ताव सरकार द्वारा गंभीरता से विचाराधीन है। यह कदम मजदूर संगठनों के दबाव और संसदीय समिति की सिफारिशों के बाद उठाया गया है, जिससे लाखों पेंशनभोगियों को सीधा लाभ मिलेगा। ईपीएफओ अपने सिस्टम को आधुनिक बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। भविष्य में पीएफ का पैसा निकालना उतना मुश्किल नहीं रहेगा, क्योंकि संगठन एटीएम के जरिए सीधे पैसा निकालने की सुविधा शुरू करने की तैयारी में है। इससे आपात स्थिति में सदस्यों को तत्काल नकदी मिल सकेगी। इसके अतिरिक्त, मौजूदा वित्त वर्ष के लिए ईपीएफओ ने 8.25 फीसदी ब्याज दर प्रस्तावित की है, जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया में भी बड़ा सुधार हुआ है; ऑटोमेशन की मदद से अधिकांश एडवांस क्लेम अब तीन दिन के भीतर निपटाए जा रहे हैं, जो ईपीएफओ की बढ़ती

दक्षता को दर्शाता है। पुराने और निष्क्रिय खातों को जोड़ने के लिए ई-प्रापटी नामक पोर्टल भी लॉन्च किया गया है, जो आधार आधारित एक्सेस के साथ यूएएन से जुड़े न होने वाले खातों को भी लिंक करने की सुविधा देता है।

अब 5 किलो वाला एफटीएल सिलेंडर भी 261 रुपए महंगा

नई दिल्ली ।

चुनावों के खत्म होते ही आम जनता पर महंगाई का एक और बोझ आ गिरा है। 1 मई, 2026 से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के साथ ही छोटे इस्तेमाल वाले 5 किलो फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर की कीमतों में भी भारी बढ़ोतरी की गई है, जिससे छोटे व्यापारियों और स्ट्रीट वेंडर्स की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 5 किलो वाले इस सिलेंडर की कीमत में 261 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। जो सिलेंडर पहले 549 में मिलता था, उसकी कीमत अब बढ़कर 810 हो गई है। यह वृद्धि उन छोटे कारोबारियों के लिए बड़ी चुनौती है जो ढाबों, रेहड़ी-पटरी और अस्थायी किचन में इस सिलेंडर का इस्तेमाल करते हैं। यह सिलेंडर विशेष रूप से कम बजट वाले और छोटे व्यवसाय चलाने वालों के लिए अहम है। कीमत बढ़ने से इन छोटे दुकानदारों का संचालन खर्च बढ़ेगा, जिसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि खाने-पीने की चीजें महंगी होने की आशंका है, जिससे आम आदमी का बजट और बिगड़ सकता है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब छोटे व्यापारी पहले से ही आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इस बढ़ोतरी से उनकी कमाई पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

एयर इंडिया 100 उड़ानें रद्द करेगी, एविएशन सेक्टर में हाहाकार

- घरेलू-अंतर्राष्ट्रीय दोनों रूट्स प्रभावित, एफआईए ने सरकार से मांगी मदद

नई दिल्ली ।

आसमान छूती कच्चे तेल और विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों ने भारतीय एविएशन सेक्टर को गंभीर संकट में धकेल दिया है। इस भारी लागत के दबाव में एयर इंडिया करीब 100 दैनिक उड़ानें रद्द करने की तैयारी में है। एयर इंडिया की यह कटौती जून महीने से लागू होगी और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय दोनों रूट्स पर असर डालेगी। खासकर यूरोप, नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर के रूट्स प्रभावित होंगे। यह फैसला एयर इंडिया द्वारा प्रतिदिन संचालित की जाने वाली लगभग 1,100 उड़ानों में से एक बड़ी कटौती है। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस के संगठन, फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए) ने सरकार से तत्काल राहत की मांग की है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में जेट फ्यूल की कीमत मार्च के मुकाबले दोगुनी हो गई है, और एयरलाइंस की कुल परिचालन लागत का लगभग 40 फीसदी एफटीएफ पर ही खर्च होता है, जिससे मामूली

बढ़ोतरी भी मुनाफे पर गहरा असर डालती है। एयर इंडिया पर इसका असर विशेष रूप से अधिक है क्योंकि इसकी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का हिस्सा बड़ा है। पाकिस्तान एयरस्पेस बंद होने के कारण यूरोप और नॉर्थ अमेरिका की उड़ानों को लंबा रास्ता लेना पड़ता है, जिससे ईंधन और क्रू लागत में और इजाफा हुआ है। पहले ही 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा झेल रही एयर इंडिया पर टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस का घाटा कम करने का दबाव है। इसी बीच, कंपनी के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने भी अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले इस्तीफा दे दिया है।

भारत में डिजिटल गेमिंग का नया युग पेड गेम्स पर प्रतिबंध, ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा

1 मई से लागू हुए नए नियम, उम्र सत्यापन, पैरेंटल कंट्रोल अनिवार्य; उल्लंघन पर भारी जुर्माना

नई दिल्ली ।

1 मई से भारत में डिजिटल गेमिंग के परिदृश्य में एक ऐतिहासिक बदलाव आया है। सरकार के नए प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग रूल्स, 2026 देश भर में प्रभावी हो गए हैं, जिनके तहत पैसे लगाकर खेले जाने वाले सभी ऑनलाइन गेम्स (पेड गेम्स) पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य गेमिंग उद्योग को व्यवस्थित करना और गेमर्स को साइबर धोखाधड़ी व लत से बचाना है। नए नियमों के तहत ऑनलाइन गेम्स को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बांटा गया है- ई-स्पोर्ट्स, जो कौशल-आधारित प्रतिस्पर्धी खेल होंगे; और ऑनलाइन मनी गेम्स। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अब पैसे लगाकर खेले जाने वाले सभी गेम्स (पेड गेम्स) पर देश भर में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। नियमों के उल्लंघन पर कड़े दंड का प्रावधान है। बार-बार नियमों को तोड़ने वाले प्लेटफॉर्म को 3 साल की जेल और 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। वहीं प्रतिबंधित पेड गेम्स का विज्ञापन करने पर 5 साल की कैद और 2 करोड़ रुपये के जुर्माने की सजा मिलेगी। इन नियमों में गेमर्स, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। अब गेमिंग प्लेटफॉर्म के लिए यूजर की उम्र का सत्यापन, बेहतर पैरेंटल कंट्रोल, गेमिंग की लत छुड़ाने के लिए टाइम लिमिट और मजबूत शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य होगी। यह केंद्रीय पहल देश भर में ऑनलाइन गेमिंग के लिए एक समान कानूनी ढांचा प्रदान करेगी, जिससे पहले मौजूद असमंजस समाप्त होगा और गेमर्स को वित्तीय नुकसान तथा मानसिक तनाव से बचाने में मदद मिलेगी। अब एक केंद्रीय प्राधिकरण पूरे देश के लिए गेम की कैटेगरी तय करेगा, जो गेमिंग इंडस्ट्री को नई दिशा देगा।

भारत ने बदली तेल खरीद रणनीति वेनेजुएला-ब्राजील से बढ़ी सप्लाई

होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान से ऐतिहासिक बदलाव, इराक से तेल खरीद शून्य

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक उथल-पुथल और होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान ने भारतीय रिफाइनरियों को अपनी कच्चे तेल खरीद रणनीति में ऐतिहासिक बदलाव करने पर मजबूर कर दिया है। अप्रैल में, भारत के शीर्ष पांच आपूर्तिकर्ताओं की सूची में वेनेजुएला और ब्राजील ने प्रमुखता से अपनी जगह बनाई है, जबकि पारंपरिक रूप से दूसरे सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता इराक से तेल खरीद वर्षों में पहली बार शून्य पर आ गई है।

यह बदलाव संघर्ष-पूर्व की स्थिति से उल्लेखनीय रूप से भिन्न है, जब रूस, इराक, सऊदी अरब, यूएई और अमेरिका भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता थे। समुद्री खुफिया फर्म केपलर के आंकड़ों के अनुसार, यह बदलाव तब आया है जब होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के कारण पश्चिम एशिया, खासकर इराक, कुवैत और कतर जैसे देशों से भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति शून्य हो गई है। होर्मुज स्ट्रेट एक रणनीतिक समुद्री मार्ग है जिसके माध्यम से वैश्विक कच्चे तेल का लगभग 20 प्रतिशत पारगमन होता है। इराक, जो संघर्ष से पहले भारत को प्रतिदिन 10 लाख बैरल कच्चा तेल आपूर्ति करता था, उसकी आपूर्ति पूरी तरह रुक गई है। केपलर के एक वरिष्ठ रिफाइनिंग विश्लेषक ने बताया कि सऊदी अरब और यूएई के विपरीत, इराक के पास एशियाई बाजारों तक पहुंचने के लिए कोई वैकल्पिक निर्यात ढांचा नहीं है। उन्होंने आगाह किया कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष अनसुलझा रहता है, तो क्षेत्र से इराकी तेल की आपूर्ति दबे स्तर पर बनी रहने की संभावना है। इस ऐतिहासिक बदलाव के बीच, भारतीय रिफाइनर वैश्विक बाजार में विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। अप्रैल में वेनेजुएला भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है, जिसने 2,98,000 बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल की आपूर्ति की, जो पहले शून्य थी। अमेरिकी नियंत्रण में काराकस तेल संपत्तियों के आने के बाद भारतीय रिफाइनरों ने वेनेजुएला का तेल फिर से खरीदना शुरू किया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस खरीद का बड़ा हिस्सा किया है, क्योंकि उसकी रिफाइनरी की जटिलता उसे वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल को संसाधित करने में सक्षम बनाती है। ब्राजील भी भारत के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनकर उभरा है।

जीएसटी संग्रह अप्रैल में 2.43 लाख करोड़ के पार

8.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज, आयात शुल्क में 25.8 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देश में मजबूत आर्थिक गतिविधियों का संकेत देते हुए, अप्रैल महीने में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 2.43 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह पिछले साल की तुलना में 8.7 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। यह ऐतिहासिक संग्रह इससे पहले अप्रैल में दर्ज किए गए 2.23 लाख करोड़ रुपये के सर्वाधिक आंकड़े को भी पीछे छोड़ गया है। घरेलू बिक्री और खरीद से प्राप्त सकल राजस्व में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 1.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। वहीं आयात से जीएसटी संग्रह में 25.8 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई, जो 57,580 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

रिफंड जारी करने के बाद भी शुद्ध जीएसटी संग्रह 7.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत गतिशीलता और उपभोक्ता मांग में सुधार को दर्शाता है।

लक्ष्य सेन ने मैच प्वाइंट बचाया, भारत को चीनी ताइपे पर दिलाई बढ़त

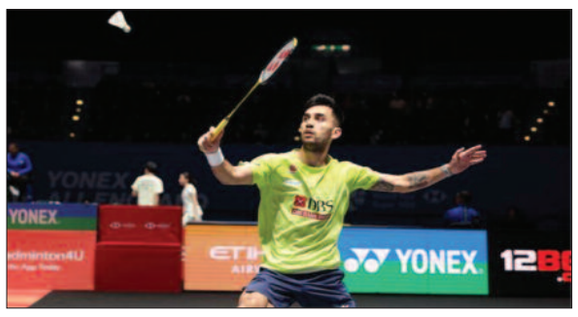

होर्सेंस (डेनमार्क)(एजेंसी)। स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने दो मैच प्वाइंट बचाते हुए विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को हराकर भारत को शुक्रवार को यहां थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य इस मैच में अधिकतर समय पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने गजब का जुझारूपन दिखाया तथा एक घंटे और 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले से पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच आपस में रिकॉर्ड 4-4 से बराबरी पर था। इस मुकाबले में लंबी रैलियों, सटीक स्ट्रोकप्ले और उतार-चढ़ाव से भरपूर रोमांचक द्वंद्व देखने को मिला। चोउ ने पहला गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद जीता, लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने दबाव में शानदार वापसी की।

भारतीय खिलाड़ी ने 13-17 से पीछे रहने के बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर बराबर कर लिया। चोउ को दो मैच प्वाइंट मिले, लेकिन लक्ष्य ने अपना संयम बनाए रखा और दोनों को बचाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में 36 वर्षीय चोउ शारीरिक रूप से कमजोर पड़ते नजर आए और लक्ष्य ने इंटरवल तक 11-7 की बढ़त के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद भी उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और मैच जीतने में सफल रहे। भारत अपनी बढ़त को और मजबूत करने की कोशिश करेगा जब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी का सामना चियू सियांग चिएह और वांग ची-लिन से होगा। अन्य मैचों में आयुष शेट्टी का मुकाबला लिन चुन-यी से होगा। हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी का सामना लियू कुआंग हेंग और यांग पो-ह्सुआन से जबकि किदाम्बी श्रीकांत का सामना ची यू जेन से होगा।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और मुम्बई में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दोनो ही टीमों को पता है कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उन्हें ये मैच जीतना जरुरी है। ये दोनो ही पांच-पांच बार की खिताब विजेता रही हैं पर इस बार दोनो को ही बेहद खराब हालातों का सामना करना पड़ा है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके इस बार बल्लेबाजी ओर गेंदाबाजी दोनो में ही लय में नहीं है जो उसकी हार का कारण रहा है। वहीं मुम्बई इंडियंस की कहानी भी ऐसी ही है वह अपने स्टार खिलाड़ियों की विफलत से जूझ रही है। मुम्बई के पास सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी हैं पर दोनो ही इस सत्र में विफल रहे हैं।

उसका मध्य क्रम कमजोर है। उसके गेंदबाज भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पा रहे। सीएसके को उम्मीद है कि घरेलू मैदान पर उससे स्पिनर सफल रहेंगे। दूसरी ओर मुम्बई इनके खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करना चाहेगी।

दोनों की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए कोई भी टीम इस बार पसंदीदा नजर नहीं आती है। यह मुकाबले में हारने वाली टीम का प्लेऑफ का सफर समाप्त हो जाएगा। इसलिए दोनो ही ये मैच जीतने उमरेंगी। सीएसके अंक तालिका में छठे स्थान पर है। उसे आठ मैचों में केवल तीन जीत मिली है। उसकी ओर से अब तक केवल संजू सैमसन ही रन बना पाये हैं। वहीं गेंदबाजी में अंशुल कम्बोज ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

दूसरी ओर मुम्बई के भी हाल खरा हैं और वह अंक तालिका में नौवें नंबर पर है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे क्योंकि एक हार से वह प्लेऑफ से बाहर होगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 40 मुकाबले हुए हैं जिसमें मुम्बई ने 21 जबकि सीएसके ने 19 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कम्बोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील होसिन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद.

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिन्ज (विकेटकीपर), डेनिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्वनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष्ण भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहेंगी चानू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। कंधे की चोट के चलते उन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। चानू का मुख्य लक्ष्य इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करना है, जिसके लिए वह कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहतीं। उनका यह रणनीतिक निर्णय सुनिश्चित करेगा कि वह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से फिट और तैयार रहें।भारोत्तोलन एक ऐसा खेल है जिसमें शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, और चानू जैसी शीर्ष स्तर की एथलीट के लिए चोट से बचाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली मीराबाई का मानना है कि उनकी शारीरिक स्थिति सर्वोच्च प्राथमिकता है। एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहकर, उन्हें अपनी चोट से पूरी तरह उबरने और आगामी मेगा-इवेंट्स के लिए अपनी शक्ति और तकनीक को निखारने का पर्याप्त समय मिलेगा। यह कदम उनके दीर्घकालिक करियर के लिए भी बुद्धिमानी भरा है, ताकि वह भविष्य में भी भारत के लिए पदक जीतती रहें। मीराबाई चानू का अगला महत्वपूर्ण पड़ाव 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल होंगे। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है।

आईपीएल में इस बार डिकॉक सहित पांच बल्लेबाजों के शतक के बाद भी हारी टीम

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को ये सत्र कई मायनों में पिछले सत्रों से अलग नजर आ रह है। इस बार किसी बल्लेबाज का शतक भी जीत की गारंटी नहीं माना जा रहा है क्योंकि पांच बार ऐसा हो गया है जब बल्लेबाज के शतक लगाने के बाद भी उसकी टीम हारी है। इस सत्र में अब तक 41 मैचों में 9 शतक लगे हैं। इसमें हैरान करने वाली बात ये रही है 5 बार ऐसा हुआ जब बल्लेबाज ने शतक लगाया पर टीम को हार का सामना करना पड़ा। मुंबई इंडियंस के दो सलामी बल्लेबाजों, क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन, ने पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाए पर दोनो बार ही टीम को हार मिली। दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 152 रन

बनाए पर इसके बाद भी पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम को हार मिली। गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ एक शानदार शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। ,वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया पर इसके बाद भी टीम हार गयी।

दूसरी ओर चार बल्लेबाजों के शतकों से उनकी टीम को जीत मिली है। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने इस सीजन में दो शतक दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगाये और दोनों ही अवसरों पर सीएसके जीती है। मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस प्रकार कुल 9 शतकों में से केवल 4 शतक ही टीम को जीत दिला पाये। इससे साफ है कि आईपीएल में केवल एक बल्लेबाज का शतक ही जीत के लिए पर्याप्त नहीं है। जीत के लिए सभी को बेहतर प्रदर्शन करने की जरुरत है। जीत के लिए पूरी टीम को एक ईकाई की तरह खेलते हुए हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

बीसीसीआई ने आईपीएल प्लेयर इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के लिए वैभव सहित 25 खिलाड़ियों का नामांकन किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के नामांकन की सूची जारी की है। बोर्ड ने सभी 10 टीमों में से ऐसे 25 खिलाड़ियों का चयन किया है, जो इस अवॉर्ड के दावेदार हैं। इसके लिए वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, समीर रिजवी, मुकुल चौधरी और प्रियांश आर्या से लेकर सलिल अरोड़ा जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। ये अवॉर्ड उस खिलाड़ी को मिलेगा जिसने सत्र में सबसे अधिक बेहतर प्रदर्शन किया हो। इसके साथ ही उसमें भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने की संभावना हो। ये अवॉर्ड केवल अनकैप्ड खिलाड़ी को ही दिया जाएगा। वहीं उस खिलाड़ी का जन्म भी एक अप्रैल 2000 के बाद हुआ होना चाहिये। पहले किसी सत्र में इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड नहीं जीता हो। इसमें पब्लिक वोट के अलावा टीवी कमेंटेटर्स की पसंद भी चयन के लिए पूछी जाती है।

शुभमन ने दिया विराट के आक्रामक जश्न का जवाब

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली जब मैदान पर उतरते हैं और अपने जोश और जुनून के साथ ही विरोधी टीम पर दबाव बनाने का कोई अवसर नहीं छोड़ते। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में भी विराट ने ऐसा ही किया। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल का कैच लेने के बाद कोहली ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। शुभमन भी कहां पीछे रहने वाले थे। मैच जीतने के बाद उन्होंने भी इसका करारा जवाब दिया। जब विराट ने कैच पकड़ा तो उस समय शुभमन 18 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाकर खेल रहे थे। उनकी इस पारी से गुजरात की टीम जीत के लिए मिले लक्ष्य को हसिल करने में सफल रही। इसी कारण उसने आरसीबी को मैच में 4 विकेट से हरा दिया। मैच में आरसीबी के खिलाफ जीत के बाद शुभमन ने एक ऐसी पोस्ट साझा की जो देखते ही देखते वायरल हो गई। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में शुभमन ने मैच की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें से एक में कोहली भी नजर आ रहे थे। इसमें जो शब्द प्ले बोल्ड है वो विराट के जश्न का जवाब माने गए, क्योंकि प्ले बोल्ड आरसीबी का ही नारा है और गिल ने इसे इस्तेमाल कर अपने जवाब को और तीखा बना दिया।

व्यक्तिगत उपलब्धियों की बजाय टीम के लक्ष्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित करता हूं: भुवनेश्वर

अहमदाबाद(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि वह अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां उनके लिए टीम की सफलता व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण है। यह 36 वर्षीय तेज गेंदबाज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज है और इस कारण उनके पास पर्पल कैप है। उन्होंने आरसीबी की तरफ से गुजरात टाइटंस के खिलाफ 28 रन देकर तीन विकेट लिए। उनकी टीम को हालांकि इस मैच में हार का सामना करना पड़ा।

भुवनेश्वर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पर्पल कैप मिलना अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उस दौर से आगे निकल चुका हूं जहां मैं व्यक्तिगत रूप से कुछ हासिल करना चाहता था। निश्चित रूप से मैं कुछ हासिल करना चाहता हूं। लेकिन अब यह टीम से जुड़ा हुआ है। अब मैं युवा नहीं हूं। जब आप युवा होते हैं तो पुरस्कार जीतना चाहते हैं और यह अच्छा प्रदर्शन करने पर ही आपको मिलते हैं।'

भुवनेश्वर ने कहा, 'लेकिन जब आप टीम के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करते हैं और तब आपको कोई व्यक्तिगत पुरस्कार या इनाम मिलता है, तो अच्छा लगता है। लेकिन सच कहूं तो मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं। टीम प्रबंधन ने मेरा हौसला बढ़ाया है।'

RCB की टीम का लक्ष्य का पीछा करने में अच्छा रिकॉर्ड रहा है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसे पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी और उसकी टीम 155 रन पर आउट हो गई। भुवनेश्वर ने स्वीकार किया कि इस सत्र में सभी मैदानों पर लक्ष्य का पीछा करना आसान रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर आप इस बार IPL को देखें तो किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो गया है। हमने टॉस नहीं जीता। हमें पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया था। हमने गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की। अब नतीजा यह है कि हम हार गए।'

भुवनेश्वर ने आगे कहा, 'हम रन बचाकर मैच नहीं जीत सकते थे। हम विकेट लेकर जीत सकते थे और जिन गेंदबाजों ने गेंदबाजी की वे विकेट लेने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे। आप हर मैच में हर विभाग में परफेक्ट नहीं हो सकते। हमने पूरे टूर्नामेंट में अब तक अच्छी बल्लेबाजी की थी।'

गुजरात टाइटंस की तरफ से वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने 29 रन देकर दो विकेट लेने के अलावा तीन कैच भी लिए। उन्होंने 12 रन भी बनाए और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा, 'जब हम नीलामी में जेसन को अपनी टीम में शामिल करने की कोशिश कर रहे थे तो हमारा मकसद यही था कि वह बल्ले और गेंद दोनों की भूमिका निभा सके। उन्होंने पिछले कुछ समय में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है।'

आरसीबी पर जीत से गुजरात को दो अंकों का लाभ, तालिका में पांचवें स्थान पर बरकरार

मुम्बई। गुजरात टाइटंस टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले के बाद अंक तालिका में कोई बदलाव नहीं आया है और सभी टीमें अपने ही स्थानों पर हैं। केवल गुजरात को 2 अंक का लाभ हुआ है। वहीं आरसीबी के हाथ से हार के कारण अंक तालिका में नंबर एक स्थान पर पहुंचने का अवसर निकल गया। इस मैच के परिणाम के बाद भी अंकतालिका में सभी टीमें अपनी-अपनी जगह पर बनी हुई हैं। अभी अंक तालिका में पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ ही शीर्ष पर है। पंजाब ने 8 मैचों में 6 जीत और 1 मैच बारिश के कारण बाधित होने के कारण नहीं हो पाने के बाद भी 13 अंक लेकर नंबर एक पर ही है। वहीं आरसीबी 9 मैचों में 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंकों पर दूसरे स्थान पर है। वहीं तीसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद है, जिसके 9 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हैं। वहीं, चौथे पायदान पर राजस्थान रॉयल्स है, जिसने 9 में से 6 मुकाबले जीतकर 12 अंक हासिल किए हैं। पर उनका 0.617 का नेट रन रेट अन्य टीम से कम है। वहीं गुजरात टाइटन्स ने बेंगलुरु के खिलाफ अपनी जीत के साथ 9 मैचों में 5 जीत और 4 हार के साथ 10 अंक हासिल कर लिए हैं और वह शीर्ष 5 में अपनी जगह बनाए रखने वाली पांचवीं टीम बन गई है। इस जीत से उसका रन रेट भी बेहतर हुआ है। छठे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स है, उसने 8 मैचों में 3 जीत और 5 हार के साथ 6 अंक हासिल कर पाई है।

कमेंट्री बॉक्स में महिला कमेंटेटर को चूमने के कारण विवादों में आये रमीज राजा

लाहौर। पाकिस्तान में जारी सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में कमेंट्री कर रहे पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर रमीज राजा विवादों में आ गये हैं। रमीज लीग में कमेंट्री के लिए आई ऑस्ट्रेलिया की पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्टालेकर को गले लगाते और किस करते हुए दिखे। उनका एक वीडियो भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस घटना के बाद से ही क्रिकेट प्रशंसकों ने रमीज पर हमला बोला है। वीडियो में इस घटना के पीछे का पूरा कारण या बातचीत स्पष्ट रूप से सामने नहीं आई है। जिससे ये अंदाज नहीं हुआ है कि रमीज ने ऐसा क्यों किया हालांकि वायरल क्लिप में रमीज लिसा को गले लगाते और फिर उनके गाल पर किस करते हुए नजर आये। इस क्लिप के सामने आते ही उनपर हमला शुरु हो गया। कुछ लोगों द्वारा उनके आचरण पर उठाये गये। वहीं कई ने कहा कि इस प्रकार का व्यवहार उन्हें नहीं करना चाहिये था। कई यूजर्स ने इसे अनावश्यक करार दिया, जबकि कुछ ने इसे सिर्फ एक दोस्ताना भाव बताया। 46 वर्षीय लिसा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर रही हैं। पूरे टूर्नामेंट के दौरान पहले भी रमीज विवादों में रहे हैं। एक बार कमेंट्री के दौरान उन्होंने गलती से कैच ऑफ द आईपीएल कह दिया था, हालांकि उन्होंने तुरंत अपनी गलती सुधारी और कमेंट्री को जारी रखा। इसके अलावा, एक मैच में टॉस से ठीक पहले दो मस्कट्स की आपस में लड़ाई का एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था।

क्लासेन को एकदिवसीय विश्वकप के लिए शामिल करे दक्षिण अफ्रीका : पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन की जमकर प्रशंसा की है। पीटरसन ने कहा है कि जिस प्रकार से क्लासेन खेल रहे हैं। उसको देखते हुए दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड को उन्हें संन्यास से वापसी करने को कहना चाहिये। इसके साथ ही साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए भी टीम में शामिल करना चाहिये। पीटरसन इंग्लैंड टीम में शामिल होने से पहले दक्षिणा अफ्रीकी मूल के क्रिकेटर रहे हैं। उनका मानना है जिस प्रकार की आक्रामक बल्लेबाजी क्लासेन करते हैं। उससे वह दक्षिण अफ्रीकी टीम को एकदिवसीय खिताब जिताने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। क्लासने ने जिस प्रकार से मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में केवल 30 गेंदों में नाबाद 65 रनों की आक्रामक पारी खेली उससे भी पीटरसन बेहद प्रभावित हैं। उनकी इस पारी में 7 शानदार चौके और 4 छक्के लगाये थे। क्लासेन इस सत्र में मध्यक्रम में सबसे आक्रामक बल्लेबाज बनकर सामने आये हैं। उन्होंने अब तक 9 पारियों में कुल 414 रन बनाए हैं, उनका औसत 59.14 जबकि स्ट्राइक रेट 157.41 का रहा है। पीटरसन ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने भी क्लासेन के प्रदर्शन की सराहतना की है। उन्होंने कहा कि मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए भी क्लासेन ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के साथ रन और स्ट्राइक रेट में मुकाबला किया है। जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है।

दो श्रीलंकाई अंडर-19 क्रिकेटर महिलाओं का वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंकाई अंडर-19 क्रिकेट टीम के दो खिलाड़ियों को कोलंबो के एक होटल में महिलाओं के निजी पलों का वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस शर्मनाक मामले के सामने आने के बाद से श्रीलंकाई बोर्ड भी सकते में हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह मामला नराहेंपिटा स्थित एक होटल का है जहाँ ये खिलाड़ी ठहरे हुए थे। इसी होटल में रुकी कुछ महिलाओं ने शिकायत की कि जब वे अपने बाथरूम में थीं, तब मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर उनका वीडियो बनाया जा रहा था। इस शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपी खिलाड़ियों को हिरासत में ले लिया गया हालांकि बाद में, दोनों खिलाड़ियों को 500,000 श्रीलंकाई रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दे दी गई। नराहेंपिटा पुलिस जांच कर रही है कि क्या इन वीडियो को ऑनलाइन साझा किया गया था। अगर ऐसा हुआ तो ये मालमा और भी बढ़ा हो जाएगा। खिलाड़ियों को पहली सुनवाई के लिए अलुथकाडे मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था और उन्हें 25 मई को दोबारा अदालत में हाजिर होना है।

वहीं इस मामले में अभी तक श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बोर्ड की तरफ से इन दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ अभी तक किसी तरह की कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई भी नहीं की गई है। इसका कारण ये कहा गया है कि बोर्ड में भी बदलाव हो रहे हैं और इसमें पिछले अधिकारियों को हटाकर एक नई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी बनायी गयी है। वही अब इस मामले को देखेगी पर माना जा सकता है इस पूरे मामले पर बोर्ड बेहद कड़ी सजा सुनाएगाहै। अभी खिलाड़ियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं पर इससे क्रिकेट जगत शर्मिंदा महसूस कर रहा है। ऐसे में, अब देखना है कि श्रीलंकाई बोर्ड इन क्रिकेटरों पर क्या करवाई करता है।

इस सीजन के आखिर में टेनिस खिलाड़ी निशिकोरी केई लेंगे संन्यास

टोक्यो (एजेंसी)। ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष और रियो ओलंपिक 2016 के कांस्य पदक विजेता जापान के निशिकोरी केई ने इस सीजन के आखिर में टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा की है। 36 साल के निशिकोरी केई ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम और एक्स पर जापानी और इंग्लिश में लिखा, 'आज, मैं एक घोषणा कर रहा हूं। मैंने इस सीजन के आखिर में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने का फैसला किया है।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं बच्चा था, तब से मुझे टेनिस का जुनून रहा है और मैंने अपने दिल में सिर्फ एक सपना लेकर इसे जारी रखा है' मैं वर्ल्ड स्टेज पर मुकाबला करना चाहता हूं। एटीपी टूर तक पहुंचना, सबसे ऊंचे स्तर के मुकाबले में खेलना और टॉप 10 में अपनी मौजूदगी बनाए रखना, ऐसी चीज है जिस पर मुझे बहुत गर्व है। चाहे जीत हो या हार, खचाखच भरे एरीना में मुझे जो खास माहौल महसूस हुआ, उसकी जगह कोई नहीं ले सकता।'

निशिकोरी ने पहली बार पांच साल की उम्र में रैकेट उठाया था, और 13 साल की उम्र में .स. चले गए। उन्होंने फरवरी 2008 में डेलरे बीच ओपन में टूर पर अपना पहला खिताब जीता। जापान के पहले पुरुष खिलाड़ी जो कभी टॉप 10 में पहुंचे, निशिकोरी ने 2014 में यूएस ओपन सेमीफाइनल में उस समय के टॉप रैंक वाले नोवाक जोकोविच को हराया (वह चैंपियनशिप मैच में मारिन सिलिक से हार गए)। रियो में अपने दूसरे ओलंपिक में, निशिकोरी ने कांस्य पदक मुकाबले राफेल नडाल को हराया। हालांकि, निशिकोरी अपने पीक सालों में कई चोटों के कारण एक मुश्किल ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतने का मौका चूक गए। अभी उनके करियर में 451 जीत और 12 खिताब हैं।

निशिकोरी ने कहा, 'ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से मैं फ्रस्ट्रेशन और एंग्जायटी से बहुत ज्यादा परेशान हो जाता था, जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था। फिर भी, टेनिस के लिए मेरा प्यार और मेरा यह विश्वास कि मैं एक मज़बूत खिलाड़ी बन सकता हूं, मुझे हमेशा कोर्ट पर वापस लाता था। मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी ज़िंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत शुक्रगुजार हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। सच कहूं तो, मैं अब भी चाहता हूं कि मैं अपना खेल करियर जारी रख सकूं। फिर भी, अब तक की हर बात को पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैंने अपना सब कुछ दिया। मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं।

मिनरल वाटर में एस्ट्रोजन हार्मोन

हाल ही एक रिसर्च में यह खुलासा हुआ है कि अगर आप प्लास्टिक की बोतल से मिनरल वाटर पी रहे हैं तो इसका मतलब है कि आप पानी के साथ-साथ एस्ट्रोजन हार्मोन भी ग्रहण कर रहे हैं और इसके कारण आपकी प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है। जर्मनी की फ्रैंकफर्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के मुताबिक प्लास्टिक की बोतलों में भर कर बेचे जाने वाले मिनरल वाटर में ऐसे रसायन पाए गए हैं, जो शरीर में प्रवेश करने के बाद महिलाओं में पाए जाने वाले एस्ट्रोजन हार्मोन की तरह काम करते हैं। इस रिसर्च में जुटे वैज्ञानिक मार्टिन वेगनर ने कहा कि हमने जब इस विषय पर अपना काम शुरू किया तो सोचा भी नहीं था कि किसी खाद्य पदार्थ में भी इतनी बड़ी तादाद में हार्मोन हो सकते हैं, जिन पर सख्त रोक है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले बोतलों में बंद मिनरल वाटर के नमूने लिए गए। फिर पानी में रसायन युक्त एस्ट्रोजन की मौजूदगी और उनका स्त्रोत निश्चित करने के लिए वैज्ञानिकों ने पाया कि मिनरल वाटर में पाए जाने वाले रसायन अन्य जीवों के लिए भी प्रभावकारी हैं और अगर यह पानी घोंघे को दिया जाए तो उनके भ्रूणों की संख्या में तेज बढ़ोतरी होती है। वैज्ञानिकों ने बोतल में बंद मिनरल वाटर में ऐसे रसायनिक साक्ष्य खोजे हैं, जिनमे महिलाओं में पाए जाने वाले प्रजनन एस्ट्रोजन हारमोन मौजूद थे। एस्ट्रोजन महिलाओं का मुख्य प्रजनन हार्मोन होता है, जिसको अनैच्छिक ग्रहण करने से प्रजनन प्रणाली बाधित हो सकती है। इसके अलावा इससे स्तनों से उत्पन्न होने वाले दुग्ध का प्रवाह भी कम हो सकता है।

हेल्थ प्लस

हृदय रोग भगाने के लिए खाएं लहसुन

दिल का दौरा पड़ने, एंजाइना पेन या स्ट्रोक्स की खास वजह होती है रक्तवाहिकाओं में ब्लॉकेज। विशेषज्ञों का मानना है कि ब्लॉकेज दूर करने के लिए लहसुन का नियमित सेवन लाभकारी है। इसमें ब्लॉकेज दूर करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व एजोन होता है। लहसुन का प्रयोग ऐसे करना चाहिए कि आपको अधिकतम एजोन मिल।

- लहसुन को काटकर इस्तेमाल करने के बजाय पीसकर इस्तेमाल करें।
- बहुत धीमी आंच पर लहसुन को हल्का-सा भूनें।
- लहसुन टमाटर के साथ या अन्य अम्लीय चीजों के साथ पकाएं।
- पिसे हुए लहसुन को 'फेटा चीज' और ऑलिव ऑयल के साथ मिलाकर इस्तेमाल करें। इससे कोलेस्ट्रोल नहीं बढ़ता है।

शाकाहारियों को कैंसर का खतरा कम!

अगर आप शाकाहारी हैं तो यह आपके लिए अच्छी खबर है। ब्रिटेन में हुए एक शोध के मुताबिक शाकाहार से कैंसर से बचाव में मदद मिल सकती है। शाकाहारी लोगों में मांसाहारी लोगों की तुलना में कैंसर के बहुत कम मामले पाए गए हैं। ब्रिटेन में व्यापक पैमाने पर हुए इस शोध में करीब 52,500 लोग शामिल थे। इसमें 20 से 89 साल की उम्र के पुरूष और महिलाओं के आहार का परीक्षण किया गया। एक अमेरिकी जर्नल में प्रकाशित हुए इस अध्ययन को शोधकर्ता काफी अहम मान रहे हैं। शोधकर्ताओं ने सभी प्रतिभागियों को तीन समूहों में विभाजित किया। इनमें एक को मांस खाने वाले, दूसरे को मछली खाने वाले तथा तीसरे को शाकाहारी समूह में रखा गया। शोध के दौरान पाया गया कि जो लोग मछली खाते हैं या शाकाहारी हैं उनमें मांसाहारी लोगों की तुलना में कैंसर होने की संभावना काफी कम होती है। हालांकि अध्ययन के दौरान शाकाहारी लोगों में कोलोरेक्टल कैंसर के मामले पाए गए। यह भी एक चौंकाने वाला नतीजा है। क्योंकि पहले के शोधों के मुताबिक कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा मांसाहारी लोगों को ज्यादा होता है।

शोधकर्ता दल के प्रमुख प्रोफेसर टिम के मुताबिक यह नतीजे इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे पहले आहार को इस तरह से प्रमुखता नहीं दी जाती थी। शायद यही कारण है कि अभी तक डाइट को लेकर इस तरह का भ्रम बना रहा। प्रोफेसर टिम के अनुसार, 'यह एक दिलचस्प अध्ययन है जिसके मुताबिक शाकाहारियों में कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसे काफी सावधानी से देखे जाने की जरूरत है। जहां तक कोलोरेक्टल कैंसर की बात है तो मांस इसके लिए कितना जिम्मेदार हो सकता है इस पर विचार करना होगा।' उन्होंने साफ किया कि कैंसर और आहार के बीच संबंध स्थापित करने वाले इस अध्ययन पर और काम किए जाने की जरूरत है।

शहद और दालचीनी सेहत के पहरेदार

शहद के साथ पीसी हुई दालचीनी को नियमित लेने से शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता मजबूत होती है और बैक्टीरिया व वायरस अटैक से बचाव होता है।

शहद के साथ पीसी हुई दालचीनी को नियमित लेने से शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता मजबूत होती है और बैक्टीरिया व वायरस अटैक से बचाव होता है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि शहद में विभिन्न विटामिन होते हैं और बड़ी मात्रा में आयरन भी। शहद का नियमित इस्तेमाल रक्त की सफेद कोशिकाओं (डब्ल्यूबीसी) को मजबूत करता है जिससे बैक्टीरिया और वायरस रोगों से लड़ने में मदद मिलती है।

दिल की मजबूती के लिए

जैली, जैम और मक्खन को अलविदा कहें। शहद और पीसी दालचीनी का पेस्ट बना लें और इसे रोजाना नाश्ते में ब्रेड या चपाती पर लगाकर खायें। जिनको पहले अटैक पड़ चुका है अगर वे भी रोजाना इसका प्रयोग करेंगे, तो उन्हें लाभ होगा। इस पेस्ट का नियमित प्रयोग सांस को फूलने नहीं देता और हृदय दर को मजबूत करता है।

जोड़ों के दर्द के लिए

आर्थराइटिस के रोगी एक कप गर्म पानी में दो चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच पीसी दालचीनी मिलाकर रोज पीयें। अगर यह नियमित लिया जायेगा, तो क्रोनिक रोगी भी जोड़ों के दर्द को अलविदा कह देंगे।

पाचन

एक चुटकी पीसी हुई दालचीनी को दो चम्मच शहद पर छिड़क लें। इसे खाने से पहले लें। एसिडिटी रफू चक्कर हो जायेगी और भारी से भारी खाना भी हजम हो जायेगा।

झुर्रियों से बचने के लिए

चार चम्मच शहद, एक चम्मच पीसी दालचीनी और तीन कप पानी ले लें। इस मिश्रण को अच्छी तरह उबाल लें। 1/4 कप 3/5 बार रोजाना पीयें। त्वचा ताजी, मुलायम और चेहरा झुर्रियों रहित रहेगा।

त्वचा पर चमक

शहद और दालचीनी का लेप सोने से पहले मुंहासों पर लगायें और अगली सुबह गुनगुने पानी में धो लें। अगर रोजाना दो सप्ताह तक ऐसा किया जायेगा तो मुंहासे जड़ से खत्म हो जायेंगे। इस मिश्रण को त्वचा के इन्फेक्शन जैसे एक्जिमा में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

श्वांस

एक चम्मच शहद और पीसी दालचीनी को गर्म पानी में मिला लें और उससे गरारे करें, दिन भर तरोताजा रहेंगे।

पेशाब

दो चम्मच पीसी दालचीनी और एक चम्मच शहद एक गिलास गुनगुने पानी में मिलाकर पी जायें। इससे पेशाब की थैली के सारे कीटाणु मर जायेंगे और आप इन्फेक्शन से मुक्त रहेंगे।

दांत का दर्द

एक चम्मच पीसी दालचीनी को पांच चम्मच शहद में मिलाकर लेप बना लें। जिस दांत में दर्द हो रहा है उस पर लगायें। ऐसा दिन में तीन बार करें जब तक दांत का दर्द ठीक न हो जाये।

कोल्ड

जो लोग कॉमन या गंभीर कोल्ड से पीड़ित हैं वे एक चम्मच गुनगुना शहद 1/4 चम्मच पीसी दालचीनी के साथ रोजाना तीन दिन तक लें।

भोजन करें मगर प्यार से

भोजन करते समय कुछ खास बातें याद रखें ...

हमारे शरीर को पोषण देने का एक ही माध्यम है भोजन। यदि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो भोजन से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इनमें से कुछ बातें तो आप जानते ही होंगे लेकिन फिर भी अच्छी बातें दोहराने में कोई हर्ज नहीं है, ये बातें हैं-

- प्रात: बिना स्नान किए भोजन नहीं करना चाहिए।
- भोजन को धीरे-धीरे चबाकर खाना चाहिए।
- भोजन को कभी भी ठूँस-ठूँसकर नहीं खाना चाहिए। इससे कई रोग हो सकते हैं। भोजन तीन-चौथाई पेट ही करना चाहिए।
- भूख लगने पर पानी और प्यास लगने पर भोजन नहीं करना चाहिए, अन्यथा स्वास्थ्य को हानि पहुँचती है। जैसे खाने की आवश्यकता महसूस होने पर उसे पानी पीकर समाप्त करने की कोशिश या प्यास लगने पर कुछ भी खाकर प्यास को टाल देना।
- भोजन के बीच में प्यास लगने पर थोड़ा-थोड़ा करके पानी पीना चाहिए। भोजन के तुरंत पहले या अंत में तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए।
- हजार काम छोड़कर नियमित समय पर भोजन करें।
- बासी, ठंडा, कच्चा अथवा जला हुआ और दोबारा गर्म किया हुआ भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी नहीं होता।
- भोजन पच जाने पर ही दूसरी बार भोजन करना चाहिए। प्रात: भोजन के बाद शाम को यदि अजीर्ण मालूम हो तो कुछ नर्म भोजन लिया जा सकता है। परंतु रात्रि को भोजन के बाद प्रात: अजीर्ण हो तो बिल्कुल भोजन नहीं करना चाहिए।
- भोजन के तुरंत बाद सोना नहीं चाहिए।
- सर्दी के दिनों में (जाड़े के मौसम में) भोजन से पूर्व थोड़ा सा अदरक व सेंधा नमक खाना चाहिए, जिससे पाचन शक्ति बढ़ जाती है।
- भोजन सामग्री में कड़े पदार्थ पहले, नरम पदार्थ बीच में और पतले पदार्थ अंत में खाना चाहिए।
- भोजन करते समय प्रारंभ में मीठे, बीच में नमकीन और अंत में कसैले पदार्थों को खाना चाहिए।
- भोजन करने से पहले केला और ककड़ी नहीं खाना चाहिए।
- भोजन में दूध, दही, छाछ का प्रयोग दीर्घजीवी बनाता है।
- भोजन करने के बाद हमेशा याद रखें- न क्रोध करें, न तुरंत व्यायाम करें। इससे स्वास्थ्य को हानि पहुँचती है।
- रात्रि के भोजन के पश्चात दूध पीना हितकर है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो मा मी मू धा फा ढा भे)

शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3876

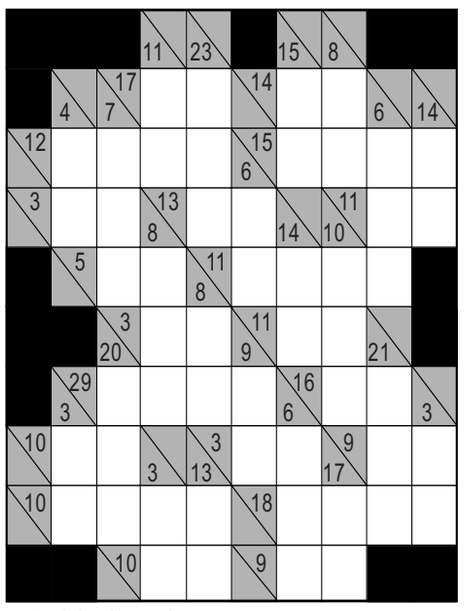

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

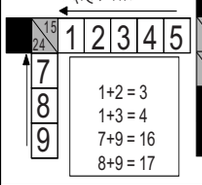

काकुरो - 3875 का हल

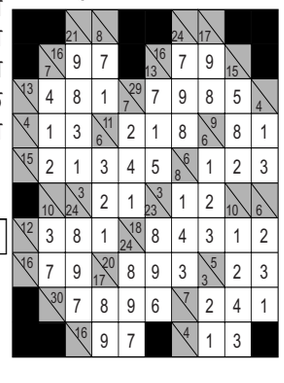

लॉफिंग ज़ोन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुँड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 3876

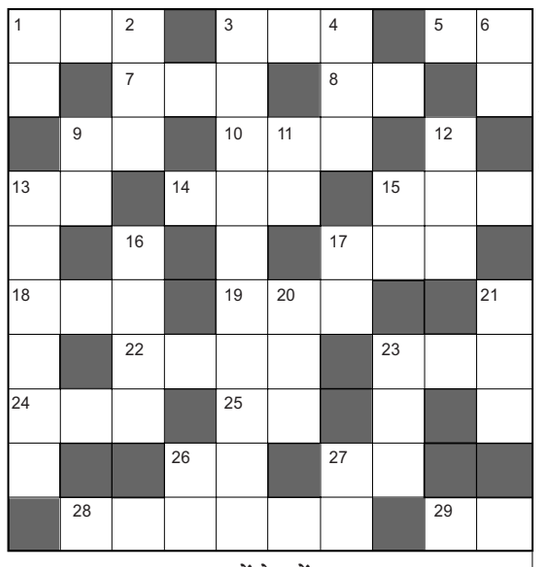

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, खीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3875

सं	न्या	सी		ह	मे	शा		खौ	फ
ध्या		मा	सू	म		र	क्षा		र्ज
	रो		र		सौ	दा		त्रि	
ना	जा	य	ज		त		श्री	दे	वी
ग		की		जा	न	म		व	
म	हा	न		गृ		द	म		मा
णि			प्र	ति	का	र		ज	या
	फ	र	हा		लि			मा	
रॉ	की		र	जि	या	सु	ल्ला	न	
	रा	खी		स्म		र		त	ब्बू

काकुरो - 3875 का हल

सूडोकु -3876

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3875 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 3876

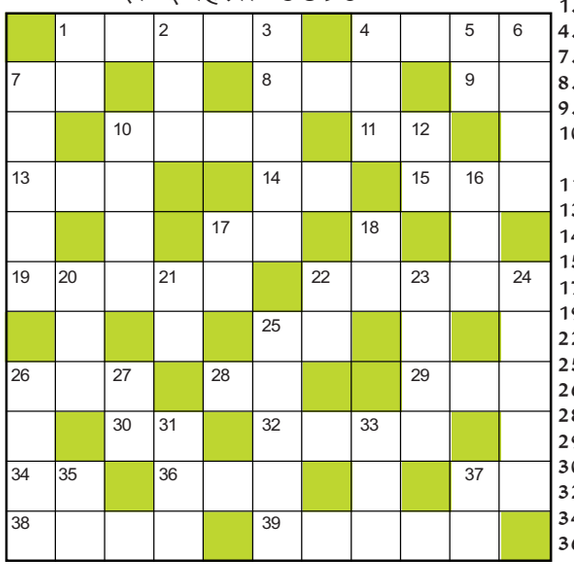

बाएँ से दाएँ

1. दयालु,उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम,सूरी-5
22. दुत्कारना,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,सुट्टा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नष्ट,अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -3875 का हल

	खा	दि	म				र	ह	ना	
दा	द		हा	ति	म	ता	ई		क	प
न			न	ल		र	स			ना
ब	च	न		स्म	र	ण		व	रा	ह
	क	ल	म		ण		नी	र	ज	
	ना		री	स		जा	ल		कु	
	चू	स	ना		प		म	हि	मा	
च	र	खा		ग	रि	मा		ना	र	द
र			त	म		य	म			ली
म	स्त		स	ला	ह	का	र		क	ल
	र	सी	ला				जी	नें	द्र	

16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे प्रियदर्शन

फिल्ममेकर प्रियदर्शन, जिन्होंने हाल ही में हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' दी है। इस फिल्म के साथ उनकी और अक्षय कुमार की जोड़ी करीब 16 साल बाद साथ लौटी है। इसके बाद डायरेक्टर अब एक नई कॉमेडी फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। प्रियदर्शन अब एक नई कॉमेडी फिल्म डायरेक्ट करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल्ड फिल्म का अंदाज उनकी पुरानी फिल्मों 'हंगामा' और 'द शौकीन्स' जैसा होगा। खबरों के अनुसार, कहानी 3 बुजुर्ग आदमियों के इर्द-गिर्द घूमेगी, जो अजीब और मुश्किल हालातों का सामना करते हैं। इसमें प्रियदर्शन का वही खास सिचुएशनल ह्यूमर देखने को मिलेगा, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। यह प्रोजेक्ट डायरेक्टर के लिए कई पुराने साथियों के साथ फिर से काम करने का मौका भी है।

इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अन्नू कपूर और शुक्ला लीड रोल में नजर आएंगे। प्रियदर्शन करीब 16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे, जिन्होंने पहले 'आक्रोश' में साथ काम किया था। वहीं, सौरभ शुक्ला ने उनके साथ आखिरी बार 'ये तेरा घर ये मेरा घर' (2001) में काम किया था। अन्नू कपूर भी तीन दशक बाद उनके साथ जुड़ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 'मुस्कुराहट' (1992) और 'गर्दिश' (1993) में साथ काम किया था। इसके अलावा, राजपाल यादव भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, फिल्म की फीमेल लीड की कास्टिंग अभी चल रही है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म से पहले बनेगी ये फिल्म

बताया जा रहा है कि यह फिल्म प्रियदर्शन के 100वें डायरेक्शन प्रोजेक्ट से पहले जल्दी में बनाई जाएगी। उनकी 100वीं फिल्म में मोहनलाल नजर आएंगे और इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू हो सकती है।

हैदराबादी लहजा सीखने के लिए हंसिका मोटवानी ने की घंटों प्रैक्टिस

फिल्मों में किसी किरदार को निभाना सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय करना नहीं होता, बल्कि उस किरदार की सोच, रहन-सहन और बोलने के तरीके को पूरी तरह अपनाना भी होता है। कई कलाकार अपने किरदार को असली दिखाने के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी भी इन दिनों कुछ ऐसी ही मेहनत करती नजर आ रही हैं। वह नई वेब सीरीज 'गली' में अपने किरदार के लिए हैदराबाद की खास बोली और लहजे को सीखने पर काम कर रही है। अपने किरदार की तैयारी को लेकर हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मुझे इस किरदार के लिए डायलॉग्स बोलने के तरीके पर सबसे ज्यादा काम करना पड़ा। सीरीज की कहानी हैदराबाद के पुराने शहर और चारमीनार इलाके के आसपास की दुनिया को दिखाती है, इसलिए मेरे लिए वहां की बोली को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी था। मैं चाहती हूं कि मेरे डायलॉग्स बिल्कुल असली लगें और दर्शकों को ऐसा महसूस हो कि मेरा किरदार उसी माहौल का हिस्सा है।''

हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मैंने किसी डायलॉग ट्रेनर की मदद नहीं ली। मैंने खुद मेहनत करके अपनी तैयारी की। हालांकि, पूरी टीम साथ बैठकर कई बार वर्कशॉप करती थी, ताकि हर डायलॉग और हर शब्द सही तरीके से बोला जा सके। टीम के साथ बैठकर बार-बार डायलॉग्स पढ़ने और बोलने से मुझे काफी मदद मिली। इससे भाषा की बारीकियों को समझने का मौका मिला।''

हंसिका ने आगे कहा, ''यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने पहले कभी इस तरह की बोली या लहजे में काम नहीं किया। यही वजह थी कि शुरुआत में मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। किसी खास बोली में अभिनय करना आसान नहीं होता, क्योंकि अगर एक छोटा सा शब्द भी गलत बोल दिया जाए तो वह तुरंत लोगों को महसूस हो जाता है। छोटी सी गलती भी दर्शकों के तुरंत पकड़ में आ जाती है, इसलिए मैं हर शब्द के उच्चारण और बोलने के अंदाज को लेकर बहुत सावधान रहती थी।''

उन्होंने कहा, ''इस किरदार को निभाते समय मैं यह भी समझने की कोशिश कर रही थीं कि उस इलाके के लोग कैसे बात करते हैं, कैसे अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं और किस तरह का लहजा इस्तेमाल करते हैं। जब तक कलाकार किरदार की भाषा को सही तरीके से नहीं समझता, तब तक वह उस किरदार के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सकता।''

कॉकटेल 2 में होगी दीपिका पादुकोण की एंट्री

दीपिका पादुकोण बीते दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद सुर्खियों में आ गई थीं। इस बीच अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में अपने वेरोनिका के किरदार में वापसी कर सकती हैं। ऐसी चर्चाएं हैं कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में अपने 'कॉकटेल' के किरदार में ही कैमियो कर सकती हैं। जानिए आखिर क्यों उठीं ऐसी चर्चाएं हैं और क्या है सच्चाई? दरअसल, रेडिट पर एक पोस्ट के बाद से ही फैंस के बीच इस बात को लेकर खूब चर्चा हो रही है कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में 2012 की 'कॉकटेल' के लोकप्रिय और बिंदास किरदार वेरोनिका में कैमियो करेंगी। पोस्ट के अनुसार, दीपिका कुछ महीने पहले मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस गई थीं। उस समय कई लोगों ने अनुमान लगाया था कि यह मुलाकात 'महावतार' से जुड़ी थी। लेकिन पोस्ट में दावा किया गया है कि दरअसल उन्हें सीक्वल में वेरोनिका के किरदार में आने के लिए बार-बार संपर्क किया जा रहा था। उन्होंने इसके लिए हामी भर दी और उसी दौरान अपने हिस्से की शूटिंग भी कर ली। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 2012 की 'कॉकटेल' का सीक्वल है। हालांकि, इस बार फिल्म की कहानी बिल्कुल अलग होने की बात कही जा रही है।

हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे राणा दग्गुबाती अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

बॉलीवुड के एक्टर अक्षय कुमार 'भूत बंगला' की कामयाबी से खुश हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही एक बड़े बजट की हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में काम करने वाले हैं। उनके साथ साउथ के कलाकार राणा दग्गुबाती होंगे। इस प्रोजेक्ट को लेकर अभी से काफी चर्चा हो रही है। राणा दग्गुबाती एक महत्वाकांक्षी हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे। इसकी कहानी उज्जैन के रहस्यमयी बैकग्राउंड पर आधारित होगी। इस फिल्म की कास्ट में अक्षय कुमार भी शामिल हो गए हैं। मेकर्स ने एक बड़ा सरप्राइज भी छिपाकर रखा है। ऐसी अफवाहें हैं कि कोई टॉप हीरो इस फिल्म में कैमियो कर सकता है। हालांकि प्रोजेक्ट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। इस बड़े प्रोजेक्ट को करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शंस सपोर्ट कर रहा है। इससे लगता है कि यह प्रोजेक्ट पैन-इंडिया लेवल का होगा। इस फिल्म को चंदू मोंडेती डायरेक्ट करेंगे। चंदू को 'कार्तिकेय 2' को निर्देशित करने के लिए जाना जाता है। वह पुरानी पहेलियों और रहस्यों पर आधारित कहानियां बुनने के लिए जाने जाते हैं। खबरें हैं कि राणा दग्गुबाती फिल्म 'जय हनुमान' की कास्ट में शामिल हो गए हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आई है। यह फिल्म, 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हनुमान' का सीक्वल है।

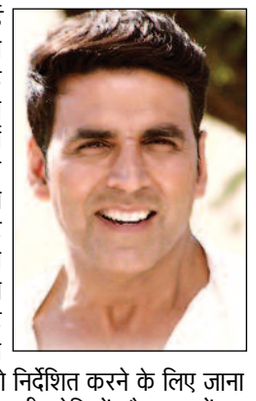

क्या 'पेद्दी' में कैमियो करेंगी श्रुति हासन

राम चरण की अदाकारी वाली फिल्म 'पेद्दी' जून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले ही काफी चर्चा में है। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा है। खबरें हैं कि फिल्म के निर्माता श्रुति हासन को लेकर एक स्पेशल गाने की योजना बना रहे हैं। गल्ट के मुताबिक श्रुति हासन को 'पेद्दी' में एक स्पेशल कैमियो रोल के लिए साइन किया जा सकता है। उम्मीद है कि यह अभिनेत्री एक डांस नंबर में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग अभी बाकी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गाने की शूटिंग 26 अप्रैल, 2026 को हैदराबाद में शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक श्रुति के इस फिल्म में शामिल होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म के लेखक और निर्देशक बुची बाबू सना हैं। यह फिल्म पहले 27 मार्च, 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई। इसके बाद, इसे एक बार फिर टालकर जून 2026 कर दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, यह फिल्म 25 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

'पेद्दी' के बारे में

खबरों के मुताबिक फिल्म 'पेद्दी' की कहानी एक क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जान्हवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू और बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इसका म्यूजिक ए आर रहमान ने कंपोज किया है।

मृणाल ने किया मना

इससे पहले, ऐसी खबरें थीं कि इसी स्पेशल डांस नंबर के लिए मृणाल ठाकुर पर विचार किया जा रहा था। लेकिन, अब माना जा रहा है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया है, जिससे अब श्रुति हासन के इस फिल्म में आने की संभावना बढ़ गई है।

गिन्नी वेड्स सनी 2 में पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला

'लैला मजनू', 'ओ रोमियो' जैसी फिल्में हों या 'खाकी: द बिहार चैप्टर', 'काला', 'बंबई मेरी जान' जैसी वेब सीरीज, एक्टर अविनाश तिवारी ने पर्दे पर इंटेंस, ग्रे और गंभीर भूमिकाओं में अपनी अलग धाक जमाई है। लेकिन अब अपनी नई फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में वह पहली बार नाच-गाने, रोमांस वाली फुल मसाला एंटरटेनर में नजर आ रहे हैं। पेश है उनसे यह खास बातचीत।

ऐसा क्या ढूंढ़ रहे हैं लड़की में, जो नहीं मिल रही?

मेरी जो जरूरतें या चाहतें हैं वो तो अपनी जगह है मगर सबसे जरूरी बात ये है कि वो मुझे झेल पाए। शादी के रिश्ते के सफल होने के लिए बहुत जरूरी है कि दोनों एक-दूसरे के लिए झेल पाएं। मेरा मानना है कि मुझे झेलना थोड़ा मुश्किल है। जैसे, फिल्म में सनी जैसे आदमी को लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा का रूप सरीखी गिन्नी संभाल सकती है। मेरे जैसे आदमी को झेलने के लिए एक पार्वती भी चाहिए तो ऊपरवाला जब ऐसा कोई बनाएगा तो देखेंगे।

आपको लगता है कि यह फिल्म सही समय पर थिएटर में आ रही है, क्योंकि हाल ही में 'धुरंधर' देखने के लिए दर्शक भर-भरकर कर सिनेमा हॉल पहुंचे?

यह एक चक्र होता है, जिसमें कुछ फिल्में ऐसी आएंगी जो बहुत बिजनेस करेंगी। फिर कुछ ऐसी फिल्में होंगी जो बिल्कुल नहीं चलेंगी। मुझे लगता है कि यह किसी को नहीं पता कि कौन सी चीज दर्शकों को थिएटर में ला सकती है। जब फिल्म चल जाती है तो सब लोग जीनियस हो जाते हैं। सबको पता हो जाता है कि क्या करना है। वहीं, जब फिल्म नहीं चलती है तो हर कोई बोलता है कि इन्हें कुछ नहीं पता, कुछ नहीं आता कि कैसे आएगी ऑडियंस? पर हर किसी की कोशिश तो यही होती है कि उन्होंने जो बनाया है, वो ऑडियंस को पसंद आए। कोई इसलिए तो फिल्म बनाता नहीं है कि कोई उसे देखने ना आए। रही बात 'धुरंधर' की, तो वह बहुत अच्छे से बनाई गई फिल्म है। उसका क्राफ्ट लाजवाब है, स्टोरी टेलिंग जबरदस्त है। वह एक फिल्म है, उसमें कुछ लोग रिएलिटी ढूंढ़ने लगे तो उनकी दिक्कत है। लोगों के अपने-अपने नैरेटिव हैं, मैं उसमें नहीं जाना चाहता लेकिन जहां तक फिल्म मेकिंग के क्राफ्ट की बात है, वो टॉप नॉच है। अच्छी बात यह है कि ऑडियंस भी इवॉल्व हो रही है। इससे उम्मीद बंधती है कि अगर लोग क्वॉलिटी वर्क को सराहेंगे, तो जो लोग क्वॉलिटी काम करते हैं उनका कद बढ़ेगा और मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा हो।

इस फिल्म में पहली बार नाच-गाना, रोमांस-कॉमिडी सब करते दिख रहे हैं। यह अनुभव कितना अलग रहा?

मुझे बहुत मजा आया क्योंकि पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला और हर एक्टर ऐसी फिल्म करना चाहता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे यह फिल्म मिली। खास बात यह है कि इसे शूट करने से दो दिन पहले तक मैं जो फिल्म शूट कर रहा था वो बहुत ही इंटेंस था तो मुझे इतना वक्त ही नहीं मिल पाया कि मैं उस जोन से निकलकर इसमें आ पाऊं। इसके बावजूद, सब कुछ बहुत मजेदार तरीके से हो पाया, उसका एक बड़ा श्रेय मेरी को-एक्टर मेधा शंकर को जाता है। जब मैं सेट पर आया तो उनका पहला सवाल था- आज रात को हम कहां घूमने जा रहे हैं? तो ऐसी फिल्म के लिए एक जो एनर्जी होनी चाहिए, वो शुरू में ही सेट हो गई। वह इतनी खुशदिल इंसान हैं, जैसे रेगिस्तान में कहीं-कहीं जो हरियाली होती है न, वैसा था।

संक्षिप्त समाचार

यूएई के ओपेक से बाहर निकलने के फैसले का अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किया स्वागत, बताया इसका फायदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त अरब अमीरात के तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक से बाहर निकलने के फैसले का स्वागत किया है। ट्रंप ने कहा कि यूएई के इस कदम से वैश्विक तेल और गैस की कीमतें कम होंगी, जो अच्छी बात है। यूएई ने मंगलवार को तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक से बाहर निकलने का एलान किया था। यूएई के इस फैसले का वैश्विक तेल बाजार पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। डोनाल्ड ट्रंप से जब यूएई के फैसले को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ये अच्छा फैसला है। मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूं, मोहम्मद बेहद चतुर हैं और वे शायद अपनी राह पर चलना चाहते हैं। ये अच्छी बात है क्योंकि इससे वैश्विक तेल और गैस की कीमतें कम होंगी। उनके पास ये सभी चीजें हैं। वे एक अच्छे नेता हैं और मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं हैं। उन्हें ओपेक से कुछ समस्या होगी।' यूएई दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। एएसके वेल्थ एडवाइजर्स की रिपोर्ट के मुताबिक यूएई के ओपेक से निकलने के फैसले का तेल की कीमतों पर क्या असर पड़ेगा ये फिलहाल स्पष्ट नही है। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि हो सकता है कि तुरंत तेल की कीमतों पर असर न पड़े लेकिन यूएई के फैसले से तेल की आपूर्ति के नियंत्रण पर असर जरूर पड़ेगा। साथ ही इससे तेल के कार्टेल पर भी असर पड़ेगा। पश्चिम एशिया संकट के चलते पहले ही तेल बाजार अस्थिर है। मशहूर अर्थशास्त्री जेफ्री सैक ने चेतावनी दी है कि बढ़ते भू राजनीतिक तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में संकट बढ़ेगा। उन्होंने यूएई के ओपेक से बाहर निकलने के फैसले की आलोचना की और इसे रणनीतिक गलती करार दिया।

कतर जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर, एक मई से हमाद एयरपोर्ट के लिए शुरू होंगी उड़ानें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप सरकार द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध को लेकर संसद में तीखी बहस देखने को मिली। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ जब कांग्रेस के सामने पेश हुए, तो विपक्षी नेताओं ने युद्ध के खर्च और उद्देश्य पर सवाल उठाए। इस युद्ध पर अब तक करीब 25 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। कई सांसदों ने आरोप लगाया कि बिना संसद की मंजूरी के युद्ध शुरू करना गलत है। वहीं सरकार का कहना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अभी भी खतरा बना हुआ है। हालांकि फिलहाल संघर्षविराम लागू है, लेकिन हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस मुद्दे पर अमेरिका की राजनीति में भी मतभेद साफ नजर आ रहे हैं। कतर में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक जरूरी जानकारी साझा की है। भारतीय एयरलाइंस अब दोहा के हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अपनी सेवाएं फिर से शुरू करने की तैयारी में हैं। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो एक मई 2026 से दोहा और भारत के अलग-अलग शहरों के बीच अपनी उड़ानें फिर से शुरू करने की योजना बना रही हैं। दूतावास ने बताया कि उड़ानों का यह संचालन संबंधित अधिकारियों और एयरलाइन पार्टनर्स के साथ तालमेल बिठाकर किया जा रहा है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी उड़ानों के समय, बुकिंग और अन्य जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस के लगातार संपर्क में रहें। यह फैसला क्षेत्र में विमान सेवाओं के लगातार हो रहे विस्तार को देखते हुए लिया गया है।

भारत को 'कोहिनूर' लौटाएगा ब्रिटेन?: किंग चार्ल्स से न्यूयॉर्क के मेयर की अपील; ममदानी के बयान से चर्चाएं तेज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से चल रहे एक ऐतिहासिक विवाद को फिर से चर्चा में ला दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर उन्हें ब्रिटेन के राजा राजा चार्ल्स तृतीय से मिलने का मौका मिलता है, तो वे उनसे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने की मांग करेंगे। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मेयर ममदानी से पूछा गया कि वे राजा से क्या कहेंगे, तो उन्होंने बिना किसी औपचारिक बात के सीधे इस मुद्दे को उठाया। उनका कहना था कि कोहिनूर सिर्फ एक हीरा नहीं, बल्कि भारत के इतिहास, गौरव और ब्रिटिश शासन के दौरान हुए अन्याय का प्रतीक है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क में 9/11 स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के दौरान राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद कहा, 'अगर मुझे राजा से अलग से बात करने का मौका मिलता, तो मैं शायद उन्हें कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करता। दरअसल, कोहिनूर हीरा भारत के आंध्र प्रदेश के कोल्लूर खान से निकला था और यह कई भारतीय शासकों, मुगलों और सिखों, के पास रहा।

ट्रंप ने होर्मुज का नाम बदलकर 'ट्रंप जलडमरूमध्य' किया, सोशल मीडिया पोस्ट पर मचा बवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कुछ ऐसा कर दिया है, जिस पर विवाद हो सकता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर ट्रंप जलडमरूमध्य कर दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट को री-पोस्ट किया, जिसमें होर्मुज की तस्वीर को ट्रंप जलडमरूमध्य दिखाया गया है। हालांकि जिस यूजर की पोस्ट को ट्रंप ने री-पोस्ट किया है, वह पोस्ट नहीं दिख रही है। पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

वैश्विक तेल आपूर्ति की जीवन रेखा है होर्मुज जलडमरूमध्य : होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान की खाड़ी के बीच में स्थित दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन समुद्री मार्गों में से एक है। इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवन रेखा माना जाता है। दुनिया का करीब 20-30 प्रतिशत कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। ईरान अमेरिका और इस्त्राइल युद्ध के चलते ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हुई और दुनिया भर में तेल की कीमतों में उछाल आया। अब अमेरिका ने भी होर्मुज की नाकाबंदी कर दी है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम चल रहा है, लेकिन अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य की

नाकाबंदी की हुई है। ईरान ने समझौते के लिए होर्मुज को खोलने का प्रस्ताव दिया है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने खारिज कर दिया है। ट्रंप ने होर्मुज की नाकाबंदी को सही बताते हुए कहा कि 'नाकाबंदी, बमबारी से ज्यादा प्रभावी है। ईरान बुरी तरह फंसा हुआ है और उनका दम घुट रहा है। अभी उनकी स्थिति और खराब होगी।'

ट्रंप का दावा- भारी दबाव में है ईरान की सरकार : ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज नाकाबंदी से ईरान पर भारी दबाव पड़ रहा है और वे जल्द से जल्द समझौता करना चाहते हैं। हालांकि ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बंद कराने की मांग पर अड़े हैं। इससे गतिरोध की स्थिति पैदा हो गई है। ट्रंप सरकार का मानना है कि होर्मुज की नाकाबंदी से ईरान तेल की आपूर्ति नहीं कर पाएगा और इससे ईरान अंदरूनी तौर पर कमजोर होगा। ट्रंप का दावा है कि ईरान के ऊर्जा केंद्र बंद होने के कगार पर हैं और तेल निर्यात न कर पाने के कारण ईरान की सरकार भारी दबाव में है।

एक महीने के उच्च स्तर पर कच्चा तेल: यूएस ने ईरान पर नाकेबंदी को आगे बढ़ाने के दिए निर्देश, आपूर्ति की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन,एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के जरिये आपूर्ति में लंबे समय तक बाधा की चिंताओं से बुधवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पांच

फीसदी से अधिक बढ़कर एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। कच्चे तेल में उछाल का असर भारतीय रुपये पर भी देखने को मिला और यह डॉलर के मुकाबले 20 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 94.88 पर बंद हुआ। दरअसल, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगियों को ईरान पर नाकेबंदी को और आगे बढ़ाने की तैयारी करने का निर्देश दिया है। इससे पश्चिम एशिया के इस अहम तेल उत्पादक क्षेत्र से आपूर्ति में रुकावटें और लंबे समय तक बनी रहने की आशंका है। इस रिपोर्ट के बाद वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमतें 6.08 डॉलर या 5.5 फीसदी बढ़कर 117.34 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गईं। यह 31 मार्च के बाद ब्रेंट क्रूड का एक महीने का उच्च स्तर है। यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 5.26 डॉलर या 5.3 फीसदी उछलकर 105.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। इसके साथ ही, तेल में आठ दिनों से तेजी का सिलसिला जारी है।

रुपये में बना रहेगा उतार-चढ़ाव : क्रूड की कीमतों में उछाल के साथ विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी से भी बुधवार को रुपये में गिरावट आई।?फॉरेक्स कारोबारियों ने कहा, क्रूड 115 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत के आयात खर्च पर असर पड़ने की आशंका है। पश्चिम एशिया संकट और इसके व्यापक संघर्ष में बदलने की आशंकाओं ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। आने वाले समय में रुपये में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.79 पर खुला और कारोबार के दौरान 94.88 के निचले स्तर तक गया। इससे पहले रुपया 27 मार्च को 94.85 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

होर्मुज सुरक्षा के लिए अमेरिका बनाएगा नया गठबंधन, वैश्विक व्यापार-ऊर्जा संकट से बढ़ी चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने एक बड़ी रणनीतिक पहल शुरू की है। व्हाइट हाउस अब एक नए अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को तैयार करने की कोशिश में है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी मीडिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रस्तावित योजना का नाम मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट (एमएफसी) रखा गया है। इसका मकसद विभिन्न देशों को एक साथ लाकर समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा को मजबूत करना है। इस योजना में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट और यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड मिलकर काम करेंगे। विदेश विभाग कूटनीतिक नेतृत्व करेगा, जबकि सेंट्रल कमांड समुद्री निगरानी और सूचना साझा करने का जिम्मा संभालेगा।

वैश्विक देशों से समर्थन की अपील : अमेरिका अपने साझेदार देशों से इस गठबंधन में शामिल होने की अपील कर रहा है। रिपोर्ट के

अनुसार, यह भी पूछा जा रहा है कि क्या देश इस पहल में राजनयिक या सैन्य साझेदार बनना चाहते हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सामूहिक कार्रवाई से वैश्विक व्यापार मार्गों को सुरक्षित किया जा सकेगा और ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

ईरान के साथ तनाव और समुद्री टकराव : यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया है कि जब तक ईरान परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता, तब तक समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। वहीं ईरान की ओर से चेतावनी दी गई है कि इस नाकाबंदी का जवाब अभूतपूर्व कार्रवाई से दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर भी चर्चा है कि यह संघर्ष आगे बढ़कर या तो किसी नए परमाणु समझौते में बदल सकता है या फिर लंबा सैन्य तनाव बन सकता है। फिलहाल, दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है।

रिकॉर्ड बनाकर लौट रहा अमेरिकी विमानवाहक पोत, ईरान में जंग से लेकर वेनेजुएला तक रही भूमिका

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड 300 दिनों से अधिक की रिकॉर्ड-सेटिंग तैनाती के बाद घर लौट रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने 28 अप्रैल को यह जानकारी दी। इस तैनाती में ईरान के खिलाफ युद्ध और वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने में भागीदारी शामिल थी। फोर्ड मई के मध्य में अपने वर्जीनिया स्थित घरेलू बंदरगाह पर वापस आएगा। फोर्ड अगले कुछ दिनों में मध्य पूर्व छोड़ देगा। पिछले सप्ताह यूएसएस जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश के क्षेत्र में पहुंचने से मध्य पूर्व में तीन अमेरिकी विमानवाहक पोत तैनात हो गए थे। 2003 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। ईरान युद्ध में नाजुक युद्धविराम के दौरान यह स्थिति बनी। यूएसएस अब्राहम लिंकन भी जनवरी 2026 से क्षेत्र में मौजूद है। अप्रैल 2026 में, फोर्ड ने वियतनाम युद्ध के बाद की सबसे लंबी अमेरिकी तैनाती का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जून 2025 में नौसेना स्टेशन नॉरफ़ॉक से निकलने के बाद यह लगभग दस महीने की अवधि थी। जहाज के 295वें दिन समुद्र में रहने से पिछले 50 वर्षों की सबसे लंबी तैनाती का रिकॉर्ड टूट गया। यह तैनाती 2020 में लिंकन द्वारा 294 दिनों की पिछली सबसे लंबी तैनाती से अधिक थी। उस समय लिंकन को कोविड-19 महामारी के दौरान भेजा गया था। हालांकि, फोर्ड की 295 दिनों की तैनाती शीत युद्ध के दौरान की सबसे लंबी तैनाती से कम है। वह रिकॉर्ड अब निष्क्रिय हो चुके यूएसएस मिडवे के पास है। मिडवे को 1972 और 1973 में 332 दिनों के लिए तैनात किया गया था। हाल ही में, यूएसएस निमित्ज का दल 2020 और 2021 में कुल 341 दिनों तक घर से दूर रहा था। फोर्ड ने अपनी तैनाती भूमध्य सागर की ओर बढ़कर शुरू की थी। अक्टूबर 2025 में इसे कैरेबियन सागर की ओर मोड़ दिया गया। यह दशकों में क्षेत्र में सबसे बड़े नौसैनिक निर्माण का हिस्सा था। विमानवाहक पोत ने मादुरो को पकड़ने के सैन्य अभियान में भाग लिया। ईरान के साथ तनाव बढ़ने पर यह मध्य पूर्व की ओर बढ़ा। मार्च 2026 की शुरुआत में यह स्वेज नहर से होते हुए लाल सागर में गया।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: वोटिंग राइट्स एक्ट कमजोर, ओबामा-हैरिस ने बताया लोकतंत्र के लिए काला दिन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चुनावी कानून को लेकर एक बड़ा और विवादास्पद फैसला सामने आया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को लुइसियाना बनाम कैलाइस मामले में 6-3 के बहुमत से ऐसा निर्णय दिया, जिसने वोटिंग राइट्स एक्ट की धारा 2 के प्रभाव को काफी हद तक सीमित कर दिया है। इस फैसले के बाद अब किसी भी चुनावी नक्शे को नस्लीय आधार पर चुनौती देना पहले से कहीं ज्यादा कठिन हो जाएगा। कोर्ट के इस निर्णय ने अमेरिका की राजनीति और नागरिक अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

क्या है पूरा मामला : इस फैसले को जस्टिस सैमुअल अलिटो ने लिखा। उन्होंने कहा कि अदालत को यह मानकर चलना चाहिए कि राज्य सरकारें सद्भावना में काम कर रही हैं। कोर्ट ने नस्लीय गेरिमैंडरिंग और

राजनीतिक गेरिमैंडरिंग के बीच फर्क को और स्पष्ट किया। 2019 के एक फैसले के अनुसार, राजनीतिक आधार पर बनाए गए नक्शों को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। अब नए फैसले के बाद, अगर कोई यह साबित करना चाहता है कि नक्शा नस्लीय भेदभाव के लिए बनाया गया है, तो उसे और अधिक ठोस सबूत पेश करने होंगे।

ओबामा और हैरिस की तीखी प्रतिक्रिया : पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले की कड़ी आलोचना की है, जो मतदान अधिकारों से जुड़ा है। ओबामा ने कहा कि यह फैसला वोटिंग राइट्स एक्ट के एक अहम हिस्से को कमजोर करता है। उनके अनुसार इससे राज्यों को यह मौका मिल सकता है कि वे चुनावी क्षेत्रों की सीमाएं ऐसे तरीके से बदलें, जिससे काले और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों का वोटिंग असर कम हो जाए। उन्होंने कहा कि अगर राज्य इसे राजनीतिक वजह बताकर करें, तो इसे रोकना मुश्किल होगा। ओबामा ने इसे लोकतंत्र के लिए एक झटका बताया, लेकिन लोगों से अपील की कि वे हर चुनाव में ज्यादा से ज्यादा वोट करें और सक्रिय रहें। कमला हैरिस ने इस फैसले को सत्ता हथियाने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि कानून की धारा-2 के तहत ब्लैक और ब्राउन वोटर्स को संघीय सुरक्षा मिलती थी। अब भेदभाव रोकने वाला यह प्रावधान कमजोर होगा। उनके अनुसार कुछ राज्य, खासकर दक्षिणी अमेरिका में, जल्द ही चुनावी नक्शे बदल सकते हैं ताकि अपने राजनीतिक फायदे के लिए सीटों को सुरक्षित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि इससे आम लोगों की समस्याएं जैसे महंगाई, गैस, घर और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों से ध्यान हट जाता है।

13 वर्षीय मासूम से दरिंदगी करने वाले को आज फांसी: 50 साल बाद मिला न्याय, दोषी को दिया जाएगा मौत का इंजेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में लगभग पांच दशक पुराने जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिए गए जेम्स अर्नेस्ट हिचकॉक को आज शाम मौत की सजा दी जाएगी। 70 वर्षीय हिचकॉक को 13 वर्षीय सौतेली भतीजी के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया था।

कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, 31 जुलाई 1976 को हिचकॉक अपने भाई के घर में रह रहा था। घटना वाले दिन वह दोस्तों के साथ कई घंटों तक शराब पीने और मारिजुआना का सेवन करने के बाद घर लौटा। इसके बाद उसने 13 वर्षीय मासूम के कमरे में जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब लड़की ने कहा कि वह घायल है और अपनी मां को सब कुछ बताएगी, तो हिचकॉक ने उसे कमरे से बाहर जाने से रोकने की कोशिश की और फिर उसका गला दबाना शुरू कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, वह लड़की को घर के बाहर ले गया, जहां उसने उसे पीटा और गला दबाया, जब तक कि वह पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हो गई। इसके बाद उसने शव को पास की झाड़ियों में फेंक दिया। वारदात के बाद हिचकॉक घर लौटा, नहाया और सो गया।

ट्रायल के दौरान बदला बयान : ट्रायल के दौरान हिचकॉक ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि हत्या उसने नहीं बल्कि उसके भाई ने की थी। उसने दावा किया कि लड़की के साथ सहमति से संबंध बनाने के बाद उसका भाई कमरे में आया, उसे बाहर ले गया और गुस्से में उसकी पिटाई व गला घोंटकर हत्या कर दी। हिचकॉक ने कहा कि उसने अपने भाई को बचाने के लिए पहले अपराध अपने ऊपर लिया था।

सजा और लंबी कानूनी लड़ाई : हिचकॉक को 1977 में पहली बार मौत की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अपीलों और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते उसे 1988, 1993 और 1996 में दोबारा मौत की सजा सुनाई गई। हाल ही में फ्लोरिडा सुप्रीम कोर्ट ने उसकी फांसी रोकने की अपील खारिज कर दी। उसके वकीलों ने दलील दी थी कि वह निर्दोष है और राज्य ने उसे मृत्युदंड से जुड़े सार्वजनिक रिकॉर्ड तक पहुंच नहीं दी, जिससे उसके बचाव का अधिकार प्रभावित हुआ। फिलहाल उसकी अंतिम अपील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

फ्लोरिडा में बढ़ती मृत्युदंड की संख्या : यह इस साल फ्लोरिडा में छठी फांसी होगी। राज्य के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के कार्यकाल में 2025 में रिकॉर्ड 19 लोगों को फांसी दी गई थी, जो 1976 में मृत्युदंड बहाल होने के बाद किसी भी साल में सबसे ज्यादा है। 2014 में आठ फांसी का पिछला रिकॉर्ड था, जिसे 2025 में पीछे छोड़ दिया गया। फ्लोरिडा में 21 मई को एक और मृत्युदंड प्रस्तावित है। 47 वर्षीय रिचर्ड नाइट को अपनी कजिन की गर्लफ्रेंड और उसकी चार साल की बेटी की हत्या के मामले में मृत्युदंड दिया जाना है। साल 2025 में पूरे अमेरिका में कुल 47 लोगों को मृत्युदंड दी गई। फ्लोरिडा इस मामले में सबसे आगे रहा, जबकि अलबामा, साउथ कैरोलाइना और टेक्सास दूसरे स्थान पर रहे, जहां पांच-पांच मृत्युदंड दिया गया।

ट्रंप को धमकी देने के आरोप में फंसे एफबीआई के पूर्व प्रमुख, ट्रंप बोले- जेम्स कोमी बुरे और भ्रष्ट आदमी हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एफबीआई के पूर्व प्रमुख जेम्स कोमी पर बुधवार को तीखा हमला बोला और जेम्स कोमी को बुरा और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी बताया। जेम्स कोमी, डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की कथित धमकी देने के आरोप में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। जेम्स कोमी ने एक रहस्यमयी पोस्ट किया था, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप को धमकाने के तौर पर देखा जा रहा है।

ट्रंप ने जेम्स कोमी को लेकर क्या कहा : डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'अगर कोई भी अपराध के बारे में जानता है तो उन्हें पता होगा कि 86 का मतलब क्या होता है। इसे अपराध की भाषा में हत्या करने के तौर पर देखा जाता है। आपने फिल्मों में देखा होगा कि अपराधी अपने सहयोगियों से किसी के लिए कहते हैं कि उसकी हत्या कर दो और इसके लिए 86 नंबर का इस्तेमाल करते हैं।' ट्रंप ने कहा कि उनकी जान खतरे में थी और जेम्स कोमी जैसे लोग खतरनाक हो सकते हैं। जेम्स कोमी एक बुरे और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी हैं। उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी की। उन्होंने हिलेरी क्लिंटन की मदद की।

कोमी पर ट्रंप को धमकी देने का है आरोप : जेम्स कोमी, अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व प्रमुख रह चुके हैं और साल 2017 में ट्रंप ने उन्हें पद से हटा दिया था। बीते साल मई में जेम्स कोमी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में पत्थरों की एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें पत्थरों को इस

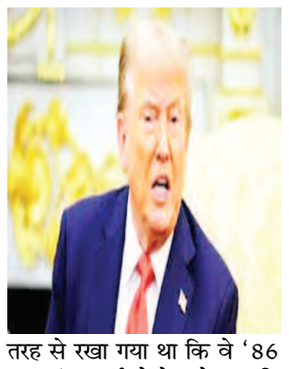

तरह से रखा गया था कि वे '86 47' नंबर दर्शा रहे थे। इसे राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी माना गया। आपराधिक और कानूनी जगत में 86 नंबर को हत्या करने के कोडवर्ड के रूप में जाना जाता है। वहीं 47 को डोनाल्ड ट्रंप से जोड़ा जा रहा है क्योंकि वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति हैं। हालांकि जेम्स कोमी ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि वे निर्दोष हैं और उन्हें किसी का डर नहीं है। कोमी ने न्याय विभाग की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और कहा कि न्याय विभाग ऐसे काम नहीं करता।

जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई उत्तरी कैरोलिना में हो रही इसी पोस्ट के लिए अमेरिका के न्याय विभाग ने जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसकी सुनवाई उत्तरी कैरोलिना की संघीय अदालत में हो रही है। राष्ट्रपति को धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज होने के बाद बुधवार को जेम्स कोमी ने आत्मसमर्पण कर दिया। हालांकि 10 मिनट सुनवाई के बाद उन्हें जाने दिया गया। फिलहाल अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तय नहीं की है।

ट्रंप का डबल अटैक: ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी को बताया जीनियस, कहा- परमाणु हथियार छोड़े बिना नहीं होगी कोई डील

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे जीनियस बताते हुए साफ कहा कि जब तक ईरान अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म नहीं करता, तब तक कोई समझौता नहीं होगा।

ट्रंप ने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि यह पूरी तरह सफल और फुलप्रूफ रही है। उनके मुताबिक, इससे अमेरिकी नेवी की ताकत साफ नजर आती है और अब कोई भी देश अमेरिका के सामने चालबाजी नहीं कर पाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके पहले कार्यकाल से ही सेना को लगातार मजबूत किया गया है, जिससे आज अमेरिका दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकत बन चुका है। आगे बोलते हुए ट्रंप ने वेनेजुएला और ईरान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला की सेना कुछ ही समय में ढह गई थी और ईरान के मामले में भी अमेरिका ने सैन्य रूप से उसे पूरी तरह कमजोर कर दिया है। उनके अनुसार, ईरान की नौसेना लगभग खत्म हो चुकी है और उसकी वायुसेना भी अब प्रभावी भूमिका निभाने की स्थिति में नहीं है।

नो न्यूक्लियर, तभी डील- ट्रंप का स्पष्ट संदेश : ट्रंप ने दो टूक कहा कि कोई भी समझौता तभी संभव है जब ईरान परमाणु हथियार बनाने की दिशा पूरी तरह छोड़ दे। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अब बातचीत पहले की तरह आमने-सामने नहीं बल्कि फोन के जरिए हो रही है। ट्रंप के अनुसार, इस नाकेबंदी से ईरान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है और देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नाकेबंदी के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार पर भी असर पड़ा है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। डिप्लोमैटिक

कोशिशों पर ट्रंप ने कहा कि बातचीत का सिलसिला जारी है, लेकिन अब तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया कि हर बार लंबी उड़ान भरकर आमने-सामने मिलने के बजाय अब अधिकतर बातचीत फोन के जरिए हो रही है, जिससे प्रक्रिया आसान और तेज हो गई है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि आमने-सामने बातचीत को वह अब भी ज्यादा प्रभावी मानते हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने जानकारी दी कि अब तक 42 व्यापारिक जहाजों को वापस लौटाया जा चुका है, जो नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान के समुद्री व्यापार पर बड़ा असर डाल रही है और अमेरिकी सेना लगातार निगरानी बनाए हुए है। ईरान का प्रस्ताव और अमेरिका का रुख मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने शर्तों के साथ युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है, जिसमें नाकेबंदी हटाने की मांग शामिल है। हालांकि अमेरिका ने फिलहाल इस पर सख्त रुख अपनाया है और साफ कर दिया है कि परमाणु कार्यक्रम पर समझौता किए बिना कोई राहत नहीं दी जाएगी। होर्मुज जलडमरूमध्य बना तनाव का केंद्र स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इस समय अमेरिका-ईरान तनाव का सबसे अहम केंद्र बना हुआ है। यह दुनिया के सबसे व्यस्त तेल मार्गों में से एक है, जहां सामान्य दिनों में रोजाना 100 से अधिक जहाज गुजरते थे, लेकिन मौजूदा संकट में यातायात काफी कम हो गया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)